

# अन्नपूर्ण गाउँपालिका

मध्यमकालीन खर्च संरचना

## Medium Term Expenditure Framework

(आर्थिक वर्ष २०८२/०८३–२०८४/२०८५)



अन्नपूर्ण गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

पोखरे वगर, म्यागदी

[ito.annamun@gmail.com](mailto:ito.annamun@gmail.com)

website: [www.annapurnamyagdi.gov.np](http://www.annapurnamyagdi.gov.np)

## सत्त्वाहकार समिति

श्री भारत कुमार पुन, गाउँपालिका अध्यक्ष

श्री दिवा कुमारी तिलिजा पुन, गाउँपालिका उपाध्यक्ष

श्री राम प्रसाद शर्मा कंडेल, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत

श्री भगवती खड्का कटुवाल, प्रशासकीय अधिकृत, प्रशासन शाखा

श्री गणेश वहादुर कटुवाल, शिक्षा अधिकृत, शिक्षा शाखा

श्री नवीन पौडेल, लेखा अधिकृत, आर्थिक प्रशासन शाखा

श्री तिर्थराज ढुङ्गाना, ईन्जिनियर, पूर्वाधार विकास तथा भवन नियमन शाखा

श्री समुन्द्र वरुवाल, जनस्वास्थ्य निरिक्षक, आधारभुत स्वास्थ्य तथा सरसफाई शाखा

श्री रमेश थापा, सूचना प्रविधि अधिकृत, सूचना प्रविधि शाखा

श्री सुमित्रा गैरे, रोजगार संयोजक, प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम

श्री सूर्य मणि शाह, अधिकृत छैठौ, आयूर्वेद शाखा

श्री श्याम शरण कुर्मी, कृषि अधिकृत, कृषि शाखा

श्री प्रेम पराजुली, सहायक लेखा अधिकृत, आर्थिक प्रशासन शाखा

श्री रुपेश कुमार चौधरी, पशु स्वास्थ्य निरिक्षक, पशु शाखा

श्री मन्जु पौडेल, वरिष्ठ प्रशासन सहायक, योजना शाखा

## परामर्शदाता

ह्याप्पी स्ट्रिङ एड्भाइजर्स प्रा.लि.

बेनी नगरपालिका ८, म्यार्गदी

## विषयसूची

परिच्छेद १ : परिचय .....	१
१.१ पृष्ठभूमि .....	१
१.२ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा .....	१
१.३ मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको उद्देश्य .....	२
१.४ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाका आधारहरु .....	३
१.५ दिगो विकास लक्ष्य र मध्यमकालीन खर्च संरचना .....	३
१.६ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा विधि तथा प्रक्रिया .....	५
परिच्छेद २: मध्यमकालीन खर्च संरचना .....	९
२.१ पृष्ठभूमि .....	९
२.२ चुनौती तथा अवसर .....	९
२.३ सोच, उद्देश्य तथा रणनीति .....	१०
२.४ मध्यमकालीन आर्थिक खाका .....	१२
२.५ मध्यमकालीन नतिजा खाका .....	१२
२.६ मध्यमकालीन बजेट खाका .....	१२
२.७ बजेट विनियोजन र प्रक्षेपणको बाँडफाँट .....	१३
२.८ विषय क्षेत्रगत बाँडफाँट .....	१६
परिच्छेद ३ : आर्थिक क्षेत्र .....	२४
३.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा .....	२४
३.१.१ पृष्ठभूमि .....	२४
३.१.२ समस्या तथा चुनौती .....	२४
३.१.३ सोच .....	२५
३.१.४ उद्देश्य .....	२५
३.१.५ रणनीति .....	२५
३.१.६ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	२५
३.१.७ नतिजा सुचक तथा मध्यमकालीन लक्ष .....	२५
३.१.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	२५
३.२ पशुपञ्ची विकास .....	२७
३.२.१ पृष्ठभूमि .....	२७
३.२.२ समस्या तथा चुनौती .....	२७
३.२.३ सोच .....	२७
३.२.४ उद्देश्य .....	२७

३.२.५ रणनीति .....	२८
३.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	२८
३.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	२९
३.२.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	२९
३.३ उद्योग तथा व्यापार व्यावसाय .....	२९
३.३.१ पृष्ठभूमि.....	२९
३.३.२ समस्या तथा चुनौती .....	३०
३.३.३ सोच .....	३०
३.३.४ उद्देश्य .....	३०
३.३.५ रणनीति .....	३०
३.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	३१
३.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	३१
३.३.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	३१
३.४ पर्यटन तथा संस्कृति .....	३२
३.४.१ पृष्ठभूमि .....	३२
३.४.२ समस्या तथा चुनौती .....	३२
३.४.३ सोच .....	३२
३.४.४ उद्देश्य .....	३२
३.४.५ रणनीति .....	३२
३.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	३३
३.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	३३
३.४.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	३४
३.४ वन, पार्क, हरियाली .....	३४
३.४.९ पृष्ठभूमि .....	३४
३.४.२ समस्या तथा चुनौती .....	३४
३.४.३ सोच .....	३५
३.४.४ उद्देश्य .....	३५
३.४.५ रणनीति .....	३५
३.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	३५
३.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	३५
३.४.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	३६

परिच्छेद ४ : सामाजिक क्षेत्र	३७
४.१ शिक्षा, कला भाषा तथा साहित्य	३७
४.१.१ पृष्ठभूमि	३७
४.१.२ समस्या तथा चुनौती	३७
४.१.३ सोच	३८
४.१.४ उद्देश्य	३८
४.१.५ रणनीति	३८
४.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य	३८
४.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान	३९
४.१.८ अनुमान तथा जोखिम	३९
४.२ स्वास्थ्य तथा पोषण	४०
४.२.१ पृष्ठभूमि	४०
४.२.२ समस्या तथा चुनौती	४०
४.२.३ सोच	४०
४.२.४ उद्देश्य	४०
४.२.५ रणनीति	४०
४.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य	४१
४.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान	४२
४.२.८ जोखिमपक्ष तथा अनुमान	४२
४.३ खानेपानी तथा सरसरफाई	४३
४.३.१ पृष्ठभूमि	४३
४.३.२ समस्या तथा चुनौती	४३
४.३.३ सोच	४३
४.३.४ उद्देश्य	४३
४.३.५ रणनीति	४३
४.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य	४३
४.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान	४४
४.३.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान	४४
४.४ महिला, बालबालिका, सामाजिक संरक्षण र समावेशीकरण	४५
४.४.१ पृष्ठभूमि	४५
४.४.२ समस्या तथा चुनौती	४५
४.४.३ सोच	४६

४.४.४ उद्देश्य .....	४६
४.४.५ रणनीति .....	४६
४.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	४६
४.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	४७
४.४.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	४७
४.५. यूवा, खेलकुद तथा नवप्रवर्द्धन .....	४८
४.५.१ पृष्ठभूमि .....	४८
४.५.२ समस्या तथा चुनौती .....	४८
४.५.३ सोच .....	४८
४.५.४ उद्देश्य .....	४८
४.५.५ रणनीति .....	४८
४.५.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	४८
४.५.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	४९
४.५.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	४९
४.६. सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण .....	५०
४.६.१ पृष्ठभूमि .....	५०
४.६.२ समस्या तथा चुनौती .....	५०
४.६.३ सोच .....	५०
४.६.४ उद्देश्य .....	५०
४.६.५ रणनीति .....	५०
४.६.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	५०
४.६.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	५०
४.६.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	५१
<b>परिच्छेद ५ : पुरावार्धार क्षेत्र.....</b>	<b>५१</b>
५.१ आवास, भवन तथा शहरी विकास .....	५१
५.१.१ पृष्ठभूमि .....	५१
५.१.२ समस्या तथा चुनौती .....	५१
५.१.३ सोच .....	५१
५.१.४ उद्देश्य .....	५२
५.१.५ रणनीति .....	५२
५.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	५२
५.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	५३

५.१.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	५३
५.२ सडक तथा यातायात .....	५३
५.२.१ पृष्ठभूमि .....	५३
५.२.२ समस्या तथा चुनौती .....	५४
५.२.३ सोच .....	५४
५.२.४ उद्देश्य .....	५४
५.२.५ रणनीति .....	५४
५.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	५५
५.२.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान .....	५५
५.३ विज्ञान तथा प्रविधि .....	५५
५.३.१ पृष्ठभूमि .....	५५
५.३.२ समस्या तथा चुनौती .....	५६
५.३.३ सोच .....	५६
५.३.४ उद्देश्य .....	५६
५.३.५ रणनीति .....	५६
५.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	५६
५.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	५६
५.४ पुन निर्माण .....	५७
५.४.१ पृष्ठभूमि .....	५७
५.४.२ समस्या तथा चुनौती .....	५७
५.४.३ सोच .....	५७
५.४.४ उद्देश्य .....	५७
५.४.५ रणनीति .....	५७
५.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	५७
५.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	५८
५.४.८ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	५८
५.५ सूचना, संचार तथा प्रविधि .....	५८
५.५.१ पृष्ठभूमि .....	५८
५.५.२ समस्या तथा चुनौती .....	५८
५.५.३ सोच .....	५९
५.५.४ उद्देश्य .....	५९
५.५.५ रणनीति .....	५९
५.५.६ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	५९

५.५.८ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान.....	६०
५.६ सम्पदा पूर्वाधार .....	६०
५.६.१ पृष्ठभूमि .....	६०
५.६.२ समस्या तथा चूनौति .....	६०
५.६.३ सोच .....	६०
५.६.४ उद्देश्य .....	६०
५.६.५ रणनीति .....	६१
५.६.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	६१
५.६.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	६१
५.६.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान.....	६१
 परिच्छेद ६ : संस्थागत विकास तथा सूशासन क्षेत्र.....	६२
६.१ वातावरण, जलवायू परिवर्तन तथा फोहरमैला व्यवस्थापन .....	६२
६.१.१ पृष्ठभूमि .....	६२
६.१.२ समस्या तथा चूनौति .....	६२
६.१.३ सोच .....	६२
६.१.४ उद्देश्य .....	६२
६.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	६३
६.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	६४
६.१.८ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	६४
६.२ विपद जोखिम व्यवस्थापन र जलवायू परिवर्तन अनुकूलन .....	६४
६.२.१ पृष्ठभूमि .....	६४
६.२.२ समस्या तथा चूनौति .....	६५
६.२.३ सोच .....	६५
६.२.४ उद्देश्य .....	६५
६.२.५ रणनीति .....	६५
६.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	६५
६.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	६६
६.२.८ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	६६
६.३ शासन प्रणाली .....	६७
६.३.१ पृष्ठभूमि .....	६७
६.३.२ समस्या तथा चूनौति .....	६७

६.३.३ सोच .....	६७
६.३.४ उद्देश्य .....	६७
६.३.५ रणनीति .....	६७
६.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	६७
६.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	६७
६.३.८ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	६८
६.४ योजना तर्जुमा तथा कार्यान्वयन .....	६८
६.४.१ पृष्ठभूमि .....	६८
६.४.२ समस्या तथा चूनौति .....	६८
६.४.३ सोच .....	६८
६.४.४ उद्देश्य .....	६८
६.४.५ रणनीति .....	६८
६.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	६८
६.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	६८
६.४.८ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	६९
६.५ वित्तीय सुशासन .....	६९
६.५.१ पृष्ठभूमि .....	६९
६.५.२ समस्या तथा चूनौति .....	६९
६.५.३ सोच .....	६९
६.५.४ उद्देश्य .....	६९
६.५.५ रणनीति .....	६९
६.५.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	६९
६.५.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	६९
६.४.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	६९
६.६ प्रशासकिय सुशासन .....	७०
६.६.१ पृष्ठभूमि .....	७०
६.६.२ समस्या तथा चूनौति .....	७०
६.६.३ सोच .....	७०
६.६.४ उद्देश्य .....	७०
६.६.५ रणनीति .....	७१

६.६.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	७१
६.६.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	७१
६.६.८ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	७१
६.७ मानव संशाधन विकास .....	७१
६.७.१ पृष्ठभूमि .....	७१
६.७.२ समस्या तथा चूनौति .....	७२
६.७.३ सोच .....	७२
६.७.४ उद्देश्य .....	७२
६.७.५ रणनीति .....	७२
६.७.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	७२
६.७.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	७३
६.७.८ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	७३
६.८ तथ्यांक, योजना तथा विकास व्यवस्थापन .....	७३
६.८.१ पृष्ठभूमि .....	७३
६.८.२ समस्या तथा चूनौति .....	७३
६.८.३ सोच .....	७४
६.८.४ उद्देश्य .....	७४
६.८.५ रणनीति .....	७४
६.८.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य .....	७४
६.८.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान .....	७४
६.८.८ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान .....	७५

## अनुसूचिहर

अनुसूची १ : मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा सम्बन्धि कार्यदल गठन .....	७६
अनुसूची २ : मध्यमकालीन खर्च संरचना तथा आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तर्जुमा सम्बन्धि मार्गदर्शन .....	७७
अनुसूची ३ : अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको कार्यक्रमको शिर्षकगत त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण .....	८२

## तालिकासूची

तालिका २.१ : समष्टिगत आर्थिक मध्यमकालीन लक्ष्य	१२
तालिका २.२: प्रमुख समष्टिगत नितिजा खाका	१२
तालिका २.३ : समष्टिगत मध्यमकालीन बजेट खाका	१४
तालिका २.४ : प्राथमिकताकमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण	१६
तालिका २.५ : दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण	१६
तालिका २.६ : लैंगिक उत्तरदायी बजेटको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण	१७
तालिका २.७ : जलवायु संकेतको बजेटको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण	१८
तालिका २.८ : विषयगत क्षेत्रको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण	१८
तालिका २.९ : आगामी तीन आ.व.को विषय क्षेत्रगत खर्चको बाँडफाटको प्रक्षेपण	२०

अन्तपत्ति तालिका

## परिच्छेद १: परिचय

### १.१ पृष्ठभूमि

नेपाल अधिराज्यको वर्तमान संविधानले संघ र प्रदेशलाई भै स्थानीय तहलाई पनि आफ्नो भूगोल, स्थानीय विशिष्ट आवश्यकता र समयको गति अनुसार विकासको मार्गचित्र निर्धारण गरी आवश्यक नीति, ऐन, निर्देशिका, कार्यविधि, मापदण्ड, रणनीति, कार्यक्रम र योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने अधिकार दिएको छ । अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४ को दफा १७ मा नेपाल सरकार, प्रदेश तथा स्थानीय तहले दफा १६ बमोजिमको सार्वजनिक खर्चको विवरण तयार गर्दा आगामी तीन अर्थक वर्षमा हुने खर्चको प्रक्षेपण सहितको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नु पर्नेछ भनेर उल्लेख गरेको छ । त्यसैगरी, स्थानीय आवधिक योजना, क्षेत्रगत गुरुयोजना र योजना बैंक तयार गरी समष्टिगत अर्थिक परिसूचक तथा विषयगत लक्ष्य हरु निर्धारण गर्न विभिन्न मार्गदर्शनहरु प्रदान गरिएको छ । त्यस्ता उद्देश्य र लक्ष्यहरु हासिल गर्न आवश्यक लगानी तथा श्रोत व्यवस्थापनको जिम्मेवारी समेत स्थानीय तहलाई नै दिइएको छ । विनियोजन कुशलता, कार्यान्वयन दक्षता र वित्तीय सुशासन जस्ता सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनका आधारभूत सिद्धान्तलाई आत्मसाथ गरेर स्थानीय तहले आफ्नो आवश्यकता अनुसार पहिचान भएका योजना तथा कार्यक्रमहरु कार्यान्वयनका लागि श्रोत व्यवस्थापन गर्नु पर्दछ ।

स्थानीय तहको आवधिक योजना र योजना बैंकमा सूचिकृत भएका आयोजना तथा कार्यक्रमहरु वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रममा समावेश भै श्रोत सुनिश्चितता भएपछि मात्र कार्यान्वयनमा जान्छन् । आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक विकास कार्यक्रम बीच तादात्म्यता कायम गरी मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गरी प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नु पर्दछ । मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रमुख उद्देश्य खर्चको श्रोत सुनिश्चितता गर्ने, योजना र कार्यक्रमको प्राथमिकीकरण गर्ने र स्रोतको कुशलतापूर्वक योजना र कार्यक्रममा विनियोजन गरी प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने हो । त्यसैले मध्यमकालीन खर्च संरचनाले योजना तथा कार्यक्रमका लक्षित नतिजा हासिल गर्नको निमित्त उपलब्ध श्रोत साधनको प्रभावकारी विनियोजन, पारदर्शीता र मितव्यी खर्च प्रणाली अवलम्बन गरी वित्तीय सुशासनमा सुधार ल्याउन महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह गर्दछ ।

यस सन्दर्भमा अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको कार्यपालिका, विषयगत समिति, मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी कार्यदल, विषयगत शाखासँग राय तथा परामर्श लिएर आवधिक योजना, गाउँपालिकाको वस्तुगत विवरण, राजस्व सुधार कार्ययोजना, गाउँपालिकाको गत पाँच वर्षको उपलब्धि समिक्षा प्रतिवेदनमा उपलब्ध सूचना र आर्थिक वर्ष २०८१/०८२ को वार्षिक कार्यक्रमलाई आधार मानिएको छ । यसै क्रममा अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाले विषय विज्ञहरुको प्राविधिक सहयोगमा आगामी तीन चक्रीय वर्षको खर्च प्रक्षेपण सहित दिगो विकास लक्ष्य मैत्री मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८२/८३-२०८४/८५) तयार गरिएको छ ।

### १.२ मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा

मध्यमकालीन खर्च संरचनामा स्थानीय सरकारको श्रोत (राजस्व, अनुदान र ऋण) को आंकलन गरिन्छ । आवधिक योजनाले निर्धारण गरेका प्राथमिकताका क्षेत्रमा मध्यम अवधिको लागि स्रोतको कुशलतापूर्वक विनियोजन गरिन्छ । योजना तथा कार्यक्रमहरुको प्रभावकारी कार्यान्वयन गरिन्छ । योजना तथा कार्यक्रमको कार्यान्वयन गर्दा वित्तीय सुशासन कायम गरिन्छ । पछिल्लो समय नेपाल सरकारले विभिन्न अन्तर्राष्ट्रिय मञ्चहरुमा व्यक्त गरेका प्रतिवेदन अनुरूपमा लक्ष्य हरु (दिगो विकास लक्ष्य, लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन) हासिल गर्न आवश्यक योजना तथा कार्यक्रमका लागि समेत खर्च सुनिश्चित गर्ने औजारका रूपमा मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई उपयोग गर्न थालिएको छ । यस्ता सबै प्रकारका प्रतिवेदन लागि गर्न सहयोग पुग्नुका साथै स्थानीय आवश्यकताका आयोजना तथा कार्यक्रमका लागि पहिलो

आर्थिक वर्षको वास्तविक बजेट र खर्चको अनुमान हुन्छ भने त्यसपछिका दुई आर्थिक वर्षका लागि सम्भाव्य श्रोत र खर्चको प्रक्षेपण गरिन्छ । पहिलो वर्षको बजेट कार्यान्वयन भएपछि उपलब्धिहरुको समीक्षा गरी बाँकी दुई वर्षको प्रक्षेपित अनुमान परिमार्जन गरिन्छ भने थप एक वर्षको लागि बजेट प्रक्षेपण गरिन्छ । यसरी मध्यमकालीन खर्च संरचनामा चक्रीय हिसाबले प्रत्येक आर्थिक वर्षको शुरुमा तीन आर्थिक वर्षको बजेटको आंकलन र प्राथमिकताका आधारमा विनियोजन गरिन्छ । त्यसैले, मध्यमकालीन खर्च संरचनाले बजेट तर्जुमा प्रक्रियालाई बढी यथार्थपरक र वस्तुनिष्ठ र वित्तीय सुशासन कायम गर्न महत्वपूर्ण भूमिका खेलेको हुन्छ ।

मध्यमकालीन खर्च संरचनामा मुलतः समष्टिगत आर्थिक खाका, नतिजा खाका र बजेट खाका गरी तीन अवयवहरु समावेश गरिएका हुन्छन् । आवधिक योजना, मध्यमकालीन खर्च संरचना र वार्षिक विकास कार्यक्रमको उपलब्धि र अपेक्षित नतिजाको आधारमा स्थानीय तहसँग सम्बन्धित आर्थिक तथा सामाजिक परिसूचक समावेश गरी मध्यमकालीन आर्थिक खाका (Medium Term Fiscal Framework - MTFF) तयार गरिन्छ । स्थानीय तहलाई संघ तथा प्रदेशबाट प्राप्त हुने अनुदान, आन्तरिक आय र ऋण तथा अन्य स्रोतको समेत आंकलन गरी क्षेत्रगत प्राथमिकता अनुरूप विषयगत शाखा र बडागत आयोजनामा लाग्ने खर्चको अनुमान सहितको मध्यमकालीन बजेट खाका Medium Term Budgetary Framework - MTBF तयार गरिन्छ । त्यसै अनुसार, वार्षिक रूपमा बजेटको कार्यान्वयनबाट तीन वर्षमा प्राप्त हुने प्रतिफलको पनि अनुमान गरी मध्यमकालीन नतिजा खाका (Medium Term Result Framework - MTRF) तयार गरिन्छ ।

### १.३ मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीको उद्देश्य

अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाले निर्माण गरेको मध्यमकालीन खर्च संरचना योजना तर्जुमा प्रक्रियाको एउटा महत्वपूर्ण औजार हो । मध्यमकालीन खर्च संरचनामा प्राथमिकता प्राप्त योजनाको लागि श्रोत साधन तथा बजेटको सुनिश्चितता गर्ने हो । मध्यम अवधिको लागि आन्तरिक र वाह्य स्रोतको वास्तविक तथा यथार्थपरक श्रोत अनुमान गरी बजेट खाका तयार गर्ने रहेको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचनाले स्थानीय तहको सार्वजनिक खर्चलाई व्यवस्थित, प्रभावकारी बनाई अपेक्षित प्रतिफलको सुनिश्चित पनि गर्दछ । मध्यमकालीन खर्च संरचनाले बहुवर्षीय आयोजना कार्यान्वयन र खरिद व्यवस्थापनलाई सहयोग गर्ने गर्दछ ।

यसबाट गाउँपालिकाको आवधिक योजना अनुरूपका समृद्धिको संवाहक र प्राथमिकता प्राप्त योजना तथा कार्यक्रमहरुमा लगानी सुनिश्चित हुने अपेक्षा गरिएको छ । बहुवर्षीय आयोजना र दिगो विकासमैत्री कार्यक्रमहरुको कार्यान्वयनको माध्यमबाट दिगो विकासका लक्ष्य हरु हासिल गर्न सहयोग पुऱ्याउने हेतुले यसको तर्जुमा गरिएको छ । यस गाउँपालिकाले तयार गरेको दीर्घकालीन विकासको सोच “ समृद्ध अन्तर्पूर्ण निर्माणको आधार: दिगो कृषि, पर्यटन, उर्जा र उत्थानशिल पूर्वाधार ” संघीय सरकार र गण्डकी प्रदेशले निर्धारण गरेका विकास र समृद्धिका दीर्घकालिन लक्ष्यहरु प्राप्त गर्न समेत योगदान पुऱ्याउने आसा एवं विश्वास लिइएको छ ।

यस मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई सरल र यथार्थपरक बनाउन विषयक्षेत्रगत आधारमा मध्यमकालीन लक्ष्य निर्धारण गरी सोही बमोजिम श्रोत तथा खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ । यसबाट गाउँपालिकालाई आर्थिक वर्षहरुको बजेट तर्जुमा प्रक्रियामा समेत बढी यथार्थपरक र वस्तुनिष्ठ बनाउन सहयोग पुऱ्याउने अपेक्षा गरिएको छ । यसका अतिरिक्त मध्यमकालीन खर्च संरचनाको तयारीबाट निम्नानुसारको उद्देश्य हासिल हुने अपेक्षा गरिएको छ ।

- (क) मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई दिगो विकास र समृद्धिमैत्री बनाई नेपाल सरकारले निर्धारण गरेका लक्ष्य सन् २०८० सम्म प्राप्त गर्न सहयोग गर्ने

- (ख) गाउँपालिकाको विकास र समृद्धिका लागि उपलब्ध आन्तरिक श्रोत र नेपाल सरकार तथा गण्डकी प्रदेशबाट हस्तान्तरण भएर आउने स्रोतको वास्तविक अनुमान गरी बजेट तर्जुमा प्रक्रियालाई सहज बनाउने
- (ग) स्थानीय नीति, आवधिक योजनाको लक्ष्य र उद्देश्य तथा वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम बीच तादात्म्यता कायम गरी श्रोत र साधनको विनियोजनलाई यथार्थपरक र प्रभावकारी बनाउने
- (घ) कार्यक्रम तथा योजनाको दिगो विकास लक्ष्य तथा अन्य परिसूचक अनुरूप वर्गीकरण गरी प्राथमिकता प्राप्त आयोजना तथा कार्यक्रममा स्रोतको सुनिश्चितता गर्ने
- (ङ) गाउँपालिकाको सार्वजनिक खर्च तथा वित्त व्यवस्थापन प्रणालीलाई बढी प्रभावकारी र नितिजामुखी बनाई लक्षित प्रतिफल प्राप्त गर्न सहयोग गर्ने

## १.४ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाका आधारहरु

सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनमा संविधानले व्यवस्था गरेका प्रावधानहरू एवं अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको अधिकारक्षेत्र भित्रका आर्थिक, सामाजिक, वातावरणीय तथा राजनीतिक पक्षसँग सम्बन्धित विभिन्न नीति, ऐन, नियमको कार्यान्वयन तथा दीर्घकालीन योजना, आवधिक योजना, विषयगत रणनीतिक योजना र दिगो विकासको लक्ष्य हासिल गर्ने पक्ष महत्वपूर्ण हुने भएकोले यस मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्दा तपसिल बमोजिम उल्लेखित श्रोतहरूलाई प्रमुख मार्गदर्शक तथा आधारका रूपमा लिइएको छ।

- नेपालको संविधान, २०७२
- स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४
- अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४
- राष्ट्रिय योजना आयोगले जारी गरेको स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको आवधिक योजना
- स्थानीय तहको दिगो विकास लक्ष्य मैत्री मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्न सहयोगी स्रोत पुस्तिका, २०७९
- स्थानीय सरकारको बजेट तथा योजना तर्जुमा हाते पुस्तिका, २०७७
- नेपालको राष्ट्रिय दीर्घकालीन सोच, सोहै राष्ट्रिय योजना (२०८१/८२-२०८५/८६)
- गण्डकी प्रदेशको द्रोश्रो आवधिक योजना (२०८१/८२-२०८५/८६)
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम, विषय क्षेत्रगत नीति र योजनाहरु
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको आ.व. २०८०/०८१ र २०८१/०८२ को नीति, कार्यक्रम, योजना र बजेट पुस्तिका
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको आर्थिक ऐन २०८०/०८१ र २०८१/०८२
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको वस्तुगत विवरण/पार्श्वचित्र (Profile), २०७४
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाका सान्दर्भिक नीति, कानून तथा प्रतिवेदनहरु

## १.५ मध्यमकालीन खर्च संरचना र दिगो विकास लक्ष्य

दिगो विकास लक्ष्य गरीबीको अन्त्य, समग्र पर्यावरण तथा धरतीको संरक्षण र सबै मानिसमा शान्ति एवं समृद्धिको भावनाले संयुक्त राष्ट्र संघको १५ औं साधारण सभाद्वारा विश्वको साभा, दिगो र सुरक्षित भविष्यका

लागि ग्रहण गरिएको विश्वव्यापी लक्ष्य हो । सहसाब्दी विकास लक्ष्य (MDGs) मा आधारित रही तर्जुमा गरिएको दिगो विकास लक्ष्य (SDGs) मा सन २०३० सम्ममा हासिल गर्ने गरी १७ वटा विश्वव्यापी लक्ष्यहरू, १६९ परिमाणात्मक गन्तव्य र २३२ वटा सूचक निर्धारण गरिएका छन् । यी दिगो विकासका लक्ष्य हरू संघीय सरकार, प्रदेश सरकार तथा स्थानीय सरकारका काम, कर्तव्य अधिकार तथा दायित्वसँग प्रत्यक्ष, परोक्ष रूपमा सम्बन्धित रहेका छन् । नेपाल सरकारको दीर्घकालीन सोच “समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली” सँग सम्बन्धित राष्ट्रिय लक्ष्य हरू पनि दिगो विकास लक्ष्य सँग प्रत्यक्ष सम्बन्धित छन् । त्यसैले, तीनै तहका (संघ, प्रदेश र स्थानीय) सरकारहरूले दिगो विकासको लक्ष्य प्राप्तिमा प्रयत्न गर्नुपर्ने देखिएको छ । यसको अलवा, दिगो विकास लक्ष्य लाई देशको आवधिक, मध्यमकालीन खर्च संरचना तथा वार्षिक विकास योजनामा समाहित गरी कार्यान्वयन गर्ने प्रतिबद्धता जाहेर गरिएको छ ।

स्थानीय सरकार नागरिकका समस्या सम्बोधनमा प्रत्यक्ष रूपमा संलग्न हुने तथा नागरिकहरूसँग नजिकबाट जोडिएको हुनाले दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिमा महत्वपूर्ण भूमिका खेल्नु पर्ने हुन्छ । सबै क्षेत्रबाट सबै प्रकारका गरिबीको अन्त्य गर्नु दिगो विकास लक्ष्य- १ हो । दिगो विकास लक्ष्य प्राप्त गर्न गरिबीको चपेटामा परेका जनताको पहिचान गर्ने तथा सार्वजनिक वित्तलाई सम्बन्धित गरिब व्यक्ति वा समुदायसम्म केन्द्रित गरी योजना तथा कार्यक्रमहरूको प्राथमिकीकरण गरी नतिजाको लागि प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नु पर्दछ ।

छिटो छिटो तथा प्रभावकारी सेवा प्रवाह, विकास र समृद्धि हासिल गर्ने जस्ता कार्य जिम्मेवारी स्थानीय तहको कार्यक्षेत्रमा पर्ने भएकोले दिगो विकास लक्ष्य प्राप्त गर्न यसको स्थानीयकरण गर्ने महत्वपूर्ण अभिभारा स्थानीय तहमा रहेको छ । साथै, कुनै पनि सरकारको एकल प्रयासले मात्र दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्न सम्भव छैन । यसका लागि निजी क्षेत्र, गैरसरकारी क्षेत्र, नागरिक समाज, समुदाय, विकास साभेदार लगायत विकासका सरोकारवालाहरू बीचमा सहकार्य, समन्वय र साभेदारी हुन आवश्यक छ । दिगो विकासको अवधारणालाई साकार पार्न सम्बन्धित राष्ट्रियों आर्थिक तथा सामाजिक विकास र वातावरण संरक्षणको एकीकृत प्रयत्नले मात्र सदस्य राष्ट्रले दिगो विकास लक्ष्य लाई आन्तरिकीकरण गर्न सक्छ । अन्तर्राष्ट्रियस्तरमा सहमति भएका विकासका मुद्दामा सरकारको जिम्मेवारी पूरा गर्ने यो एउटा मूल्य माध्यम पनि हो । नेपालले चौधौं योजनादेखि नै दिगो विकास लक्ष्य लाई आन्तरिकीकरण गरिरहेको छ । जसअनुसार आम्दानीमा वृद्धि, मानव संसाधन विकास तथा आर्थिक जोखिमको न्यूनीकरण गर्दै वि.सं. २०७९ सम्ममा अति कम विकसित देशबाट विकासशील देशको रूपमा स्तरोन्तरी हुने र वि.सं. २०८७ सम्ममा दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्ने रहेको छ ।

संघ, प्रदेश र स्थानीय स्तरमा आवधिक योजना तर्जुमा गर्दा दिगो विकास लक्ष्य हरूलाई साडेकेतीकरण गरी सम्बन्धित योजनाले दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिमा पुऱ्याउने योगदानको आँकलन गरी समग्र विकास उपलब्धीलाई दिगो विकासका लक्ष्य प्राप्तीतर्फ उन्मुख गराउने प्रयास हुनु पर्दछ । दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिको लागि प्रदेश तथा स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन (नमूना) जारी गरी कार्यान्वयनमा ल्याइएको अवस्था छ । यसका अलवा, दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्ने प्राथमिकता प्राप्त योजना तथा कार्यक्रमहरू प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गर्ने स्थानीय तहहरूको क्षमता विकास गरी स्थानीय आवधिक योजना तर्जुमा गर्ने, दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिको लागि मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गर्ने, वार्षिक विकास कार्यक्रम तथा कुशल प्रकारले बजेट विनियोजन र नतिजामुखी कार्यान्वयन गर्नु जरुरी देखिन्छ ।

सार्वजनिक वित्तलाई दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तीतर्फ उन्मुख हुने गरी लगानी नगरेसम्म दिगो विकासको अपेक्षित उपलब्धि हासिल नहुने भएकोले दिगो विकास लक्ष्य प्राप्तिमा सार्वजनिक वित्तको अहम भूमिका रहेको छ । लगानी विना दिगो विकास लक्ष्य प्राप्त हुन नसक्ने हुनाले सामाजिक, आर्थिक, भौतिक विकास र वातावरण संरक्षणमा लगानीको मूल्य श्रोत सार्वजनिक वित्त भएकोले राजस्व सुधार योजना मार्फत स्थानीय तहले आम्दानी वृद्धि तथा यसका दायरा समयको गतिसँगै फराकिलो गराउदै लैजानु पर्दछ । यसो गर्नको लागि स्थानीय सरकारले प्रभावकारी (Effective) श्रोत परिचालन गरी जनताको हितको लागि नतिजा निकाल्न सक्नु पनि

पर्दछ । दिगो विकास लक्ष्य को प्राप्तिका लागि नेपाललाई रु. २० खर्ब देखि २४ खर्ब रुपैयाको वार्षिक बजेट आवश्यक पर्ने कुरा अर्थविदहरूले बताएका छन् । यसको लागि ५४.८ प्रतिशत सार्वजनिक क्षेत्र, ३६.५ प्रतिशत निजी क्षेत्र, ४.४ प्रतिशत घरपरिवार र ४.३ प्रतिशत सहकारी तथा गैरसरकारी क्षेत्रबाट योगदान हुने प्रक्षेपण गरिएको छ ।

स्थानीय सरकारको अर्को महत्वपूर्ण कार्यक्षेत्र सामाजिक विकासको क्षेत्रमा स्थानीय तहको क्षेत्राधिकारभित्र चारवटा प्रमुख क्षेत्र पर्दछन् । यसमा आधारभूत तथा माध्यमिक शिक्षा, आधारभूत स्वास्थ्य सेवा, खानेपानी तथा सरसफाई, लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण जस्ता पक्षहरू रहेका छन् । सामाजिक विकाससँग दिगो विकास लक्ष्य का चारवटा लक्ष्य, लक्ष्य -३ (स्वस्थ जीवन), लक्ष्य -४ (गुणस्तरीय शिक्षा), लक्ष्य ५ (लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण) र लक्ष्य -६ (स्वच्छ खानेपानी तथा सरसफाई) का लागि आवश्यक बजेटको सुनिश्चितता गर्न मध्यमकालीन खर्च संरचनाको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको छ ।

## १.६ मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा विधि तथा प्रक्रिया

मध्यमकालीन खर्च संरचना मुख्य गरी, संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयले जारी गरेको स्थानीय तहको मध्यमकालीन खर्च संरचना दिग्दर्शन २०७८, (परिमार्जित), स्थानीय तहको बजेट तथा कार्यक्रममा दिगो विकास लक्ष्य को साइडेटीकरण श्रोत पुस्तिका २०७९, स्थानीय तहको दिगो विकास लक्ष्य मैत्री मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्न सहयोगी श्रोत पुस्तिका २०७९ मा निर्देशित मार्गदर्शनमा आधारित रही तयार गरिएको छ । यसका साथै, राष्ट्रिय योजना आयोगले जारी गरेको स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८ मा समाविष्ट मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी सम्बन्धि अवधारणा, मार्गदर्शन तथा औजाहरू समेतलाई मध्यनजर गरी तयार गरिएको छ । यसै क्रममा, यस मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गर्दा अवलम्बन गरिएका विधि तथा प्रक्रिया तपसिल बमोजिम रहेका छन् ।

### प्रक्रिया १ : परामर्शदाता संस्था छनोट एवं परिचालन

त्रिवर्षीय मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गर्नको लागि अन्त्यपूर्ण गाउँपालिकाले ह्याप्पी स्ट्रिंग एडभाईजर्स प्रा.लि. बेनी नगरपालिका द, म्यारदीसँग करार सम्झौता गरी सम्बन्धित क्षेत्रका विषय विज्ञ (प्राविधिक) हरूको सेवा खरिद गरी अन्त्यपूर्ण गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गर्न परिचालन गरियो । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नको लागि समय सीमा तोकी सम्पन्न गर्नुपर्ने कार्यहरू, गाउँपालिका र सम्बन्धित विषय विज्ञहरूको कार्य जिम्मेवारी प्रष्ट हुने गरी तोकियो ।

### प्रक्रिया २ : मानव संसाधन परिचालन

अन्त्यपूर्ण गाउँपालिकाको कार्यक्षेत्रमा खटनपटन भए पछि विज्ञहरूद्वारा गाउँपालिकाका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत, शाखा प्रमुखहरू तथा अन्य पदाधिकारीहरूसँग छलफल तथा परामर्श गरी दिगो विकास लक्ष्य मैत्री मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा, मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारण, यस सम्बन्धि कानूनी व्यवस्थाहरू लगायतका विषयमा जानकारी गराउने, दिगो विकासमैत्री मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाका लागि आवश्यक तथ्यांक तथा सूचना संकलन गर्ने, मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाका लागि कार्यदल गठन् गरी आवश्यक निर्दिष्ट फारमहरू तयारी गर्ने तथा भर्ने कार्यलाई एकसाथ अघि बढाइएको थियो । यस प्रक्रियामा विज्ञ टोलीले सकेसम्म सहजीकरण गर्ने, साथ, सहयोग र परामर्श लिने भूमिका निर्वाह गर्दै गाउँपालिकाका सम्बद्ध पदाधिकारीहरूलाई पनि अधिकतम रूपमा सहभागी गराईएको थियो ।

### प्रक्रिया ३ : नीतिगत, कानूनी दस्तावेज, दिग्दर्शन लगायत अन्य सन्दर्भ सामग्री संकलन एवं समिक्षा

अन्त्यपूर्ण गाउँपालिकामा स्थलगत रूपमा खटिएपछि विज्ञ टोलीले गाउँपालिकाको मार्गनिर्देशनमा स्थानीय तहको योजना, श्रोत प्रक्षेपण र सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनसँग सम्बन्धित नीति, कानून, दिग्दर्शन र कार्यविधि लगायतका सान्दर्भिक दस्तावेज संकलन गरी अध्ययन गरेको थियो । त्यस पछि दस्तावेजहरूको अध्ययनबाट

मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका सन्दर्भमा व्यवस्था गरिएका महत्वपूर्ण र सान्दर्भिक दस्तावेजहरु विश्लेषण गरियो । मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी गर्ने क्रममा अध्ययन एवं समिक्षा गरिएका प्रमुख सन्दर्भ सामाग्री तपसिल बमोजिम रहेका छन् ।

- नेपालको संविधान, २०७२
- स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४
- अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४
- राष्ट्रिय योजना आयोगले जारी गरेको स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७८
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको आवधिक योजना
- स्थानीय तहको दिगो विकास लक्ष्य मैत्री मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्न सहयोगी स्रोत पुस्तिका, २०७९
- स्थानीय सरकारको बजेट तथा योजना तर्जुमा हाते पुस्तिका, २०७७
- नेपालको राष्ट्रिय दीर्घकालीन सोच, सोहृतै राष्ट्रिय योजना (२०८१/८२-२०८५/८६)
- गण्डकी प्रदेशको द्रोश्रो आवधिक योजना (२०८१/८२-२०८५/८६)
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम, विषय क्षेत्रगत नीति र योजनाहरु
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको आ.व. २०८०/०८१ र २०८१/०८२ को नीति, कार्यक्रम, योजना र बजेट पुस्तिका
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको आर्थिक ऐन २०८०/०८१ र २०८१/०८२
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको वस्तुगत विवरण/पाश्वर्चित्र (Profile), २०७४
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाका सान्दर्भिक नीति, कानून तथा प्रतिवेदनहरु

#### **प्रक्रिया ४ : मध्यमकालीन खर्च संरचनाको ढाँचा, औजार र कार्ययोजना तर्जुमा**

स्थानीय तहको मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी सम्बन्धि दिग्दर्शनमा उल्लेखित विधि, ढाँचा, औजार एवं कार्ययोजना सम्बन्धमा तयारी बैठकको आयोजना गरी छलफल गरियो । छलफलमा आधारित रहेर मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी विधि, प्रक्रिया औजार र प्रयोग हुने दस्तावेजको प्रस्तावित ढाँचा तयार गरियो । छलफलका क्रममा अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको विशिष्ट पहिचान र विशेषताका आधारमा प्राप्त भएका सुभाव तथा पृष्ठोषणलाई विशेष महत्वका साथ समावेश गरी मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारी कार्ययोजना तर्जुमा गरियो

#### **प्रक्रिया ५ : अभिमुखीकरण तथा प्रारम्भिक कार्यशालाको आयोजना**

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको अवधारणा, ढाँचा, प्रक्रिया, औजार र संस्थागत व्यवस्थाको सम्बन्धमा अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाका पदाधिकारी, विषयगत शाखाका शाखा प्रमुखहरु लगायत अन्य कर्मचारीहरु बीच साभा बुझाई तयार गर्ने एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम संचालन गर्नुको अतिरिक्त ५ वटा विषय क्षेत्रमा रहेका उपशीर्षकहरुमा देखिएका समस्या तथा चुनौतीहरु र प्रत्येक उपशीर्षकहरुमा प्राथमिकता प्राप्त योजना तथा कार्यक्रमहरु पहिचान गर्न शाखा प्रमुखहरु, कर्मचारी तथा पदाधिकारीहरुको पाँच वटा समुहमा विभाजन गरी विषय विज्ञहरुको सहजीकरणमा समुह छलफल संचालन गरी समस्या तथा चुनौती, प्राथमिकता प्राप्त योजना तथा कार्यक्रमहरुको पहिचान गर्ने काम गरियो । सोही कार्यशालामा मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा कार्यदल गठन गरी श्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समिति, बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समिति, विषयगत समिति, कार्यदल र शाखाको जिम्मेवारीतथा भूमिका समेत स्पष्ट पारी कार्यदेश प्रदान गरियो । कार्यदलको विवरण अनसूची-१ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

### **प्रक्रिया ६ : विषयगत समिति/शाखा तथा पदाधिकारीहरुसँग परामर्श**

विद्यमान आवधिक योजना, विषयगत रणनीतिक योजना र वार्षिक योजना र बजेट कार्यान्वयनको उपलब्ध समिक्षाका लागि विषयगत समिति/शाखा, एकाई, पदाधिकारीसँग परामर्श तथा छलफल गरियो । यस परामर्शबाट प्रमुख उपलब्धि, चालु आयोजना, सालबसाली आयोजना तथा कार्यक्रम, विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार भएका आयोजना, सम्भाव्यता अध्ययन र लागत अनुमान विवरण तयार गरियो । तथा कार्यक्रमको उपलब्धि समिक्षाका लागि विषयगत समिति, शाखा र एकाई परामर्श तथा छलफल गरि आवश्यक परिसूचकहरु परिभाषित गर्ने र सूचना एकीकृत गर्ने काम भयो । उक्त परामर्शबाट गाउँपालिकाले हालसम्म हासिल गरेका प्रमुख उपलब्धि, चालु आयोजनाहरु, सालबसाली कार्यक्रमहरु, विस्तृत आयोजना प्रतिवेदन तयार भएका, सम्भाव्यता अध्ययन र लागत अनुमान भएका आयोजनाहरुको विवरण तयार गरियो । उक्त छलफलबाट विषय क्षेत्रगत योजनाको सूची तयार गरी हरेक आयोजनाको उप-क्षेत्रगत रूपमा श्रोत आवश्यकता निर्धारण गरियो

### **प्रक्रिया ७ : श्रोत तथा खर्चको अनुमान र विवर्णीय प्रक्षेपण**

राजस्व बाँडफाँट, अन्तरसरकारी वित्तीय हस्तान्तरण लगायतका विभिन्न श्रोतबाट उपलब्ध हुने रकमलाई विगत आर्थिक वर्षहरूको स्रोतको उपलब्धताका आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको लागि श्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण गरियो भने आन्तरिक श्रोतलाई राजस्व सुधार कार्ययोजनाका आधारमा अनुमान तथा प्रक्षेपण गरियो । विगत आर्थिक वर्षहरूको विनियोजन तथा यथार्थ खर्चको अनुपात गाउँ गौरवका आयोजना, चालु तथा बहुवर्णीय आयोजना र आवधिक योजना अनुसारका प्राथमिकता प्राप्त आयोजना र कार्यक्रम कार्यान्वयनमा प्रतिकूल असर नपर्ने गरि खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण गरियो । श्रोत तथा खर्च अनुमान तथा प्रक्षेपणका आधारमा तीन वर्षको बजेट सीमा निर्धारण गरियो । यसरी तयार गरेको बजेट सीमालाई सबै विषयगत शाखामा उपक्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचना तयारीका लागि मार्गदर्शन सहित उपलब्ध गराइयो ।

### **प्रक्रिया ८ : विषय क्षेत्रगत आयोजनाको पहिचान र सांकेतिकरण**

विषयगत शाखाका कर्मचारीको अग्रसरतामा आवश्यक छलफल गरि प्रत्येक उप-क्षेत्रका आगामी तीन आर्थिक वर्षमा सञ्चालन गरिने आयोजना तथा कार्यक्रमहरु पहिचान गर्न काम सम्पन्न भयो । पहिचान भएका आयोजनाहरुको प्राथमिकता निर्धारण गर्ने, लागत अनुमान यकिन गर्ने र हरेक आर्थिक वर्षको लागि स्रोत आवश्यकता निर्धारण गर्ने कार्य सम्बन्धित शाखाबाट सम्पन्न भयो । त्यसपछि, अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाले आयोजना तथा कार्यक्रमको प्राथमिकताक्रम, दिगो विकास लक्ष्य, लैंगिक तथा जलवायु संकेतका आधारमा उप-क्षेत्रगत कार्यक्रम तथा आयोजनाको साकेतीकरण गरियो ।

### **प्रक्रिया ९: विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको दस्तावेज तयारी**

स्थलगत अध्ययन तथा विषयगत शाखाहरुसँगको परामर्श र छलफल सम्पन्न गरिसकेपछि, प्राप्त भएको बजेट सीमा तथा मार्गदर्शनका आधारमा तयार गरिएको विषय उप-क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदालाई विषयगत समितिमा छलफल गरी विषय क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयार गर्ने कार्य सम्पन्न गरियो । विषयगत शाखा/एकाई वा उप-क्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई एकीकृत गरी विषयगत क्षेत्र मध्यमकालीन संरचना तयार गरियो । हरेक विषयगत क्षेत्रका मध्यमकालीन खर्च संरचनाका लागि नतिजा खाका र सूचक तयार गर्दा गाउँपालिकाको आवधिक योजना र हालसम्म प्राप्त गरेको उपलब्धिको समीक्षाबाट प्राप्त विवरण तथा परिमाणात्मक लक्ष्यलाई आधार मानेर विषयगत क्षेत्रको स्थिति, नतिजा खाका, वित्तीय खाका र कार्यक्रम/आयोजनाहरुको सारांश तयार गरियो ।

### **प्रक्रिया १० : मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयारी**

विषयक्षेत्रगत मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदालाई कार्यदलबाट एकीकृत गरी मध्यमकालीन खर्च संरचनाको एकीकृत मस्यौदा दस्तावेज तयार गरियो । तयार गरिएको मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा माथि बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिमा छलफल गरी मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा लाई पूर्णता दिइयो । मस्यौदा तयार गर्ने प्रक्रियामा आर्थिक, सामाजिक एवं अन्य विषयक्षेत्रगत तथ्याङ्कका लागि अन्त्यपूर्ण गाउँपालिकाबाट प्रकाशित पार्सर्वचित्र (Profile) र शाखाबाट प्राप्त तथ्यांकलाई प्रमुख आधारका रूपमा लिइएको छ भने आर्थिक स्रोतको विश्लेषणका लागि आर्थिक प्रशासन शाखाबाट लिएको सूत्र (SuTRA) को विगत आर्थिक वर्षहरूको आय-व्यय विवरणलाई प्रमुख आधारका रूपमा लिइएको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचना अवधि (२०८२/८३ - २०८४/८५) को लागि आवश्यक स्रोतको अनुमानका लागि गाउँपालिकाका नीति, कार्यक्रम, सञ्चालित/स्वीकृत आयोजना/कार्यक्रम एवं सालबसाली कार्यक्रमहरूलाई प्रमुख आधारका रूपमा लिइएको छ ।

### **प्रक्रिया ११ : मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा प्रस्तुति तथा छलफल**

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदा तयार भएपछि यसलाई गाउँपालिकाका अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत लगायत अन्य पदाधिकारीहरू समक्ष छलफलका लागि प्रस्तुत गरियो । गाउँपालिकाका पदाधिकारीहरूबाट मस्यौदामा सुधारका लागि आवश्यक सल्लाह सुझाव प्राप्त भएपछि प्रारम्भिक मस्यौदालाई आवश्यक थप सुधार गरियो ।

### **प्रक्रिया १२ : मध्यमकालीन खर्च संरचनाको परिमार्जित मस्यौदा तयारी**

मध्यमकालीन खर्च संरचनाको मस्यौदामा प्राप्त सुझावहरू समावेश गरेर मस्यौदाको दस्तावेजलाई आवश्यक परिमार्जन गरी अन्तिम रूप दिने कार्य गरियो । यो दस्तावेज तयारी गर्दा गाउँपालिकाको विषयक्षेत्रगत योजना र वार्षिक विकास कार्यक्रमको समिक्षाबाट प्राप्त उपलब्धि सहितको विवरण तथा क्षेत्रगत नीतिको परिमाणात्मक लक्ष्यलाई पनि आधारको रूपमा लिइएको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचनाको दस्तावेजमा स्थानीय तह योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८ (परिमार्जित) मा व्यवस्था भए बमोजिम समष्टिगत मध्यमकालीन वित्तीय खाका, मध्यमकालीन नितिजा खाका र मध्यमकालीन बजेट खाकाको साथै विषयतक्षेत्रको स्थिति, नितिजा खाका, वित्तीय योजना र कार्यक्रम/आयोजनाको संक्षिप्त विवरण समावेश गरिएको छ ।

### **प्रक्रिया १३: मध्यमकालीन खर्च संरचनाको स्वीकृति**

माथि उल्लेखित मध्यमकालीन खर्च संरचनाका विभिन्न प्रक्रियाको पालना गरी बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिबाट पेश भएको मध्यमकालीन खर्च संरचना उपर कार्यपालिकामा आवश्यक छलफल र स्वीकृति प्राप्त भएपछि गाउँ कार्यपालिकामा पेश गरी अनुमोदन भएको छ ।

## परिच्छेद २: मध्यमकालीन खर्च संरचना

### २.१ पृष्ठभूमि

सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापनका माध्यमबाट उपलब्ध सीमित श्रोतलाई कुशलतापूर्वक विनियोजन गर्न, कार्यान्वयन दक्षतामा सुधार ल्याउन तथा वित्तीय अनुशासन कायम गर्न समेत महत्वपूर्ण सहयोग पुऱ्याउने उद्देश्यले मध्यमकालीन खर्च संरचनालाई नेपालमा दशौं योजना (आ.व. २०५९/६०) देखि कार्यान्वयनमा ल्याइएको हो ।

संघीय संरचना अनुरूप वनेको अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन सम्बन्धि कानूनले तिनै तहका सरकारले प्रत्येक आर्थिक वर्षमा आ-आफ्नो क्षेत्राधिकार भित्रका विषयगत क्षेत्रहरुमा हुने लगानीको अनुमानित विवरण सहित आगामी तीन आर्थिक वर्षमा हुने खर्चको प्रक्षेपण भल्कि ने मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । उक्त संरचनामा चालु खर्च, पूँजीगत खर्च र वित्तीय व्यवस्थाका लागि आवश्यक पर्ने रकम समेत खुलाउनुपर्ने व्यवस्था छ । उक्त संवैधानिक तथा कानूनी व्यवस्था अनुसार अन्नपूर्ण गाउँपालिकाले तय गरेको दीर्घकालिन सोच सहितको प्रथम आवधिक योजनाले पहिचान गरेका प्राथमिकताका क्षेत्रमा आवश्यक स्रोतको विनियोजन सहित वार्षिक बजेट तर्जुमा गर्न मध्यमकालीन खर्च संरचना आवश्यक रहेको छ ।

संविधानले आत्मसात गरेको समाजवाद उन्मुख अर्थतन्त्रको अवधारणा, समृद्ध नेपाल: सुखी नेपालीको दीर्घकालीन सोच, नेपाल सरकारको चालु सोत्रै आवधिक योजना र गण्डकी प्रदेश सरकारको द्रोश्रो आवधिक योजनाका साथै यस गाउँपालिकाको आवधिक योजनाका रणनीति तथा कार्यक्रमलाई खर्च संरचनामा आत्मसात गर्ने प्रयास गरिएको छ । संघियताको सफलता वित्तीय स्रोतको कुशल व्यवस्थापन, तीव्र आर्थिक वृद्धि एवम् विकास कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयनमा निर्भर रहन्छ । यसर्थ, यस मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८२/८३- २०८४/८५) ले अन्नपूर्ण गाउँपालिकालाई त्यसतर्फ मार्गदर्शन गर्नेछ ।

अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको सम्बृद्धिका संवाहक क्षेत्रहरु, स्थानीय प्राथमिकता, दिगो विकास लक्ष्य हासिलमा योगदान पुऱ्याउने कार्यक्रम र स्थानीय तहको अधिकारक्षेत्र भित्रका अनिवार्य कार्यक्रम तथा आयोजनालाई यस खर्च संरचनामा समेट्ने प्रयास गरिएको छ ।

### २.२ चुनौती तथा अवसर

संविधान प्रदत्त अधिकारको कार्यान्वयन, दिगो विकास लक्ष्य, पन्थौं योजना, गण्डकी प्रदेशको प्रथम योजना र अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको को पहिलो त्रीवर्षीय योजनाको उद्देश्य हासिल गर्न, पर्यटन प्रवर्द्धन, उत्पादन, रोजगारी र आयमा दिगो वृद्धि हासिल गर्नु अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको प्रमुख चुनौती हो । राजनीतिक परिवर्तन पछिको जनआकांक्षा अनुरूप आम नागरिकको जीवनस्तरमा गुणात्मक सुधार, आर्थिक सामाजिक रूपान्तरण र सामाजिक न्याय सहितको मर्यादित जीवनयापनको वातावरण सिंजना गर्दै समुन्नत समाजको निर्माणको बाटोमा अगाडी लम्कने कार्य आफैमा चुनौती पूर्ण छ । यसका साथै विश्वव्यापी रूपमा फैलिएको कोभिड १९ महाव्याधी लगायतका महामारीले अर्थतन्त्र र समाजमा छाडेको गहिरो डोब, बढ्दो वातावरणीय असन्तुलन र जलवायु परिवर्तनको कारण सिर्जित विपद्धरुको जोखिमलाई न्यूनीकरण गरी समृद्ध, सुरक्षित र परिष्कृत समाज निर्माणका लागि उपलब्ध श्रोत साधनको समुचित परिचालन अर्को चुनौती रहेको छ ।

यसका साथै व्यापक भौगोलिक विविधता सहित दशकौं देखिको स्थापित बजार केन्द्र र विकट ग्रामीण वस्तीबीच सन्तुलन कायम गर्ने विकासको मार्ग तय गर्नु अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको लागि सहज पक्कै छैन । त्यस बाहेक दिगो विकास लक्ष्य हरुले परिलक्षित गरे अनुरूप व्यवस्थित शहरीकरण, सुविधायुक्त र सुरक्षित बसोबास, स्वच्छ खानेपानी तथा स्वच्छ उर्जाको उपलब्धता र सूचना प्रविधि, कृषि तथा वनजन्य उद्यमको विविधीकरण गरी उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धिमा अहिले व्याप्त जनसाङ्गिक लाभको समुचित उपयोग गर्ने कार्य पनि स्थानीय सरकारहरुका लागि चुनौतीको रूपमा रहेका छन् । वित्तीय संघीयताको मर्म अनुरूप स्थानीय तहको मानव

संशाधन र संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि गर्नु र उपलब्ध सार्वजनिक स्रोतको कुशल, समन्यायिक र नतिजामूलक व्यवस्थापन गरी विनियोजन दक्षता, कार्यान्वयन कुशलता र वित्तीय अनुशासन कायम गर्नु समेत चुनौतीपूर्ण छ ।

स्थानीय तह निर्वाचन २०७९ बाट नवयुवा र ऊर्जावान जनप्रतिनिधिहरु निर्वाचित भै आउनु र स्थानीय परिवेश सुहाउने विकासका अवधारणाहरूमा व्यापक बहस प्रारम्भ हुनु यस गाउँपालिकाको लागि अवसर हो । विगतमा आधारभूत नीति, कानून, योजना र कार्यविधिहरु तर्जुमा भएर कार्यान्वयनमा गइसकेको अवस्थामा आवश्यकता अनुसार रणनीति तथा योजना तर्जुमा गर्ने वातावरण जनप्रतिनिधिहरुका लागि सुनौलो अवसर हो । पछिल्लो समय संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालयको तर्फबाट दिगो विकास लक्ष्य, विपद् उत्थानशीलता, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन र वित्तीय सुशासनका क्षेत्रमा स्थानीय तहहरूलाई सहयोग र सहजीकरण गर्ने हेतुले विभिन्न दिग्दर्शन र मार्गदर्शनहरु जारी भै आवश्यकता अनुसार क्षमता विकासका कार्यक्रमहरु सञ्चालन हुनु पनि यस गाउँपालिकाको लागि अवसरहरु हुन् ।

गाउँपालिकाले स्थानीय विशेषतामा आधारित तुलनात्मक लाभ र आर्थिक संमृद्धिका संवाहक क्षेत्रको पहिचान तथा समुचित उपयोगको माध्यमद्वारा हरित उत्थानशील र समावेशी स्थानीय अर्थतन्त्र विकास गर्ने हेतुले पहिलो आवधिक योजना तर्जुमा गरेर कार्यान्वयन शुरु गरिसकेको छ । उक्त योजनाको उपलब्धीहरुको तथ्यपरक समिक्षा गरेर आवश्यक सुधार गर्दै अगाडी बढ्न र सिकाईका आधारमा नयाँ पञ्चवर्षीय आवधिक योजना तर्जुमा गरी कार्यान्वयन गर्ने अवसर पनि यस गाउँ कार्यपालिकालाई प्राप्त भएको छ ।

गाउँपालिकाको आफ्नो आन्तरिक श्रोत बाहेक संघीय सरकार, प्रदेश सरकार र विभिन्न विकास साभेदार संघसंस्थाहरूबाट समेत संघीयताको कार्यान्वयन, स्थानीय सरकारको क्षमता अभिवृद्धि र लैंगिक समता तथा सामाजिक समावेशीकरणका क्षेत्रमा व्यापक सहयोग जुटिरहेको छ । त्यस्ता श्रोतहरुको समुचित परिचालन गरेर सूचना प्रविधिमैत्री युवा जनशक्तीलाई थप सिर्जनशील र उद्यमशील वनाउदै स्वरोजगारी, उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्दै आर्थिक सामाजिक रूपान्तरणको दिशामा अगाडि बढ्ने अवसर अहिले सिजना भएको छ ।

## २.३ सोच, उद्देश्य तथा रणनीति

प्रस्तुत मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्दा आवधिक योजनामा प्रस्तुत गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोचलाई प्रमुख आधारको रूपमा लिइएको छ । आवधिक योजनामा उल्लेख नभएका विवरण यस गाउँपालिकाका अन्य योजना दस्तावेजका साथै चालु आर्थिक वर्षको नीति तथा कार्यक्रम, नेपाल सरकारको सोहै योजना, गण्डकी प्रदेश सरकारको द्वोश्री आवधिक योजना एवं संघ, प्रदेश र यस गाउँपालिकाको विषयगत नीतिको समेत उपयोग गरिएको छ । यस मध्यमकालीन खर्च संरचनाको समष्टिगत सोच, लक्ष्य, उद्देश्य तथा रणनीतिहरु निम्न बमोजिम रहेका छन् ।

### २.३.१ दीर्घकालीन सोच

यस गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच “ समृद्ध अन्तर्पूर्ण निर्माणको आधार: दिगो कृषि, पर्यटन, उर्जा र उत्थानशील पूर्वाधार ” रहेको छ । यसलाई तपसिल बमोजिम परिभाषित गर्ने प्रयास गरिएको छ ।

### २.३.२ अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको विकास लक्ष्य

अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको आवधिक योजना समृद्ध र सुखी गाउँपालिकाको दीर्घकालीन सोच प्राप्त गर्ने आधार योजनाको रूपमा तयार गरिएको छ । मौलिक संस्कृति तथा प्राकृतिक सम्पदाको संरक्षण र प्रवर्द्धन गरदै व्यावसायिक कृषि, दिगो पर्यटन लगायत आर्थिक, सामाजिक, पूर्वाधार र सुशासनको विकास गरी आय र रोजगारीका माध्यमबाट नागरिकको जिवनस्तरमा गुणात्मक वृद्धि गर्ने । गाउँपालिकाको समष्टिगत विकासको मूल लक्ष्य रहेको छ । पर्यटन, खनिज, जडिवुटी खेती तथा यस क्षेत्रको दिगो विकास मार्फत उत्पादन तथा

उत्पादकत्व अभिवृद्धि गर्दै गुणस्तरीय शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगारी प्रवर्द्धन एवम् प्रभावकारी विपद् जोखिम न्यूनीकरण गरी समृद्ध र सुन्दर अन्नपूर्ण गाउँपालिका निर्माण गर्ने र “अन्नपूर्ण गाउँपालिका बासीको आय र जीवनस्तरमा गुणात्मक र दिगो सुधार ल्याउने” यस गाउँपालिकाको लक्ष्य रहेको छ।

### २.३.३ अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको विकास उद्देश्य

यस गाउँपालिकाको आवधिक योजनाले निर्धारित गरेका विकासका उद्देश्यहरु निम्न बमोजिम रहेका छन्।

१. गाउँपालिकामा विद्यमान जल, जमिन, जड्डल, खनिज तथा जडिबुटीको समुचित उपयोगको वातावरण निर्माण गर्दै यान्त्रिक उपकरणसहितको व्यावसायिक कृषि र उद्यमशीलताको विकासको माध्यमबाट स्थानीय सम्भावनाका आधारमा स्वरोजगार तथा आय आर्जनका अवसरहरुको सिर्जना गरि समुदायको जिवन स्तरमा सुधार गर्न सहयोग गर्नु
२. वातावरण मैत्री दिगो भौतिक पूर्वाधार विकासको माध्यमबाट पर्यटन लगायत आर्थिक, सामाजिक विकासको आधारशिला तयार गर्नु।
३. महिला, बालबालिका, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, दलित, जेष्ठ नागरिक, युवा, लगायत समाजका विपन्न समुदायहरु लगायत सम्पूर्ण नागरिकको संवैधानिक अधिकार सुनिश्चित गर्नु।
४. गाउँपालिकाको प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक वातावरणीय धरोहरहरुको संरक्षण तथा संवर्द्धन गर्नुका साथै प्राकृतिक एवं सामाजिक जोखिमहरुबाट उत्पन्न विपदहरुको समुचित व्यवस्थापन गर्ने
५. विधि र प्रक्रियाको स्थापना र विकास गर्दै गाउँपालिका र अन्य सरोकारवाला निकायहरुको कार्य सम्पादनको गुणस्तर जवाफदेहिता र पारदर्शिता अभिवृद्धि भएको गर्ने

### २.३.४ अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको विकास रणनीति

अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको आवधिक विकास योजनाले लिएको लक्ष्य तथा उद्देश्य हासिल गर्न आर्थिक, सामाजिक, पूर्वाधार, बन, वातावरण तथा विपद व्यवस्थापन र संस्थागत सुशासनकोक्षेत्र विकासलाई समेटिने गरी क्रमशः निम्नानुसारका प्रमुख रणनीति अवलम्बन गरको छ।

- नेपालको संविधान तथा स्थानीय सरकार संचालन ऐन बमोजिम प्राप्त एकल तथा साभा अधिकारहरुको सुव्यवस्थित एवं समन्वयात्मक प्रयोग र अभ्यास गरी संघीयता प्रवर्द्धन गर्न आवश्यक नीति, कानून, कार्यविधि, संरचना तथा मापदण्डहरु निर्माण गरी कार्यान्वयन नियमन र अनुगमन गर्ने
- संविधान प्रदत्त अधिकार तथा कार्य जिम्मेवारीको अधिनमा रही संघ र प्रदेश बीच सहअस्तित्व समन्वय र सहकार्यको अवधारणा अनुसार जनसहभागिता, उत्तरदायित्व र पारदर्शिता सुनिश्चित गरी सुलभ र गुणस्तरीय सेवा प्रवाह गर्ने
- कृषि, पर्यटन, खनिज तथा पशुजन्य उपजको व्यावसायीकरण, विविधीकरण, स्थानीय सीप स्रोतमा आधारित साना तथा घरेलु उद्योग कृषि, पर्यटन र बनजन्य उद्यम व्यावसायको विकास गरी रोजगारीको सृजना र दिगो आय वृद्धि गर्ने
- गुणस्तरीय र व्यावसायिक शिक्षा, आधारभूत स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, स्वच्छ खानेपानी, सामाजिक सुरक्षा तथा सशक्तिकरणद्वारा स्वास्थ्य, सिर्जनशिल र सीपयुक्त मानव संशाधनको विकास गर्ने
- व्यवस्थित यातायात पूर्वाधार, बजार, आवास, स्वच्छ उर्जा तथा संचार पूर्वाधारको विकासद्वारा अन्तरआवद्धता विकास र सेवा सुविधास्तर र पहुँच वृद्धि गर्ने
- लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण, सुशासन, जलवायु अनुकूलन, विपद व्यवस्थापन, सुशासन तथा सदाचार प्रवर्द्धन जस्ता विषयलाई स्थानीय विकासका सबै प्रक्रियामा एकीकृत गरी विकास नितजालाई समावेशी, उत्थानशील र दिगो बनाउने

- युवा, बालबालिका, अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरू, ज्येष्ठ नागरिक, दलित र कमजोर समुदायको क्षमता अभिवृद्धि गर्ने
- भाषिक तथा साँस्कृतिक पक्षको जगेन्टा र सामाजिक सद्भाव तथा एकता अभिवृद्धिमा सधाउ पुऱ्याउने

## २.४ मध्यमकालीन आर्थिक खाका

“समृद्ध नेपाल र सुखी नेपाली” को राष्ट्रिय सोच तथा संकल्प, गण्डकी प्रदेशको “आत्म निर्भर र समुन्नत प्रदेश: सुखी प्रदेशवासी” को सोच र अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको “समृद्ध अन्नपूर्ण निर्माणको आधार: दिगो कृषि, पर्यटन, उर्जा र उत्थानशिल पूर्वाधार” विकासको सोच तथा लक्ष्य अनुरूप आर्थिक वर्ष २०८२/८३-२०८४/८५ को मध्यमकालीन खर्च संरचनाको प्रमुख लक्ष्य तथा नतिजा सूचक निर्धारण गरिएको छ। सो अनुसार आगामी ३ वर्षको समष्टिगत आर्थिक लक्ष्य तालिका नं. २.१ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका २.१: समष्टिगत मध्यमकालीन आर्थिक लक्ष्य

क्र.सं.	सूचक/लक्ष्य	एकाई	०८०/ ८१ सम्मको उपलब्धि	०८१/ ८२ सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
					२०८२/ ८३	२०८३/ ८४	२०८४/ ८५
१	वार्षिक उत्पादन	रु.लाखमा	७२१६.३	७९३७.१३	८७३१.७२	९६०४.९	१०५६५.३८५
	कृषि क्षेत्र	रु.लाखमा	१५२७	१६७९.७	१८४७.६७	२०३२.४४	२२३५.६८०७
	गैर कृषि क्षेत्र	रु.लाखमा	५६८९.३	६२५८.२३	६८८४.०५	७५७२.४६	८३२९.७०४१
२	औसत पारिवारिक आय (वार्षिक)	रु.हजारमा	३३५	३३६.६७	३५३.५१	३७१.१८	३८९.७४
३	गाउँपालिकामा दर्ता भएका उद्यम व्यावसाय	संख्या	१२०	१३५	१५०	१६५	१८०
४	व्यावसायिक क्षेत्रको रोजगारी	संख्या	२४०	२७०	३००	३३०	१६०
५	आफ्नो उत्पादनले वर्षभरी खानपुग्ने परिवार	प्रतिशत	३५	३७	३९	४१	४३

श्रोत: मध्यमकालीन खर्च संरचना सर्वेक्षण २०८१

## २.५ मध्यमकालीन नतिजा खाका

नेपाल सरकारको १६ औं आवधिक योजना तथा अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको विद्यमान आवधिक योजनाले लिएको समष्टिगत तथा विषयगत लक्ष्य प्राप्ति गर्न सहयोग पुग्ने गरी आगामी तीन आर्थिक वर्षको समष्टिगत नतिजा खाका तर्जुमा गरिएको छ। सो खाकामा विगत आर्थिक वर्षहरूको उपलब्धि र चालु आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को अनुमानित उपलब्धिको आधारमा आगामी आ.व. २०८२/८३ को लक्ष्य निर्धारण गरिएको छ। खर्च संरचनामा समावेश दोश्रो र तेश्रो वर्षको लक्ष्य वर्तमान आवधिक योजना र विगत वर्षहरूको उपलब्धिका साथै प्रस्तावित आयोजना तथा कार्यक्रमहरूको अपेक्षित नतिजाको आधारमा निर्धारण गरिएको छ। अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको मध्यमकालीन समष्टिगत नतिजा खाका तालिका २.३ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

**तालिका २.२: समष्टिगत मध्यमकालीन नतिजा खाका**

क्र.सं.	सूचक/लक्ष्य	एकाई	२०८०/८१ सम्मको उपलब्धि	२०८१/८२ सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
					२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५
१	प्रतिव्यक्ति खाद्यान्न उत्पदन (केजी)	के.जी.	२२०	२३०	२४०	२५०	२६०
२	कृषि पकेट क्षेत्र	संख्या	३	४	५	६	७
३	कुल खेतीयोग्य भूमिमध्ये वर्षैभरी सिचाइ सुविधा उपलब्ध जमिन	प्रतिशत	२०	२९	३०	३१	३२
	निरपेक्ष गरिबीको दर	प्रतिशत	२०	१९	१८	१७	१६
४	साक्षरता दर (१५ वर्ष माथिको)	प्रतिशत	८०.७४	८१	८२	८३	८४
५	आधारभूत तह (१-८) खुद भर्ना दर	प्रतिशत	९५	९६.४	९७	९८	९९
६	माध्यमिक तह (९-१२) खुद भर्ना दर	प्रतिशत	६०	६१.५	६३	६४	६५
७	संस्थागत सुन्करी गराउने गर्भवती महिला	प्रतिशत	१६	१८	२०	२२	२४
८	४ पटकसम्म नियमित गर्भजाँच गराउने महिला	प्रतिशत	३२	३४	३६	३८	४०
९	५ वर्षमूनिको बाल मृत्युदर (प्रतिहजार जीवित जन्म)	जना	०	०	०	०	०
१०	कुपोषणको अवस्था (५ वर्ष मुनीका औसतभन्दा कम तौल हुने बालबालिका)	प्रतिशत	७.५	७.१	६	५	४
११	आधारभूत खानेपानी (पाईप धारा)को पहुँच पुगेको घरपरिवार	प्रतिशत	९०	९१	९२	९३	९४
१२	सेफ्टी ट्याकी सहितको सौचालय भएको घरपरिवार	प्रतिशत	६८	७०	७२	७४	७६
१३	सुरक्षित आवासमा बसोबास गर्ने जनसंख्या	प्रतिशत	२३	२५	२७	२९	३१
१४	स्वच्छ उर्जा (विद्युत)मा पहुँच प्राप्त घरपरिवार	प्रतिशत	८५	९०	९५	१००	१००
१५	इन्टरनेट र इमेल लगायत सूचना प्रविधिमा पहुँच भएका जनसंख्या	प्रतिशत	६०	६४	६८	७२	७६
१६	हरियाली (वन) क्षेत्र	हेक्टर					
१७	महिला हिंसाका उजुरी (वार्षिक)	संख्या	०	०	०	०	०
१८	कुल बजेटमा आन्तरिक स्रोतको हिस्सा	प्रतिशत	१०	११	१२	१३	१४
१९	स्थानीय तह संस्थागत क्षमता स्वमूल्यांकन (कुल औसत प्राप्तांक)	प्रतिशत		८०.७५	८२	८४	८६

श्रोत: मध्यमकालीन खर्च संरचना सर्वेक्षण २०८१

## २.६ मध्यमकालीन बजेट खाका

अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको त्रिवर्षीय बजेट खाका तर्जुमा गर्दा गाउँपालिकाको वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमको प्रवृत्ति, वार्षिक योजना तथा कार्यक्रमहरूको प्राथमिकता, दिग्गो विकास लक्ष्यको मार्गचित्र, क्रमागत तथा विस्तृत अध्ययन भएका आयोजना तथा कार्यक्रम, स्थानीय प्राथमिकता, विनियोजन कुशलता, अनुमान योग्यता र वित्तीय सुशासनलाई मूल्य आधारका रूपमा लिइएको छ। गाउँपालिकाका गौरवका आयोजना, चालु तथा विस्तृत अध्ययन भएका, तुलनात्मक लाभका आयोजना तथा कार्यक्रमका लागि आवश्यक रकम सुनिश्चित हुने गरी बजेट सीमा र सोको आधारमा विषयगत बजेट खाका तर्जुमा गरिएको छ। क्रमागत कार्यक्रम, आयोजना कार्यान्वयनको अवस्था र आगामी कार्यान्वयन योजनाको आधारमा खर्च गर्न सक्ने क्षमता तथा स्रोतको आवश्यकता एवं उपलब्धतालाई मध्यनजर गरिएको छ। मध्यम अवधिको श्रोत अनुमान गर्दा आन्तरिक आय

तथा राजस्व परिचालनको विगत प्रवृत्ति र विपदबाट श्रोत परिचालनमा परेको चाप र आगामी वर्षहरूमा पर्न सक्ने असर तथा प्रभाव, स्रोतको आवश्यकता लगायतका पक्षहरूलाई ध्यान दिइएको छ । विगत आर्थिक वर्षहरूको यथार्थ आय तथा खर्च, आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को बजेट तथा विनियोजनका आधारमा खर्च सरचनाको पहिलो वर्षको राजस्व तथा खर्च आँकलन गरिएको छ । प्रक्षेपणका क्रममा गाउँपालिकाको प्राथमिकताका क्षेत्र तथा रणनीतिक महत्वका आयोजना तथा कार्यक्रमलाई प्र्याप्त श्रोत व्यवस्था गरिएको छ । आन्तरिक श्रोत, राजस्व बाँडफाँडबाट उपलब्ध हुने श्रोत र आवश्यकता समेतका आधारमा अन्य कार्यक्रम तथा प्रशासनिक खर्च अनुमान गरिएको छ । नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट राजस्व बाँडफाँटबाट प्राप्त हुने रकम, रोयल्टी (वन तथा अन्य) र आन्तरिक श्रोत समेतका आधारमा गाउँपालिकालाई प्राप्त हुने राजस्व प्रक्षेपण गरिएको छ । नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट हस्तान्तरण हुने वित्तीय समानीकरण अनुदान, सशर्त अनुदान, समपुरक अनुदान र विशेष अनुदान रकम नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट गत वर्षमा प्राप्त भएको रकमको आधारमा अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ । यस आधारमा गाउँपालिकाको गत तीन वर्षको यथार्थ आय र आगामी तीन वर्षको अनुमान तथा प्रक्षेपण तपसिल बमोजिम रहेको छ ।

अग्रपार्वती

तालिका २.३ : समष्टिगत मध्यमकालीन बजेट खाका

विवरण	२०८०/८१को	२०८१/८२को	आय अनुमान र प्रक्षेपण			३ वर्षको जम्मा
	वास्तविक(यथार्थ) आय	संशोधित अनुमान	२०८२/८३ अनुमान	२०८३/८४ प्रक्षेपण	२०८४/८५ प्रक्षेपण	
१. आय अनुमान	५०८३१९०६७.३	५२४५६६१२३	६०७६०२७९३	६३७९८२९३३	६६९८८२०७९	१६९९३३३४७३
संघिय सरकार	३०८२९०४०४.४	३२७८१७०००	३६४७०००००	३८२९३५०००	४०२०८१७५०	११४९७९६७५०
समानिकरण अनुदान	७००२९०००	७४७०००००	९३२०००००	९७८६००००	१०२७५३०००	२९३८१३०००
शर्त अनुदान चालु	२०५८१७१००.८	२१०६१७०००	२१७४०००००	२२८८७००००	२३९६८३५००	६८५३८३५००
सशर्त अनुदान पुऱ्यागत	१२५४९४१९९.६८	१०००००००	८००००००	८४०००००	८८२००००	२५२२०००
विशेष अनुदान पुऱ्यागत	१८७९७९१७	२६५०००००	४४३०००००	४६५१५०००	४८८४०७५०	१३९६५५७५०
सम्पुरक अनुदान पुऱ्यागत	१९८४९९६७	१५०००००००	९०००००००	९४५०००००	९९२२५०००	२८३७२५००
प्रदेश सरकार	११४६९९४	१८७९३०००	१९६९६०००	२०५९६०००	२१६२६६४०	६१८३९४४०
समानिकरण अनुदान	६५७९५००	८७१३०००	९६९६०००	१००९६८००	१०६०१६४०	३०३१४४४०
विशेष अनुदान पुऱ्यागत	२१६१६९४	४०००००००	४०००००००	४२००००००	४४१०००००	१२६१०००००
सम्पुरक अनुदान पुऱ्यागत	२७३५०००	६०००००००	६०००००००	६३००००००	६६१५००००	१८९१५००००
राजस्व वाँडफाँड	५८३४९५५५५.८५	७८५५६१२३	११९९५९३४५	१२५९९७९३१२	१३१३७९७७८	३७५६४९८३५
राजस्व वाँडफाँड प्रदेश सरकार	०	१५००००००	१०४९८००००	११०२२९०००	११५७४०४५	३३०९४९४५
राजस्व वाँडफाँड स्थानीय	५१६६२२४८.३७	६४८९३९२३	२७००००००	२८३५००००	२९७६७५०	८५११७५०
राजस्व वाँडफाँड संघिय सरकार	६६७९३०७.४८	१०९६३०००	१०५९६९३४५	१११२५९४१२	११६८२२३८३	३३४०४३१४०
आन्तरिक श्रोत	१३०२१८९१३.००	१०१४८०००००	१०४१२७४४८	१०९३३८२०	११४८००५११	१०४१२७४४८
२. खर्च अनुमान	५०८३१९०६७.३	५२४५६६१२३	६०७६०२७९३	६३७९८२९३३	६६९८८२०७९	१६९९३३३४७३
चालु खर्च						
पुऱ्यागत खर्च						
वित्तीय व्यवस्था			०	०	०	०
बचत वा न्यून (+ वा -)			०	०	०	०

श्रोत: मध्यमकालीन खर्च संरचना सर्वेक्षण २०८१

## २.७ बजेट विनियोजन र प्रक्षेपणको बाँडफाँड

आगामी तीन वर्षको बजेट अनुमान र प्रक्षेपणको विभिन्न आधारमा गरिएको तुलनात्मक विवरण तपसिल बमोजिम रहेको छ ।

### क. प्राथमिकताक्रमको आधारमा बाँडफाँट

योजना अवधिभर सञ्चालन हुने आयोजना तथा कार्यक्रमहरूलाई प्रथम प्राथमिकता प्राप्त (P1) र द्वितीय प्राथमिकताप्राप्त (P2) गरी २ वटा प्राथमिकता क्रममा वर्गीकरण गरिएको छ । यसअनुसार पहिलो प्राथमिकताप्राप्त आयोजनाको सडख्या २९७ रहेको छ भने दोस्रो प्राथमिकता प्राप्त आयोजनाको सडख्या १५३ वटा रहेको छ । अन्तपूर्ण गाउँपालिकाको आ.व. २०८२/८३ को अनुमानित बजेट र तत्पश्चात दुई आर्थिक वर्षको प्रक्षेपित बजेट तालिका नं. २.४ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका २.४ : प्राथमिकताक्रमको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. हजारमा)

प्राथमिकता क्रम	आयोजना / कार्यक्रम संख्या	०८२/८३ को व्यय अनुमान		०८३/८४ को खर्च प्रक्षेपण		०८४/८५ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
प्राथमिकता पहिलो (P1)	२९७	४२५३२२	७०	४४६५८८	७०	४६८९९७	७०
प्राथमिकता दोश्रो (P2)	१५३	१८२२८१	३०	१९१३९५	३०	२००९६५	३०
जम्मा	४५०	६०७६०३	१००	६३७९८३	१००	६६९८८	१००

श्रोत: मध्यमकालीन खर्च संरचना सर्वेक्षण २०८१

### ख. दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा बाँडफाँट

दिगो विकास अवधारणका कूल १७ वटा लक्ष्य / सङ्केतहरूमध्ये, सङ्केत नं. १४ (जमिनमुनिको जीवन) बाहेका अन्य १६ वटै लक्ष्य / सङ्केतहरूमा यस मध्यमकालीन खर्च संरचनाले बजेट विनियोजन गरेको छ । सामाजिक सुरक्षा अन्तर्गतको बजेटले गाउँपालिकाको समग्र बजेटको ठूलो हिस्सा ओगट्ने भएकाले यसले सम्बन्धित दिगो विकास लक्ष्य / सङ्केत अन्तर्गतको बजेट हिस्सालाई उल्लेख्य रूपमा बढाएको छ । गाउँपालिकाका विभिन्न क्षेत्रहरूमा विपन्नता उल्लेख्य मात्रामा भएको र विपन्नता उल्लेख्य भएको स्थानमा सामाजिक सुरक्षाको रकमले भोकमरी न्यूनीकरणमा महत्वपूर्ण योगदान गर्ने भएकाले यो रकमलाई यही शीर्षक अन्तर्गत साडकेतीकरण गरिएको छ । समग्रमा दिगो विकास लक्ष्य बमोजिम आगामी तीन आर्थिक वर्षको व्यय अनुमान तथा प्रक्षेपण निम्नानुसार तालिका नं. २.५ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

तालिका २.५ : दिगो विकास लक्ष्यको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. हजारमा)

संकेत नम्बर	दिगो विकासका लक्ष्यहरू	आयोजना / कार्यक्रम संख्या	०८२/८३ को व्यय अनुमान		०८३/८४ को खर्च प्रक्षेपण		०८४/८५ को खर्च प्रक्षेपण	
			रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
१	गरिबीको अन्त्य	१०४	१५६७६	२.५८	१६४६०	२.५८	१७२८२.९६	२.५८
२	शून्य भोकमरी	२२	५४६	०.९	५७४२	०.९	६०२८.९३	०.९

अन्तपूर्ण गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८२/८३-२०८४/८५)

३	स्वस्थ्य जीवन	४८	५४८६७	९.०३	५७६१०	९.०३	६०४९०.३४	९.०३
४	गुणस्तरीय शिक्षा	६५	२४०६११	३९.६	२५२६४१	३९.६	२६५२७२.३	३९.६
५	लैंगिक समानता	४३	११००८	२	१२७६०	२	१३३९७६४	२
६	सफा पानी र स्वच्छता	१६	११००८	३	१९१३९	३	२००९६.४६	३
७	आधुनिक उर्जामा पहुँच	७	२३१२	०.४२	२६८०	०.४२	२८१३.५०४	०.४२
८	समावेशी आर्थिक वृद्धि र मर्यादित काम	२३	१३९१४	२.२९	१४६१०	२.२९	१५३४०.३	२.२९
९	उद्योग, नविन खोज र पूर्वाधार	१२	१०४६	०.१९	१२१२	०.१९	१२७२.७७६	०.१९
१०	असमानता न्यूनीकरण	१७	९४९८	१.५५	९८८९	१.५५	१०३८३.१७	१.५५
११	दिगो शहर र समुदाय	५४	१०४७५१	१७.२४	१०९९८८	१७.२४	११५४८७.७	१७.२४
१२	दिगो उपभोग र उत्पादन	८	२६१३	०.४३	२७४३	०.४३	२८८०.४९३	०.४३
१३	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन	१५	६०९५	०.९९	६३१६	०.९९	६६३१.८३२	०.९९
१४	पानी मुनीको जिवन	०	०	०	०	०	०	०

१५	जमिन माथिको जीवन	३	१७२५६	२.८४	१८११९	२.८४	१९०२४.६५	२.८४
१६	शान्ति, न्यायपूर्ण र सशक्त समाज	४	९०३५१	१४.८७	१४८६८	१४.८७	१९६११.४५	१४.८७
१७	दिगो विकासका लागि साझेदारी	९	२१२९०	२.०७	१३२०६	२.०७	१३८६७	२.०७
	जम्मा	४५०	६०७६०३	१००	६३७९८३	१००	६६९८८	१००

श्रोत: मध्यमकालीन खर्च संरचना सर्वेक्षण २०८१

#### ग. लैंगिक सङ्केतको आधारमा बाँडफाँट

यो योजना अवधिभर सञ्चालन हुने कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूलाई नेपाल सरकार अर्थ मन्त्रालयबाट जारी प्रदेश तथा स्थानीय तहका लागि लैंगिक उत्तरदायी बजेट नमूना निर्देशिका, २०७७ अनुसार सम्बन्धित आयोजना तथा कार्यक्रमले लैंगिक समानताका लागि पुऱ्याउन सक्ने योगदानका आधारमा तीन तहमा वर्गीकरण गरिएको छ। यस अनुसार महिला तथा बालबालिकाप्रति स्पष्टरूपमा लक्षित आयोजना तथा कार्यक्रमलाई निर्दिष्ट तहमा वर्गीकृत गरी सङ्केत १ प्रदान गरिएको छ भने महिला सशक्तीकरण तथा लैंगिक समानताप्रति उत्तरदायी तथा सोका लागि सहज वातावरणको सिर्जना गर्नेखालका आयोजना तथा कार्यक्रमलाई सहयोगी तहमा वर्गीकृत गरी सङ्केत २ प्रदान गरिएको छ। तर, महिला सशक्तीकरण तथा लैंगिक समानताका अवरोधहरूको पहिचान नगर्न वा सम्बोधन नगर्न आयोजना तथा कार्यक्रमलाई तटस्थ तहमा वर्गीकरण गरी सङ्केत ३ प्रदान गरिएको छ। यसअनुसार आगामी तीन आ.व.मा सञ्चालन हुने आयोजना तथा कार्यक्रमहरूको विस्तृत विवरण अनुसूची- १ मा प्रस्तुत गरिएको छ। यस अनुसार लैंगिक सङ्केत बमोजिम तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपणको सारांश तालिका नं. २.८ मा प्रस्तुत गरिएको छ।

तालिका २.६ : लैंगिक उत्तरदायी बजेटको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. हजारमा)

लैंगिक संकेत	आयोजना/ कार्यक्रम संख्या	०८२/८३ को व्यय अनुमान		०८३/८४ को खर्च प्रक्षेपण		०८४/८५ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
निर्दिष्ट (१)	१०५	३५७२७	५.८८	३७५१३.४	५.८८	३९३८.५	५.८८
सहयोगी (२)	१४०	२७८७६	४५.८८	२९२७०६.६	४५.८८	३०७३१	४५.८८
तटस्थ (३)	२०५	२९३१०	४८.२४	३०७७६३	४८.२४	३२३१२	४८.२४
जम्मा	४५०	६०७६०३	१००	६३७९८३	१००	६६९८८	१००

### घ. जलवायु सङ्केतको आधारमा बाँडफाँट

आगामी तीन वर्षमा कार्यान्वयन गरिने आयोजना तथा कार्यक्रमहरूलाई जलवायु परिवर्तन अनुकूलन तथा पर्नसक्ते असर न्यूनीकरणका दृष्टिकोणले अत्यन्त सान्दर्भिक, सान्दर्भिक र तटस्थ गरी तीन तहमा वर्गीकरण गरिएको छ । प्रस्तावित आयोजना कार्यक्रमको ५० प्रतिशतभन्दा बढी बजेट जलवायु परिवर्तनसँग सम्बन्धित भएमा अत्यन्त सान्दर्भिक स्तरमा वर्गीकरण गरी तिनलाई बजेट सङ्केत १ प्रदान गरिएको छ । त्यसैगरी, प्रस्तावित आयोजना तथा कार्यक्रमको २०-५० प्रतिशत सम्म बजेट जलवायु परिवर्तनसँग सम्बन्धित भएमा सान्दर्भिक स्तरमा वर्गीकरण गरी तिनलाई बजेट सङ्केत २ प्रदान गरिएको छ । प्रस्तावित आयोजना तथा कार्यक्रमको २० प्रतिशत भन्दा कम बजेट जलवायु परिवर्तनसँग सम्बन्धित भएमा वा प्रस्तावित आयोजना कार्यक्रम जलवायु परिवर्तनसँग सम्बन्धित नभएमा तटस्थ स्तरमा वर्गीकरण गरी उक्त आयोजना तथा कार्यक्रमहरूलाई बजेट सङ्केत ३ प्रदान गरिएको छ । आगामी तीन वर्षको अर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.७ मा प्रस्तुत गरिएको छ ।

**तालिका २.७ : जलवायु सङ्केतको बजेटको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. हजारमा)**

जलवायु सङ्केत	आयोजना/ कार्यक्रम संख्या	८२/८३ को व्यय अनुमान		८३/८४ को खर्च प्रक्षेपण		८४/८५ को खर्च प्रक्षेपण	
		रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
अत्यन्त सान्दर्भिक १	१०६	४७७५७.६	७.८६	५०९४५.४६	७.८६	५२६५३	७.८६
सान्दर्भिक २	१८७	२०९७२४.२	३३.२	२११८१०.४	३३.२	२२२४०१	३३.२
तटस्थ ३	१५७	३५८१२१.२	५८.९४	३७६०२७.२	५८.९४	३९४८२८	५८.९
<b>जम्मा</b>	<b>४५०</b>	<b>६०७६०३</b>	<b>१००</b>	<b>६३७९८३</b>	<b>१००</b>	<b>६६९८८२</b>	<b>१००</b>

### ड. विषय क्षेत्रको आधारमा बाँडफाँट:

विषयगत क्षेत्रका आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका २.८ मा प्रस्तुत छ ।

**तालिका २.८ : विषयगतक्षेत्रको आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण (रु. हजारमा)**

विषयगत क्षेत्र	२०८१/८२ को संशोधित		२०८२/८३ को अनुमान (रु हजारमा)		२०८३/८४को प्रक्षेपण (रु हजारमा)		२०८४/८५को प्रक्षेपण (रु हजारमा)	
	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत	रकम	प्रतिशत
आर्थिक विकास क्षेत्र	१६३४४	२.९८	२२३००.००	३.६७	२३४९५	३.६७	२४५८६	३.६७
सामाजिक विकास क्षेत्र	२२६७६०	४१.३५	२७६८५३.९५	४५.५६	२९०६९७	४५.५६	३०५२३१	४५.५६
पूर्वाधार विकास क्षेत्र	१६२२८३	२९.५९	२०९८४४.००	३४.५४	२२०३३६	३४.५४	२३१३५३	३४.५४
सुशासन तथा अन्तर सम्बन्धित क्षेत्र	१०२८०	१.८७	१६८००.००	२.७६	१७६४०	२.७६	१८५२२	२.७६

कार्यालय संचालन र प्रशासनिक	१३२७७६	२४.२१	८१८०५.८३	१३.४६	८५८९६	१३.४६	९०९९१	१३.४६
जम्मा	५४८४४३	१००.००	६०७६०३.७८	१००.००	६३७९८४	१००.००	६६९८३	१००.००

श्रोत: मध्यमकालीन खर्च संरचना सर्वेक्षण २०८१

## २.८ विषय उपक्षेत्रगत बाँडफाँड

विषय उपक्षेत्रगत रूपमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको बजेट अनुमान तथा प्रक्षेपण तालिका नं. २.९ मा प्रस्तुत गरिएको छ। विषय उपक्षेत्रगतका आधारमा तीन आर्थिक वर्षको बजेट, खर्च तथा स्रोतको अनुमान, कार्यक्रम तथा आयोजनागत बजेट, प्राथमिकीकरण र सांकेतीकरण सम्बन्धि विवरण अनुसूची ३ समावेश गरिएको छ।

आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को विनियोजन र त्यसपछिका दुई वर्षको बजेट प्रक्षेपण विषय उपक्षेत्रगत नितिजा, विषय उपक्षेत्रगत कार्यक्रम तथा आयोजनाको विवरण, अपेक्षित उपलब्धि र विषय उपक्षेत्रगत अनुमानित बजेट परिच्छेद ३ देखि परिच्छेद ७ सम्म प्रस्तुत गरिएको छ।

**तालिका २.९ : आगामी तीन आ.व.को विषय उपक्षेत्रगत खर्चको बाँडफाँड तथा प्रक्षेपण (रकम रु. हजारमा)**

विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र	आ.व. २०८१/८२ संशोधित अनुमान			आ.व. २०८२/८३ अनुमान			आ.व. २०८३/८४ प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ प्रक्षेपण			तीन आ.व.को जम्मा		
	कुल	चालू	पूँजीगत	कुल	चालू	पूँजीगत	कुल	चालू	पूँजीगत	कुल	चालू	पूँजीगत	कुल	चालू	पूँजीगत
आर्थिक क्षेत्र	१६३४४	१२२९४	४०५०	२२३००	०	०	२३४१५	०	०	२४५८६	०	०	७०३०१	०	०
कृषि तथा खाद्य सुरक्षा	५८४२	४१९२	१६५०	९७००			१०१८५	०	०	१०६९४	०	०	३०५७९	०	०
जलश्रात तथा सिंचाई	४००	०	४००	०			०	०	०	०	०	०	०	०	०
पशुपंक्षी सेवा	४६१२	२६१२	२०००	५५५०			५८२८	०	०	६११९	०	०	१७४९६	०	०
उद्योग तथा वाणिज्य	२४४०	२४४०	०	१८००			१८९०	०	०	१९८५	०	०	५६७५	०	०
सहकारी	३००	३००	०	०			०	०	०	०	०	०	०	०	०
पर्यटन	२७५०	२७५०		५०५०			५३०३	०	०	५५६८	०	०	१५९२०	०	०
वन				२००			२९०			२२१			६३१		
सामाजिक क्षेत्र	२२६७६०	२०६९१०	१९८५०	२७६८५३	०	०	२९०६९५	०	०	३०५२३०	०	०	८७२७७८	०	०
शिक्षा कला भाषा तथा साहित्य	१७७७९०	१७३७४०	४०५०	१९९७२८			२०९७९४	०	०	२२०२००	०	०	६२९६४३	०	०
स्वास्थ्य तथा पोषण	१५९७६	१५३२६	६५०	५४३४५			५७०६२	०	०	५९९९५	०	०	१७३२१	०	०
खानेपानी तथा सरसफाई	१२२००	२००	१२०००	५६३०			५९९२	०	०	६२०७	०	०	१७७४९	०	०
लैगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण	७६००	७६००	०	५९५०			६२४८	०	०	६५६०	०	०	१८७५७	०	०
युवा खेलकुद तथा नवप्रवर्तन	५०७०	१९२०	३१५०	१२००			१२६०	०	०	१३२३	०	०	३७८३	०	०
जनसंख्या तथा वसाई सराई	१०००	१०००	०	०			०	०	०	०	०	०	०	०	०

अन्तर्वर्षीय गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८२/८३-२०८४/८५)

विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र	आ.व. २०८१/८२ संशोधित अनुमान			आ.व. २०८२/८३ अनुमान			आ.व. २०८३/८४ प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ प्रक्षेपण			तिन आ.व.को जम्मा		
	कुल	चालू	पूँजीगत	कुल	चालू	पूँजीगत	कुल	चालू	पूँजीगत	कुल	चालू	पूँजीगत	कुल	चालू	पूँजीगत
सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण	७१२४	७१२४	०	१००००			१०५००	०	०	११०२५	०	०	३१५२५	०	०
पूर्वाधार क्षेत्र	१६२२८३	१६२२८३	०	२०९८४४	०	०	२२०३३६	०	०	२३१३५३	०	०	६६१५३३	०	०
बस्ती विकास, भवन आवास तथा शहरी विकास	१२०८०८	१२०८०८	०	११३१९४			११८८५४	०	०	१२४७९६	०	०	३५६८४४	०	०
सडक तथा यातायात	३६४७५	३६४७५	०	८२२५०			८६३६३	०	०	९०६८१	०	०	२५९२९३	०	०
विद्युत तथा बैकल्पिक ऊर्जा	३००	३००	०	०			०	०	०	०	०	०	०	०	०
विज्ञान तथा प्रविधि	१६५०	१६५०	०	४८००			५०४०	०	०	५२९२	०	०	१५१३२	०	०
पुनर्निर्माण	३०५०	३०५०	०	११००			११५५	०	०	१२१३	०	०	३४६८	०	०
संचार तथा सूचना प्रणाली				१७००			१७८५			१८७४			५३५९		
सम्पदा पूर्वाधार				६८००			७१४०			७४९७			२१४३७		
सुशासन तथा अन्तर सम्बन्धित क्षेत्र	१०२८०	८२८०	२०००	१६८००	०	०	१७६४०	०	०	१८५२२	०	०	५२९६२	०	०
वातावरण तथा जलवायू	३८०	३८०	०	१५०			१५८	०	०	१६५	०	०	४७३	०	०
विपद व्यवस्थापन	२३००	१८००	५००	३३००			३४६५	०	०	३६३८	०	०	१०४०३	०	०
वित्तीय सुशासन	५००	५००	०	१७००			१७८५	०	०	१८७४	०	०	५३५९	०	०
शासन प्रणाली	२८००	२८००	०	४६००			४८३०	०	०	५०७२	०	०	१४५०२	०	०
योजना तर्जुमा र कार्यान्वयन	१००	१००	०	८००			८४०	०	०	८८२	०	०	२५२२	०	०

अन्तर्मुक्त गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८२/८३-२०८४/८५)

विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र	आ.व. २०८१/८२ संशोधित अनुमान			आ.व. २०८२/८३ अनुमान			आ.व. २०८३/८४ प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ प्रक्षेपण			तिन आ.व.को जम्मा		
	कुल	चालू	पूँजीगत	कुल	चालू	पूँजीगत	कुल	चालू	पूँजीगत	कुल	चालू	पूँजीगत	कुल	चालू	पूँजीगत
प्रशासकिय सुशासन	४२००	२७००	१५००	३५५०			३७२८	०	०	३९१४	०	०	११११	०	०
अनुगमन तथा मूल्यांकन				१९५०			२०४८			२१५०			६१४७		
मानव संसाधन विकास				२५०			२६३			२७६			७८८		
तथ्यांक प्रणाली				५००			५२५			५५१			१५७६		
कार्यालय संचालन तथा प्रशासनिक	१३२७७६	१२१८०६	१०९७०	८१८०६			८५८९६	०	०	९०९९	०	०	२५७८९३	०	०
जम्मा	५४८४४३	५११५७३	३६८७०	६०७६०३	०	०	६३७९८३	०	०	६६९८२	०	०	१९१५४६७	०	०

## परिच्छेद ३ : आर्थिक क्षेत्र

यस परिच्छेदमा कृषि तथा खाद्य सुरक्षा, सिंचाई, पशु विकास, उद्योग तथा व्यापार, पर्यटन तथा संस्कृति, भूमि व्यवस्था तथा सहकारी र श्रम रोजगारी तथा गरिबी निवारण जस्ता उप-क्षेत्रहरूको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चुनौती, लक्ष्य, रणनीति सहित नियम खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा श्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमानित जोखिम पक्षहरु समावेश गरिएको छ ।

### ३.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा

#### ३.१.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संघीय शासन प्रणाली अनुसार राज्य पुर्नसंरचनामा स्थानीय तहको सिमांकन गर्दा यो गाउँपालिका साविकका द वटा गा.वि.स.हरूलाई गाभेर वनाइएको हो । यो गाउँपालिका जातिगत तथा सांस्कृतिक रूपमा विशिष्टता र विविधता बोकेको गाउँपालिका हो ।

यो गाउँपालिकामा धेरै जनसंख्या मगर जातिको छ भने त्यस पछि क्षेत्री, बाट्मण, दलित, गुरुङ, ठकुरी र थकाली जातिको रहेका छन् । जात भित्रमा पनि विविधता हेर्ने हो भने यो गाउँपालिकामा सबै भन्दा धेरै मगर, सार्की, कार्मी, दमाई, वाट्मण, क्षेत्री, गुरुङ जातीको वसोवास रहेको छ । विभिन्न वडाका विभिन्न तालतलैया, पोखरी, दह, मठमन्दिर, पाटिपौवा, चौतारा, साना साना छरिएर रहेका वस्तीहरूको संगमस्थल हो अन्नपूर्ण गाउँपालिका । सुन्दर पहाड, दुर-दुर इलाकामा देखिने सुन्दर हिमालहरू, पहाडी वस्तीमा गरिने आलु, धान, मकै, फापर, जौ, कोदो खेती र सुन्तला खेती त्यसमा देखिने सुन्दरता तथा शान्त, सफा र निर्मल वातावरणमा रमाउनेहरूका लागि उपहार जस्तै लाग्ने वातावरण अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको आफ्नै विशेष पहिचान हो । वर्षा याममा यो गाउँपालिका भित्र यातायातका साधनहरू चल्न मुश्किल हुन्छ । कच्ची, धुले, हिलाम्मे तथा चिप्लो बाटो त्यहि पनि वर्षा याममा पहिरो तथा भूक्षयको कारण सडक यातायात अवरुद्ध हुन्छ । मानिसलाई एक ठाउँबाट आर्को ठाउँमा आवतजावत गर्न वर्षाको याममा कठिन हुने गरेको अवस्था छ ।

गाउँपालिकाका अधिकांश घरपरिवारको मूल्य पेशा कृषि पेशा नै रहेको छ । ऐतिहासिक काल देखिनै यहाँका मानिसहरू कृषि उत्पादन प्रति आश्रित रहेका छन् । यहाँ ठूला ठूला पहाड र भिरालो जमिन भएकोले खेतीयोग्य जमिन कम रहेको छ । चिसो हावापानी भएका कारण यस क्षेत्रमा धान खेती समेत कम हुन्छ । यहाँका कृषकहरूले तराई तथा भारतबाट आयात गरेको चामलमा आश्रित हुनु परेको छ । यस गाउँपालिकामा सामान्यतया धान, मकै, कोदो, फापर, गहुँ, जौ, दाल, बोडी, आलु, रामतोरिया, सिमी, भटमास, केराउ, उखु, उत्पादन हुने गरेको छ । फलफूलमा सुन्तला, किवी, खुर्पानी, एझोकार्डो, किवी, कागती, केरा आदि उत्पादन हुने गरेको छ । हरियो सागसब्जीमा रायोको साग, पालुडो, वन्दा, काउली, गाजर, मुला, सलगम आदि उत्पादन हुन्छ भने मसलादीमा, खुर्सानी, धनिया, लसुन, प्याज, बेसार, टिमुर आदि उत्पादन हुन्छ ।

#### ३.१.२ समस्या तथा चुनौती

जमिनको उर्वरा शक्ति घट्दै गएको यस गाउँपालिकामा पछिल्लो समय कृषिमा प्रयोग भएको क्षेत्रफल संकुचित हुदै गएको छ । सडक निर्माण तथा भवन आवास निर्माणको गतिले गर्दा खेतीयोग्य जमिन घट्दै गएको पाइन्छ ।

गुणस्तरीय शिक्षा, बजारको सुविधा, सडक तथा यातायातको सुविधा, स्वास्थ्य सेवामा पहुँच पुऱ्याउन आन्तरिक बसाइसराई वढ्दै गैरहेको छ । यसले गर्दा खेतीमा आश्रित कृषकको संख्या घट्दै गएको छ भने भवन र

आवास विस्तारको क्रम पनि बढ्दै गएको छ। आन्तरिक बसाइसराई तथा युवा रोजगारीको अवसरको लागि शहर तथा विदेश पलायन हुनेक्रम जारीनै रहेकोले गाउँवस्तीका कृषियोग्य जमिन बाँझो रहेको र कृषि उत्पादन र जमिनको उत्पादकत्व वृद्धिमा समस्या देखिएको छ। समयको विकासक्रमसंगै हिजोको आत्मनिर्भर समाज आज आएर कृषि उपज आयात गरेर जीविकोपार्जन गर्ने अवस्थामा पुगेको देखिन्छ। गाउँपालिका क्षेत्रमा कृषि उपज संकलन केन्द्र नहुनु, बजार अनुगमन संयन्त्र प्रभावकारी नहुनु, कृषि उत्पादन र बजारीकरणमा सहकारी संस्थाहरू प्रभावकारी हुन नसक्दा कृषि पेशा सम्मानित र फलदायी हुन सकेको छैन। त्यसैले गर्दा युवा पलायनको अवस्था देखिएको छ।

अर्को तर्फ जलवायु अनुकूलित बाली प्रणालीको अभ्यासको कमी, सुरक्षित भण्डारणका लागि चिस्यान केन्द्रहरू नहुनु, बालीनालीमा रोग तथा किराहरूको प्रकोप बढ्दै जानु, गुणस्तरीय मल, बिऊ र कृषि सामग्रीहरू सुपथ मूल्यमा उपलब्ध नहुनुले कृषि उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि हुन सकेको छैन।

सरकारको तर्फबाट प्रदान गरिने कृषि प्रसार सेवा, कृषि सूचना, कृषि विमा र सर्वसुलभ कृषि ऋणको सहजीकरण जस्ता कार्यक्रम ग्रामीण कृषकहरूसम्म सहजरूपमा नपुग्नु, दिगो रूपमा बजारीकरणको अभ्यास हुन नसक्नु, उत्पादनको न्यूनतम समर्थन मूल्य तोक्न नसक्नु, कृषकलाई क्षतिपूर्ति दिने व्यवस्था नहुनु, कृषिमैत्री ढुवानी प्रणाली नहुनु, वास्तविक कृषकसम्म सहुलियत तथा अनुदान नपुग्नु जस्ता समस्या र चुनौतीहरू कृषि क्षेत्रमा रहेका छन्।

### ३.१.३ सोच

“उत्पादनशील दिगो तथा व्यावसायिक, कृषि”

### ३.१.४ उद्देश्य

१. कृषिलाई पर्यटन र उद्योगसँग जोड्दै रोजगारीका अवसर सिर्जना गर्ने
२. कृषिलाई नाफामूलक, दिगो र सम्मानित व्यवसायको रूपमा रूपान्तरण गर्ने
३. कृषि प्रणालीलाई आधुनिक प्रविधिसँग जोड्ने र जलवायु परिवर्तन अनुकूलन कृषि उत्पादन प्रणालीको क्रमशः विकास गर्दै जाने

### ३.१.५ रणनीति

१. कृषि उत्पादनलाई लघु, घरेलु तथा साना उद्योगसँग जोड्ने नीति तर्जुमा गरी कृषक र पर्यटन व्यवसायीको बीचमा समन्वय र सहकार्य गर्ने वातावरण तयार गर्ने
२. तुलनात्मक लाभ हुनसक्ने कृषि उत्पादनलाई जोड दिई बजार माग अनुसार वस्तु तथा सेवाको प्रभावकारी बजारीकरणमा जोड दिने
३. कृषि यान्त्रीकरण र व्यावसायीकरण का लागि प्रविधि र वातावरणमैत्री कृषि प्रणालीको विस्तार गर्ने।

### ३.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार भएको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ।

सूचक	एकाई	गत आ.व.सम्मको वास्तविक उपलब्धि	चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/ ८२	२०८३/ ८४	२०८४/ ८५
अर्गानिक र वातावरणमैत्री खेती प्रणालीको अवलम्बन भएको क्षेत्र	प्रतिशत	८१	८२	८४	८६	८८
कृषक वर्गीकरण र परिचयपत्र वितरण गरिएका वडा	संख्या	०	०	४	६	८
कूल कृषि भूमिमध्ये खेति गरिएको क्षेत्रको अनुपात	प्रतिशत	७३	७५	७७	७९	८१
स्थानीय उत्पादनले पूरा गर्ने ताजा तरकारी र कृषि उपजहरूको माग	प्रतिशत	४२	४४	४६	४८	५०
प्रमुख खाद्यान्न बालीहरूको औसत उत्पादकत्व ( प्रति हेक्टर)	मे.टन	३.४	३.६	३.८	४	४.२
कृषि उत्पादनको पकेट क्षेत्र	संख्या	२	२	३	४	५
चक्कावन्दी र यान्त्रिकीकरण भएको कृषि भूमि (क्षेत्रफल)	प्रतिशत	४६	४८	५०	५२	५४
गाउँपालिकामा दर्ता भएका कृषि उद्योग/फर्महरू	संख्या	१५०	१५५	१६०	१७०	१८०

### ३.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरणका आधारमा कृषि तथा खाद्य सुरक्षा उप-क्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार रहेको छ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु. हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु. हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत तथा राजस्व बाँडफाँट	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८२	९७००			०	३५६५	५८२२	३१३	०
२०८३/८४	१०१८५			०	३७४३	६११३	३२९	०
२०८४/८५	१०६९४			०	३९३०	६४१९	३४५	०

### ३.१.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

संघीय शासन प्रणाली अनुसार तीन तह (संघ, प्रदेश र स्थानीय तह) का सरकारका नीति, योजना तथा कार्यक्रम बीच सामाजिक समन्वय र सहकार्यमा कृषि पूर्वाधार, प्रविधि तथा सीप विकास हुनेछ। यस गाउँपालिकाको ग्रामीण क्षेत्रमा वैदेशिक रोजगारबाट प्राप्त पुँजी कृषि व्यवसायमा परिचालन हुनेछ। सक्षम युवाहरू सीपमा आधारित तथा कृषिमा आधारित व्यवसायमा आकर्षिक हुनेछन्।

कृषि, प्रविधि, मल, गुणस्तरीय विज्ञ, कृषि सामाग्री, भरपर्दो सिंचाइ प्रणाली, कृषि प्रसार, कृषि भूमिको संरक्षण र एकीकृत व्यवस्थापन गर्न नसकिएको खण्डमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुने जोखिम रहन्छ। यसैगरी कृषि क्षेत्रमा जलवायु परिवर्तन र प्रकोपको असरको जोखिम सम्भावना अधिक रहन सक्छ।

## ३.२ पशुपन्थी विकास

### ३.२.१ पृष्ठभूमि

पशुपन्थी पालन अन्नपूर्ण गाउँपालिका क्षेत्रको आर्थिक गतिविधि मध्ये एक हो । यस गाउँपालिका क्षेत्रमा उन्नत जातका गाई, भैंसी तथा स्थानीय जातका भैंसी, बाखा, भेडा, सुँगुर, बंगुर, खरायो तथा विभिन्न जातका पंक्षीहरू कुखुरा, हाँस, परेवा, टर्की, कालिज आदिको प्रवल सम्भावना रहेको छ । गाई, भैंसीमा कृत्रिम गर्भाधान सेवा उपलब्ध हुन सकेको खण्डमा पशुपालन व्यवसायबाट आर्थिक उपार्जन बढाएर लैजान सकिने सम्भावना रहेको छ । यस गाउँपालिकामा ट्राउट माछापालन भैरहेको र अन्य स्थानमा पनि माछापालनको संभावना रहेको छ । गाउँपालिकाको सबै वडाहरूलाई खास खास किसिमका पशुपन्थीको पकेट क्षेत्र घोषणा गरी सोही अनुसार किसानहरूलाई आवश्यक पर्ने प्राविधिक तथा सीप तालिम सहयोग र बजारीकरण सहयोग गर्न सकेमा पशुपन्थी पालनका क्षेत्रमा अन्नपूर्ण गाउँपालिका आत्मनिर्भर भै पशुपन्थी पालनबाट स्वरोजगारी बन्ने, रोजगारीका अवसर सिंजना गरी आम्दानी बढाउन सकिने सम्भावना रहेको छ ।

### ३.२.२ समस्या तथा चुनौती

तीनै तहका सरकारबाट प्राप्त हुने अनुदान तथा सहयोग वास्तविक किसान समक्ष पुग्नु पर्दछ तर अनुदान सहयोग लिनको लागि अनुदान लिने हिसावले मात्र आउने भएकोले सरकारी अनुदान र सहयोग वास्तविक किसान सम्म पुग्न नसकेको अवस्था छ । गाउँपालिकामा केन्द्रित (हालमा वडामा समेत पशु स्वास्थ्य ट्रेक्निसियन समेतको व्यवस्था गर्न थालिएको) पशु प्राविधिक भएकाले किसानहरूको माग अनुसार सेवा उपलब्ध गराउन कठीन छ । त्यसैगरी, पशुपालन पेशा सम्मानित हुन नसक्नु, र लगानीमैत्री नहुँदा उन्नत जातका पशुपालनको विकास विस्तार हुन नसक्नु पनि चुनौतीका रूपमा रहेको छ ।

उत्पादित वस्तु बजारीकरणमा बिचौलियाहरूको हावी हुनाले कृषकले उचित मूल्य प्राप्त गर्न सकेका छैनन् । पशु विकास सेवाका लागि पर्याप्त मात्रमा बजेटको उपलब्धता हुन नसक्नु जस्ता समस्याहरू पशुपन्थी विकास क्षेत्रमा व्याप्त छ । पशुपन्थी बिमा सेवा प्रभावकारी रूपमा विस्तार हुन नसक्नु, घाँसबाली रोपण, संरक्षण र विस्तार गर्न नसक्नाले पशुको लागि चाहिने आहाराको अभाव समय समयमा खड्किएको छ । पशु आहारका लागि स्थानीय रूपमा दाना तथा घाँसको उत्पादनमा कमी रहेको छ । उन्नत नश्लका पशुपन्थीपालन, पशुपन्थीका लागि बिमा अनुदान, सहुलियतपूर्ण पशु पालन ऋणको व्यवस्थामा कमी हुनुका साथै पशुपालनमा समेत मासु, दूध, अण्डामा आत्मनिर्भर हुन सकेको छैन । पशुआहारका लागि उन्नत घाँसको बीउ तथा डालेघाँसको उत्पादनमा कमी रहेको छ । कृषि उत्पादनको लागि कृषकलाई साथ सहयोग गर्न नसक्नाले उत्पादन वृद्धि हुन सकेको छैन भने उत्पादित दूध, घिऊ, ऊन, मासु, अण्डाले बजार पाउन नसक्नु पनि एउटा ठूलो चुनौतीको रूपमा रहेको छ ।

### ३.२.३ सोच

“अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको समृद्धिको आधार पशुपन्थी र मत्स्यपालन क्षेत्रमा प्रविधि र पूर्वाधार”

### ३.२.४ उद्देश्य

१. पशुपन्थी र मत्स्य विकास पकेट क्षेत्र घोषणा गरी उत्पादन र बजारीकरणलाई सबल बनाउने
२. युवा तथा निजीक्षेत्रलाई पशुपन्थी र मत्स्य विकासका क्षेत्रमा संलग्न हुन प्रोत्साहन गर्ने
३. पशुपन्थी तथा मत्स्यपालन व्यवसायलाई प्रविधिमैत्री र प्रतिस्पर्धी बनाउने
४. विद्यमान जीवननिर्वाहमुखी पशुपालनलाई आधुनिक, व्यावसायिक र नाफामूलक व्यवसायका रूपमा रूपान्तरण गर्नु

### ३.२.५ रणनीति

१. गाउँपालिकाको सबै वडाहरूलाई सम्भाव्यताका आधारमा स्थानीय हावापानी, भू-वनोट, प्राकृतिक स्रोत र बजारको आधारमा व्यावसायिक पकेट क्षेत्र निर्माण गर्ने
२. महिला, युवा तथा अन्य लक्षित समुदायका लागि राहत तथा उद्यममा आकर्षित गरी पशु उद्यममा आकर्षित गर्ने ।
३. यस क्षेत्रमा यान्त्रीकरण र प्रविधि हस्तान्तरण मार्फत उत्पादकत्व अभिवृद्धि गर्ने
४. स्थानीय प्रजातिका पशुपन्थीहरूको संरक्षण र सम्रद्धन गरी मासु एवम् दूध उत्पादन वृद्धि गर्ने ।
५. पशुजन्य उत्पादनको प्रशोधन र गुणस्तर परीक्षण गरी उद्यमशीलता तथा बजारीकरण सुनिश्चितता गर्ने
६. वडा तहसम्म भौतिक पूर्वाधार तथा कार्यक्रम बजेट सहितको पशुपक्षी सेवा एकाइ विस्तार गर्ने

### ३.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

मध्यमकालीन लक्ष्य आवधिक योजना र प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार यस उपक्षेत्रको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

सूचक	एकाइ	गत आ.व.सम्मको वास्तविक उपलब्धि	चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५
व्यावसायिक पशुपालन पकेट क्षेत्र	संख्या	१	१	२	३	४
व्यावसायिक पशु फर्मको संख्या	संख्या	२८	३०	३२	३४	३६
वार्षिक दुधको उत्पादन	मे.टन	५७	६०	६२	६४	६६
वार्षिक मासु उत्पादन	मे.टन	१०६	११५	१२४	१३३	१४१
वार्षिक अण्डा उत्पादन (हजारमा)	संख्या	२९	३१	३३	३५	३७
नश्ल सुधार, आहार, स्वास्थ्य तथा विमा सहितको प्राविधिक सेवा प्राप्त गर्ने पशुपछी तथा मत्स्य पालक	प्रति शत	४	५	६	७	८
व्यावसायिक पशुपालनमा महिला युवा र लक्षित समुहको उपस्थिति	प्रति शत	२५	३०	३५	४०	४५
वडा तहमा पशु सेवा ईकाइको स्थापना	संख्या	८	८	८	८	८
वार्षिक प्रतिव्यक्ति औसत दुध उपभोग	लिटर	४०	४२	४४	४६	४८
वार्षिक औसत प्रतिव्यक्ति मासु उपभोग	के.जी	४५	४३	४१	४०	४०

### ३.२.७ विषयक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

प्राप्त बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा पशुपंक्षी उपक्षेत्रको खर्च र उक्त स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु. हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु. हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत र राजस्व वाडफाँड	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	५५५०			०	२०४०	३३३१	१७९	०
२०८३/८४	५८२८			०	२१४२	३४९८	१८८	०
२०८४/८५	६११९			०	२२४९	३६७३	१९८	०

### ३.२.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

संघीय सरकार तथा प्रदेश सरकारबाट यस क्षेत्रमा आउने बजेट र कार्यक्रममा विस्तार भै गाउँपालिकासँगको सहकार्यमा पूर्वाधार, प्रविधि तथा सीप विकास हुनेछ। वैदेशिक रोजगारबाट फर्केका युवा पशुपंक्षी पालन व्यवसायमा आकर्षित हुनेछन्। प्रविधि, पशु प्रसार, चरन क्षेत्र, आहार, पशुपंक्षी उपचार एकीकृत व्यवस्थापन गर्न नसकिएमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुने जोखिम रहन्छ। निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षित गर्ने विषयमा जोखिम कायमै रहने देखिएको छ।

### ३.३ उद्योग तथा व्यापार व्यवसाय

#### ३.३.१ पृष्ठभूमि

बेनी बजारबाट यातायातको साधनमा ४५ मिनेटको समय लगाएर अन्तर्पूर्ण गाउँपालिका केन्द्र पोखरे वगरमा पुगिन्छ। गाउँपालिका क्षेत्रमा जिविकोपार्जनको लागि परम्परागत कृषि उत्पादन, व्यापार व्यवसाय, लघु, घरेलु उद्योग सञ्चालन र विकासका केही कार्यहरू भैरहेका छन् तर उद्योग, व्यापार व्यावसाय विस्तार हुन सकेको छैन। गाउँपालिकामा १४ वटा स-साना प्रमुख बजार केन्द्रहरू रहेका छन् जहाँ आर्थिक कारोबार गर्ने व्यापार व्यवसायको संख्या करीब गाउँपालिकामा दर्ता भएका र अन्य गरी ४२३ रहेका छन् भने रोजगारी पाउनेको संख्या ८४६ छ।

स्थानीय स्तरमा बेकरी उद्योग, चित्रा खुँगा, झोला, भाङ्गा, ढाका कपडा, स्विटर, ऊनीको सल, लोकता कागज, अल्लोको कपडा, सावुन, हरपिक, स्लेट ढुङ्गा, राडी पाखी निर्माणजस्ता लघु तथा घरेलु प्रकृतिका उद्योगहरू सञ्चालनमा रहेका छन्। परम्परागत आरन व्यावसाय सञ्चालन भैरहेको पाइन्छ। गाउँपालिका फर्निचरहरू स्थापना गरी सञ्चालनमा रही रहेको देखिन्छ। स्वरोजगार वन्न तथा उद्यमबाट रोजगारीका अवसर शृजना गर्न आ.व.०८०/०८१ मा ३० जना युवाले उद्यमशीलता विकास तालिम लिएको अवस्था पाइन्छ। उद्यम व्यावसायको लागि कच्चा पदार्थको रूपमा प्रयोग गर्न सकिने निगालो, गाउँपालिकाको तल्लो वाँस, तथा सुन्तला, खुर्पानी, चिराईतो, अल्लो, ढकायो, सिस्नो पाउडर, सिल्टुम्वर इत्यादि पाइन्छ। जडिबुटी खेती गर्नको लागि गाउँपालिका क्षेत्रमा सम्भावना प्रचुर रहेको छ। पर्यटनमा आधारित उद्यम व्यावसाय सञ्चालनको लागि होटल, रेस्टुरेन्ट, होमस्टेको व्यवस्थापन र सेवा प्रवाहबाट रोजगारी र आम्दानी बढाउन सकिने सम्भावना धेरै छ। यसैगरी वैदेशिक रोजगारबाट प्राप्त विप्रेषणलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी गरी स्वरोजगार र रोजगारी

सिंजना गर्न सकिने सम्भावना रहेको छ । वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका व्यक्तिहरुलाई स्थानीय स्तरमा कृषि उत्पादन, पशुपालन तथा स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित उद्योगहरूको स्थापना गरी आम्दानी बढाउन सकिने सम्भावना रहेको छ ।

लघु, घरेलु उद्योगको विकासले साना उद्योग स्थापना र सञ्चालन गर्ने वातावरण निर्माण हुन सक्दछ । अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको पोखरे वगर, तातोपानी, शिख, घार, घोरपानी, राम्चे, नागी, पाउँद्वार, दोवा, हिस्तान जस्ता स साना बजारकेन्द्र रहेका छन् । यी बजारकेन्द्रबाट स्थानीय नागरिकले वस्तु तथा सेवा सेवा खरिद गर्ने अवसर पाएका छन् । स्थानीय बजारकेन्द्रबाट कच्चा पदार्थ, औजार उपकरण, नयाँ प्रविधि खरिद गर्ने कार्यको अतिरिक्त स्थानीय स्तरमा उत्पादित वस्तु तथा सेवाको बजारीकरण गर्ने अवसर पनि उपलब्ध भएकोले स्थानीय अर्थतन्त्रको विकास गर्न उत्पादनमा वृद्धि, बजारकेन्द्रको विकास, वस्तु बजारीकरण गर्ने कृयाकलापले महत्वपूर्ण भूमिका खेलेको हुन्छ । समयको गतिसंगै स्थानीय तहले उद्यम व्यावसाय सिंजना र विकासको साथ साथ स्थानीय स्तरमा रोजगारी सिंजना गर्न आधुनिक प्राविधिक सीप विकास तालिम कार्यक्रमहरु संचालन गर्दै जानु पर्ने देखिन्छ ।

### ३.३.२ समस्या तथा चुनौती

कमजोर औद्योगिक पूर्वाधार, दक्ष जनशक्ति अभाव, उपयुक्त प्रविधिको अभाव, बजार तथा बजारीकरणको कमी, स्थानीय स्तरमा उत्पादित वस्तुमा लेबलिङ, प्याकेजिङ नहुन, युवाहरु स्वदेशमा श्रम गर्न नचाहने प्रवृत्ति, बजारमा आयातित वस्तुहरुको सहज आपूर्ति, स्थानीय तहमा उत्पादित वस्तुहरुको मूल्य सुनिश्चित नहुनु जस्ता समस्या देखिन्छन् । कमजोर ब्रान्डिङ र प्याकेजिङका कारण स्थानीय तहमा उत्पादित वस्तुप्रति उपभोक्ताको आकर्षण कम हुनु, उद्योगहरुको न्यून उत्पादकत्व, निर्यातयोग्य वस्तुको विविधीकरणको कमीले गर्दा जनमानसमा उद्योगमा सफलता हासिल गर्न नसकिने मनस्थिति छ भने त्यसलाई चिरेर अगाडि बढ्ने वातावरण नहुनु जस्ता समस्याहरु उद्योग तथा व्यापार व्यावसाय क्षेत्रमा रहेका छन् । उत्पादन र रोजगारी सिंजना गर्ने प्रकारका उद्योग व्यावसाय स्थापना र विकासका लागि निजीक्षेत्र र गाउँपालिकाबीच सहकार्य र साझेदारी हुन नसक्नु विकासको लागि समस्या र चुनौती हुन सक्दछ ।

### ३.३.३ सोच

“लघु, घरेलु तथा साना उद्योगको विकास उत्थानशील स्थानीय अर्थतन्त्रको दिगो आधार”

### ३.३.४ उद्देश्य

१. औद्योगिक उत्पादन वृद्धि गरी आयत प्रतिस्थापनमा योगदान पुऱ्याउने
२. उद्योग व्यवसायक्षेत्रमा निजीक्षेत्रको लगानी र युवाहरुको आकर्षण वृद्धि गरी रोजगारी सिंजना गर्ने

### ३.३.५ रणनीति

१. प्रतिस्पर्धी र तुलनात्मक लाभ भएका वस्तु उत्पादन गर्ने उद्योगहरुलाई प्रोत्साहन गर्ने
२. लघु तथा घरेलु उद्योगहरुको संरक्षण र विकास गर्ने
३. आवश्यक पूर्वाधारसहितका सुविधासम्पन्न औद्योगिक ग्रामहरु निर्माण गर्ने
४. स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित लघु, घरेलु तथा साना उद्यम व्यवसायहरुको विकासका लागि संघ तथा प्रदेश सरकारसँग सहकार्य र समन्वय गर्ने

### ३.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजनाको लक्ष्य र यस खर्च संरचनाका लागि प्राप्त कार्यक्रमको उद्देश्य र अपेक्षित नतिजाको आधारमा उद्योग तथा व्यापार व्यावसाय उपक्षेत्रको मध्यमकालीन नतिजा खाका निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएकोछ।

|

सूचक	एकाई	गत आ.व.सम्मको वास्तविक उपलब्धि	चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/ ८३	२०८३/ ८४	२०८४/ ८५
गाउँपालिकामा दर्ता भएका र अन्य व्यवसाय संचालनमा रहेका उद्योग व्यवसायहरु	संख्या	४२३	४५०	४७०	४९०	५१०
व्यावसाय करबाट संकलित राजस्व	रु.हजारमा					
सञ्चालित औद्योगिक तथा व्यापार मेला (वार्षिक)	पटक	०	१	१	१	२
हस्तकला तथा औद्योगिक ग्राम	संख्या	०	०	०	०	१
व्यावसाय विकास तथा व्यवस्थापनमा तालिम प्राप्त गर्ने घरेलु तथा साना उद्यमीहरु	थप संख्या	३०	४०	५०	६०	७०

### ३.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा उद्योग तथा व्यापार उपक्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु. हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु. हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	१८००			०	६६२	१०८०	५८	०
२०८३/८४	१८९०			०	६९५	११३४	६१	०
२०८४/८५	१९८५			०	७२९	११९१	६४	०

### ३.३.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

संघ तथा प्रदेश सरकारसँगको सहकार्यमा उद्योग व्यापार तथा व्यावसाय क्षेत्रमा उचित प्रोत्साहन सहित प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रम सञ्चालन, युवा उद्यमी र लगानी आकर्षित भै व्यवसायको विस्तारको गति सुदृढ हुने अनुमान छ। स्थानीय स्तरमा औद्योगिक विकासका लागि आवश्यक योजना र सहज वातवरण तयार हुन नसक्दा चुनौती भने कायमै छन्। केन्द्रीकृत सरकारी कार्यालयको कार्यसम्पादनमा ढिलासुस्ती र भन्भटिलो प्रक्रियाका कारण पनि नयाँ लगानी, उद्यमशीलता विकास र व्यावसाय गर्ने वातावरणमा अझै प्रक्रियागत जटीलता कायमै रहेको देखिन्छ।

### ३.४ पर्यटन तथा संस्कृति

#### ३.४.१ पृष्ठभूमि

पर्यटन उद्योगको विकासका लागि प्राकृतिक सुन्दरताका साथै मनोरञ्जन स्थल, न्यानो आतिथ्यता, होटेल, रेस्टुरेण्ट, रिसोर्ट जस्ता सेवा सुविधा र साहसिक खेल, रमणीय पदमार्ग जस्ता पर्यटकीय उपजको ठूलो योगदान रहेको हुन्छ । यस गाउँपालिकामा महभिर छहरा, महरे डाँडा, वर्ण वराह मन्दिर, तातोपानी कुण्डहरु, भालेवास, मुन्द्रा चढाउने डाँडो, दमाहा छहरा, रुप्से भरना, अन्ध गलिछ, खोपा लेख, ख्यर वराही, अन्तर्पूर्ण वेस क्याम्प आदि पर्यटकीय स्थलहरु रहेका छन् ।

विकास सँग जोडिएको पर्यटकीय क्षेत्रको महत्वको दृष्टिकोणले पर्यटन क्षेत्रको विकास र विस्तारको प्रचुर संभावना रहेका गाउँपालिका मध्ये अन्तर्पूर्ण गाउँपालिका पनि एक हो । विभिन्न पर्यटकीय स्थलहरुमा भएको पदमार्ग भएको पर्यटकीय पदमार्ग पहिचान भैसक्नुले पनि पर्यटकीय क्षेत्रको विकासको संभावना देखिन्छ, नै । गाउँपालिकामा बसोबासका लागि गाउँपालिकाको केन्द्र तथा अन्य स्थानमा स्तरीय होटल संचालनमा रहेको तथा विभिन्न बडाहरुमा मा होमस्टेको संचालन हुनुले यस क्षेत्रमा पर्यटन विकासका लागि एउटा आधारशिला बन्न लागेको देखिन्छ । अधिकांश हिन्दु र केही बौद्ध धर्मालम्बीको बसोबास र रहनसहन रहेको यस क्षेत्रमा मगर, क्षेत्री, ब्रामहण, र दलित समुदायमा आ-आफै धार्मिक र साँस्कृतिक विविधिता रहेको छ । परम्परागत सोरठी, कौडा, चुडका, दोहरी जस्ता गीत तथा नृत्यको अभ्यास हुने गर्दछ । चार्डवाडका रूपमा ल्होसार, दशै तिहार, क्रिशमस डे, माघे सकान्ती, चैतेदशै यहाँका प्रमूख चाडका रूपमा रहेका छन् ।

#### ३.४.२ समस्या तथा चुनौती

पर्यटन विकास सम्बन्धी नयाँ संरचनाको विकास र विस्तार नहुनु, स्थानीय उत्पादनसँग पर्यटन व्यवसायलाई जोड्न नसक्नु, पर्यटकहरुको लागि स्तरीय होटल नहुनु, अन्तर्राष्ट्रिय गुणस्तरको पर्यटन सेवा नहुनु, पर्यटकीय गन्तव्यस्थल तथा सम्पदाको संरक्षण, सुरक्षा तथा पूर्वाधार अभाव हुनुले पर्यटन विकास गर्न बाधा पर्दछ । पर्यटकका लागि न्यूनतम मापदण्डका होटेल पर्याप्त मात्रामा नहुनु, पर्यटकीय सेवा तथा गन्तव्यको विविधीकरण नहुनु, आन्तरिक पर्यटक भित्रयाउने बजार नीति विकास नहुनु आदि पर्यटन क्षेत्रका समस्याहरू हुन् । ऐतिहासिक एवं धार्मिक क्षेत्रको संरक्षण एवं प्रवर्द्धन प्रभावकारी हुन सकेको छैन । पर्यटकीय क्षेत्रको पहिचान एवं सभावनाका लागि कुनै नयाँ योजना बन्न सकेको छैन । उपलब्ध पर्यटकीय संभावना भएका सम्पदाहरूको प्रचार प्रसार भएको छैन । व्यवस्थित होमस्टे लगायत पर्यटकीय सुविधाहरूको उपलब्धतामा कमी रहेको छ । सुरक्षित पर्यटन प्रति आश्वस्त पार्न नसक्नु तथा पर्यटन प्रवर्द्धनको निम्न आवश्यक नीति, नियम, निर्देशिका बनि प्रभावकारी कार्यान्वयनमा कमी रहेको छ ।

#### ३.४.३ सोच “गाउँपालिकाको समृद्धीको आधार दिगो पर्यटकीय पूर्वाधार”

#### ३.४.४ उद्देश्य

१. पर्यटन, संस्कृतिका क्षेत्रमा लगानी वृद्धि गर्नु, पर्यटकीय सेवा सुविधा तथा पर्यटकमैत्री पूर्वाधारमा वृद्धि गर्ने
२. बाह्य पर्यटकहरूको सङ्ख्यात्मक तथा गुणात्मक वृद्धि गर्नु र पर्यटकहरूको औसत बसाइ अवधि लम्ब्याउने
३. पर्यटन मार्फत गाउँबासीको आय र रोजगारी वृद्धि गर्ने

#### ३.४.५ रणनीति

१. आकर्षक पर्यटकीय गन्तव्यमा बाहै महिना पहुँच स्थापित गर्न रणनीति महत्वका पूर्वाधारहरू विकासमा जोड दिने

२. ग्रामीण क्षेत्रमा पर्यटकीय उपजहरुको विविधिकरण गर्ने
३. स्थानीय सम्भावना र आवश्यकतालाई मध्यनजर गरी पर्यटन क्षेत्रको समुचित नीति तर्जुमा गरी पर्यटकीय सेवा, क्षमताको विस्तार गर्ने
४. प्राकृतिक, सांस्कृतिक तथा ऐतिहासिक कला र सम्पदाहरूको संरक्षण र संवर्द्धन गरी आवश्यक प्रचार प्रसारका साथ पर्यटन प्रवर्द्धन गर्ने
५. पर्यटन प्रवर्द्धनका लागि निजी क्षेत्र, पर्यटन बोर्डलगायतका सरोकारवालासँगको समन्वय, सम्पर्क तथा साझेदारीमा वृद्धि गर्ने
६. पर्यटन उद्योग सम्बद्ध निजी सडघ-संस्था र अन्य सरोकारवालाहरूसँगको सहकार्यमा पर्यटकीय

#### ३.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष

पर्यटन क्षेत्रको लागि आवधिक योजना र प्रस्तावित कार्यक्रमहरुको उद्देश्यका आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएकोछ ।

सूचक	एकाई	गत आ.व. सम्मको वास्तविक उपलब्धि	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष		
				२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५
पहिचान भएका पदमार्ग	संख्या	४	५	६	७	८
नियमित सञ्चालनमा रहेका व्यवस्थित होमस्टे	संख्या	०	१	२	३	४
होटल रेष्टुरेण्टहरूमा हुने खाचान्न, फलफुल र तरकारीमा स्थानीय उत्पादनको हिस्सा	प्रति शत	६०	६२	६४	६६	६८
पर्यटन तथा आतिथ्य सेवा सम्बन्धी तालिम प्राप्त जनशक्ति	संख्या	४०	४५	५५	६५	७५
भरिनी सम्बन्ध स्थापना भएका स्वदेशी तथा विदेशी शहर	संख्या	०	०	०	१	१
सास्कृतिक तथा पर्यटकीय मेला महोत्सव आयोजना (वार्षिक)	संख्या	१७	१८	१९	२०	२१

#### ३.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, प्रस्तावित कार्यक्रमको महत्व र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा पर्यटन तथा संस्कृति उप-क्षेत्रको खर्च र सो श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान तपशिल बमोजिम प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु. हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु. हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	५०५०			०	१८५६	३०३१	१६३	०
२०८३/८४	५३०३			०	१९४९	३१८३	१७१	०
२०८४/८५	५५६६			०	२०४६	३३४२	१८०	०

### ३.४.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

अन्तर सरकार, निजी क्षेत्र तथा नागरिक साभेदारीमा पर्यटन पूर्वाधार विकास, पर्यटन प्रवर्द्धन तथा सेवा सुविधाको विकास र विस्तार हुनेछ। अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाक्षेत्र भित्र रहेका पर्यटकीय गन्तव्यस्थल, पर्यटन विकासमा सहयोग पुऱ्याउने पुरातात्त्विक सम्पदाको संरक्षण, शान्ति सुरक्षा, पर्यटकका लागि न्यूनतम मापदण्डका प्रयाप्त होटल तथा रेस्टुरेन्ट, सबै पर्यटकीय क्षेत्रमा सुविधाजनक सडक यातायातको संजालले जोडिनु, पर्यटन विकासको लागि श्रोत व्यवस्थापन गर्नु र पर्यटकीय सेवा अनि गन्तव्यको विविधिकरण गरेर पर्यटन विकासमा अगाडि बढन लागि समस्या तथा चुनौती रहेको छ।

### ३.५ वन, पार्क हरियाली

#### ३.५.१ पृष्ठभूमि

यस गाउँ पालिकामा सामुदायिक वनहरू रहेकोमा सबैले नै नियमित रूपमा नवीकरण गरिएका छन्। यी सामुदायिक वनहरूमा अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाका ९५ प्रतिशत घरधुरीहरू आवद्ध रहेका छन्। समुदायले नै वनको उचित संरक्षण तथा उपयोग गर्ने गरी नेपाल सरकारको राष्ट्रिय नीति अनुरूप यस्ता वनहरू समुदायलाई हस्तान्तरण गरिएको छ। समुदायमा हस्तान्तरण भएपछि वन संरक्षणमा राम्रो प्रगति भएको तर त्यसबाट लिन सकिने उच्चतम लाभ लिन नसकिएका नागरिकहरूको अनुभव रहेको छ। कतिपय अवस्थामा संरक्षण गर्ने समुदायले आफूलाई चाहिने वन पैदावर प्राप्त गर्न पनि पूर्वस्विकृति लिनुपर्नेमा भने मानिसहरूको गुनासो रहेको छ। त्यस्ता वनबाट सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूले पनि खासै ठूलो आम्दानी गर्न नसकेको हुनाले सामुदायिक वनको आयबाट गाउँपालिकाले प्राप्त गर्ने वन रोयल्टी वापतको रकम पनि हालसम्म प्राप्त हुन नसकेको अवस्था छ। उपभोक्ता समितिका सदस्यहरू भने त्यसबाट प्राप्त गर्न सकिने घाँस दाउराबाट लाभान्वित भएका छन्।

प्राकृतिक रूपमा रहेका जडीबुटी तथा गैरकाष्ठ वन पैदावारको संकलनबाट गरीब, महिला तथा पिछडिएका वर्ग हरू लाभान्वित हुनसक्ने वातावरण निर्माण गरी गरीबी न्यूनीकरण गर्नका लागि यस क्षेत्रको प्राथमिकताका साथ व्यवस्थापन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहेको छ। यस गाउँ पालिका पहाडी भागमा रहेको गाउँ पालिका भएकोले भू-क्षयको समस्या यहाँ व्यापक रूपमा रहेको छ। अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको धेरैजसो भाग पहाडी भिरालो भू-बनोट भएको र अव्यवस्थित तथा अवैज्ञानिक तरिकाले निर्माण गरिएका ग्रामीण सडकहरूको कारण केही क्षेत्रहरू भू- क्षयको उच्च जोखिममा रहेका छन्। प्राकृतिक रूपमा पनि वर्षायाममा खोलाहरूमा आउने बाढीका कारण पनि भू-क्षयको जोखिम बढाएका छन्। गाउँ पालिका क्षेत्रभित्र भू-क्षयको उच्च जोखिम भएका स्थानहरूको पहिचान गरि सम्भावित रोकथामका उपायहरु अवलम्बन गरिएको छ।

#### ३.५.२ समस्या तथा चुनौती

उत्पादनशील वनलाई वैज्ञानिक व्यवस्थापन गरि पूर्ण क्षमतामा उपयोग गर्न नसकिएको, वन तथा हरियाली संरक्षणमा गाउँपालिकाको लगानीको अभाव रहेको, अव्यवस्थित भौतिक संरचनाका कारण वन क्षेत्रको

अतिक्रमण, विनास र क्षयीकरण हुने गरेको यस क्षेत्रका प्रमुख समस्या हुन् । त्यसैगरी, जलाधार क्षेत्रका स्रोतहरूको क्षयीकरण भएको, बढ्दो वातावरणीय प्रदूषण तथा जलवायु परिवर्तनका असरहरूको यथोचित सम्बोधन हुन् नसकेको तथा बढ्दो मानव वन्यजन्तु द्वन्द्व र यसको व्यवस्थापनमा रहेको कठिनाई समेत समस्याका रूपमा रहेका छन् । जडीबुटी खेती, सकलन तथा वैज्ञानिक व्यवस्थापनका विषयमा पर्याप्त अनुसन्धान तथा प्रयोगलाई प्राथमिकता नदिनु, दुर्लभ र उच्च मूल्यका जडीबुटीको निजी क्षेत्रमा खेती गर्ने अभ्यास नहुनु आदि पनि यस क्षेत्रका समस्याहरू हुन् ।

जलाधारक्षेत्रका स्रोतहरूको क्षयीकरण भएको, माटो र पानीको दिगो तथा एकीकृत संरक्षणबाट मात्र कृषि क्षेत्रको उत्पादकत्वमा वृद्धि गर्न सकिने तर भूसंरक्षणको सेवा प्रवाह गर्ने नीतिगत व्यवस्थाको कमी तथा संरचनागत रूपमा कार्यालयको संख्यामा संकुचन हुँदा सेवा प्रवाहमा चुनौती रहेको छ । आवादी जग्गाबाट उत्पादित जडीबुटी तथा गैरकाष्ठ वनपैदावारको व्यावसायीकरण, जडीबुटी प्रशोधन तथा भण्डारणका लागि पूर्वाधार तथा उपयुक्त प्रविधिको प्रयोग गर्नु जडीबुटी विकासका चुनौतीहरू हुन् । पूर्वाधार विकास र पर्यावरणीय प्रणाली विच सन्तुलन कायम गर्नु र गाउँ पालिका भएर बाने ठुला तथा ठाडा नदि र खोलाको कटान नियन्त्रण पनि यस क्षेत्रको एउटा चुनौतीको रूपमा रहेको छ ।

### ३.५.३ सोच

“दिगो, गुणस्तरीय र व्यवस्थित वन; स्वस्थ, उत्पादनशील र सुरक्षित जलाधार तथा पर्यावरण”

### ३.५.४ उद्देश्य

१. वन तथा जैविक विविधताको दिगो व्यवस्थापन तथा सदुयोग मार्फत् स्थानीय स्तरमा आयआर्जनका अवसर वृद्धि गर्नु

२. भूसंरक्षणका दिगो उपायहरू अवलम्बन गरी भूमिको उत्पादन तथा उत्पादकत्व वृद्धिमा टेवा पुऱ्याउनु

### ३.५.५ रणनीति

३. सामुदायिक वन उपभोक्ता समूहहरूको संस्थागत क्षमता विकास गरी गैरकाष्ठ वन पैदावारमा आधारित उद्यम व्यवसाय प्रवर्द्धन गर्ने । वनलाई संरक्षणमुखी व्यवस्थापनबाट दिगो एवम् उत्पादनमुखी व्यवस्थापनमा रूपान्तरण गर्न आवश्यक सहजीकरण गर्ने । वन पैदावारमा आत्मनिर्भरता हासिल गर्ने यसमा आधारित उद्यमशीलता र रोजगारी वृद्धि गर्ने ।

४. वनजड्गलको दिगो व्यवस्थापन तथा जैविक विविधता संरक्षण गर्न वन संरक्षण क्षेत्र निर्धारण गरी वनको संरक्षण तथा उचित व्यवस्थापनको माध्यमबाट हरित नगर अवधारणा अनुसार वनजन्य उद्यमको विकास गरी वन स्रोतलाई आयमूलक बनाउन बनाउने ।

५. जलाशय, नदी नाला, सिमसार क्षेत्र तथा जैविक विविधता संरक्षण गर्न नदी संरक्षण क्षेत्र निर्धारण गरी नदी तथा खोलाको प्राकृतिक बहावलाई यथास्थितिमा राखी नदीजन्य स्रोतको अधिक दोहन नियन्त्रण गर्ने ।

६. वायो इन्जिनियरिङ पद्धतिलाई अवलम्बन गरी सुरक्षित रूपमा बाढी नियन्त्रण गर्ने र सुरक्षित वस्ती व्यवस्थापन गर्ने ।

### ३.५.६ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, प्रस्तावित कार्यक्रमहरूको महत्व र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा यस उपक्षेत्रको खर्च र श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य

२०८२/८३	२००			०	७४	१२०	६	०
२०८३/८४	२१०			०	७७	१२६	७	०
२०८४/८५	२२१			०	८१	१३३	७	०

### ३.५.७ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

संघ तथा प्रदेश सरकारको नीतिगत प्राथमिकता र यस योजनाको नीति बीच तादात्म्यता कायम भै सो अनुसार बजेट विनियोजन र कार्यान्वयन भएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुने अनुमान गरिएको छ। जलवायु परिवर्तनको असर, आर्थिक मन्दी लगायतका समस्या, अन्य विपद जोखिममा वृद्धि, श्रोतको अनियन्त्रित दोहन र उत्खनन् तथा अव्यवस्थित निर्माण जस्ता जोखिम कायम कायम हुँदै गएमा अपेक्षित नतिजा हासिल नहुन पनि सक्दछ।

## परिच्छेद ४ : सामाजिक विकास क्षेत्र

यस परिच्छेद अन्तर्गत शिक्षा, स्वास्थ्य, खानेपानी तथा सरसफाई, महिला, बालबालिका र सामाजिक समावेशीकरण, युवा तथा खेलकुद जस्ता उप-क्षेत्रहरूको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चुनौती, लक्ष्य, रणनीति, नतिजा खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा स्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरू समावेश गरिएको छ।

### ४.१ शिक्षा, कला भाषा तथा साहित्य

#### ४.१.१ पृष्ठभूमि

संविधान अनुसार शिक्षा एक आधारभूत मौलिक अधिकार हो। प्रारम्भिक अवस्था देखिनै सिकाईका अवसरहरू मार्फत विद्यालय शिक्षाका लागि सफलताको जग बसाल्ने देखि माध्यमिक शिक्षासम्म बालबालिकाका लागि शिक्षाको अधिकार सुनिश्चित गर्ने स्थानीय तहलाई नेपालको संविधानले जिम्मेवारी दिएको हुनाले त्यो जिम्मेवारी ईमान्दारिताका साथ पुरा गर्न गाउँपालिका प्रतिवद्व रहेको देखिन्छ।

यस गाउँपालिकाले शिक्षालाई वैज्ञानिक, प्राविधिक, व्यावसायिक, सीपमूलक, रोजगारमूलक एवं जनमुखी वनाउन सक्षम, प्रतिस्पर्धी नैतिक एवं राष्ट्रिहित प्रति समर्पित जनशक्ति तयार गर्ने नीति लिएको छ। अपेक्षित रूपमा गुणस्तरीय शिक्षाको व्यवस्था गर्न नसकेता पनि अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाले शिक्षाको क्षेत्रमा सुधार गरी क्षमतावान नागरिक उत्पादन गर्ने प्रयास गरिरहेको देखिन्छ। हाल यस गाउँपालिकामा प्राविधिक शिक्षा, पूर्व प्राथमिक तहदेखि प्लस २ तह सम्मको शिक्षण सेवा दिने कार्य भएको छ। यस गाउँपालिका भित्र संस्थागत विद्यालय (१-१०) ० वटा, सामुदायिक मा.वि. १० वटा, आधारभूत विद्यालय २४ वटा गरी ३४ वटा विद्यालय रहेका छन्। विद्यालयहरूमा अध्यापन गर्ने शिक्षकहरूको संख्या २५७ जना छन्। यस गाउँपालिकाको विममा पशु तथा कृषि प्राविधिक विद्यालय संचालन भएको छ। सामाजिक साँस्कृतिक विविधता कायम राख्दै ऐतिहासिक, पुरातात्विक तथा साँस्कृतिक सम्पदाको संरक्षण, प्रवर्द्धन र विकास गर्ने दिशामा गाउँपालिकाको महत्वपूर्ण जिम्मेवारी रहेको हुन्छ।

#### ४.१.२ समस्या तथा चुनौती

सामुदायिक शैक्षिक संस्थाको व्यवस्थापन समितिमा योग्य तथा शिक्षाको विकाससंग सम्बन्धित अनुभवी व्यक्तिको कमी तथा विद्यालय प्रशासनमा सुशासन भल्किन नसक्नुको कारण विद्यालयमा गरिएको लगानीले शैक्षिक गुणस्तरमा उल्लेखनीय सुधार हुन सकेको छैन। विद्यार्थी संख्याको अनुपातमा माध्यमिक तहमा शिक्षकको दरबनदी वितरण अपुग भएको, प्राथमिक तहको दरवन्दीले शिक्षण सिकाईमा निर्वाह गर्नु परेको छ। यसले गर्दा गुणस्तर शिक्षा सुनिश्चित गर्न, गराउन कठीन भएको देखिन्छ। विद्यालयको लागि चाहिने भौतिक पूर्वाधार तथा फर्निचरको कमीले गर्दा विद्यार्थी तथा शिक्षकहरूको लागि पठनपाठन क्रियाकलाप संचालन गर्ने वातावरण बन्न सकेको अवस्था छैन। प्रारम्भिक बालविकास केन्द्रमा शैक्षिक सामाग्रीको अभावले गर्दा प्रभावकारी शिक्षण तथा सिकाई कार्यक्रम संचालन हुन सकेको छैन। आवश्यक पर्ने साधन स्रोतको कमी, आधुनिक प्रविधि तथा इन्टरनेट सुविधा आदिको पहुँचमा कमी छ। अनुसन्धान तथा खोजमूलक सिकाई प्रणालीको न्यूनता यस क्षेत्रका प्रमुख समस्या तथा चुनौती रहेका छन्। स्थानीय बजारको माग अनुरूपका जनशक्ति उत्पादन गर्न र निम्न आय भएका समुदायका लागि सर्वसुलभ लागतमा प्राविधिक शिक्षामा पहुँच स्थापित हुन सकेको छैन। परम्परागत रूपमा स्थानीय भाषा, कला, तथा सम्पदाका हिसाबले धनी भए पनि तिनको उचित संरक्षण, सम्बर्द्धन हुन सकेको छैन। जीवन उपयोगी एवं गुणस्तरीय शिक्षामा विपन्न, दलित, सीमान्तकृत र पिछडिएका समुदायहरूको पहुँच न्यून रहेको छ। सामुदायिक विद्यालयमा शिक्षक कर्मचारीहरूको

व्यावसायिकता, विद्यार्थीहरुको शिक्षण सिकाइ प्रति अभिभावक तथा समुदायको उदासिनता यस क्षेत्रको समस्या र चुनौती रहेको देखिन्छ ।

**४.१.३ सोच “योग्य, क्षमतावान नागरिक उत्पादनका लागि गुणस्तर तथा सीपयुक्त शिक्षामा सबैको पहुँच”**

#### **४.१.४ उद्देश्य**

१. बालबालिकाको सर्वाङ्गीण विकासमा केन्द्रित प्रारम्भिक बालविकास तथा शिक्षालाई गुणस्तरीय र प्रभावकारी बनाउने
२. आधारभूत शिक्षामा सबै बालबालिकाको सहज पहुँच र निरन्तरता सुनिश्चित गर्दै सर्वव्यापी, जीवनोपयोगी, प्रतिस्पर्धी एवं गुणस्तरयुक्त तथा निःशुल्क शिक्षाको व्यवस्था गर्ने
३. माध्यमिक शिक्षा गुणस्तरीय, निःशुल्क तथा सबैको सहज पहुँच सुनिश्चित गर्दै श्रृजनशिल, अध्ययनशिल, सकारात्मक सोच सहितको प्रतिस्पर्धी एवं देशलाई आवश्यक पर्ने क्षमतावान जनशक्ति तयार गर्ने
४. अनौपचारिक, वैकल्पिक र खुला शिक्षाको माध्यमबाट आजीवन सिकाई संस्कृतिको विकास गर्ने ।

#### **४.१.५ रणनीति**

१. गाउँपालिका, समुदाय र अभिभावकको संयुक्त प्रयासमा बालबालिकाहरूको सर्वाङ्गीण विकास तथा विद्यालय शिक्षाको पूर्वतयारीका लागि उपयुक्त बालमैत्री वातावरण तयार गरी प्रारम्भिक बालविकासको अवसर प्रदान गर्ने ।
२. निःशुल्क तथा अनिवार्य आधारभूत शिक्षाको प्रत्याभूति दिलाउन सबै बालबालिकालाई विद्यालयमा भर्ना गर्ने, गराउने तथा भर्ना भएका सबै बालबालिकालाई विद्यालयमा टिकाई राख्न गुणस्तर शिक्षा अभिवृद्धिका लागि नवीनतम उपायहरू अवलम्बन गर्ने ।
३. प्राविधिक तथा व्यावसायिक शिक्षा अनि तालिमको क्षेत्रमा विभिन्न सरोकारवालाहरूको सहकार्य र साभेदारीमा दिगो रूपमा लगानी सुनिश्चितता गर्ने ।
४. सुचना, सञ्चार तथा आधुनिक प्रविधिलाई शिक्षण सिकाई क्रियाकलापको अभिन्न अङ्गका रूपमा प्रयोग गर्दै शिक्षालाई व्यावहारिक तथा नितिजामूलक बनाउन प्रयत्न गर्ने ।
५. विद्यालयहरूलाई Digitalized गरी एकीकृत शैक्षिक सूचना व्यवस्थापन प्रणाली (IEMIS)को प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन गरी शैक्षिक संस्थालाई व्यवस्थित गर्ने ।
६. अभिभावकहरूको अपनत्वमा वृद्धि, शिक्षकहरूको व्यावसायिक लगानशिलता र जनप्रतिनिधिको साथ र सहयोगमा शिक्षण सिकाइ प्रक्रियामा सुधार, शिक्षकको पेशागत नैतिकताको प्रवर्द्धन, गुणस्तर शिक्षाको लागि लगानी अभिवृद्धि गर्ने, गराउने ।
७. विपन्न ( दलित, अन्य) तथा असहाय बालबालिकाका लागि “विद्यालय शिक्षा सुनिश्चितता छात्रवृत्ति कोष” स्थापना गरी कार्यान्वयनमा ल्याउने,
८. सबै संस्थागत विद्यालयहरूमा आवश्यक पूर्वाधार तथा शैक्षिक सामग्री एवम अन्य वातावरण सुधार गरी समग्र पठन-पाठनको वातावरणमा सुधार गर्ने,
९. विद्यार्थीको उपलब्धीलाई शिक्षकको कार्यसम्पादनसँग जोड्ने पद्धतिको विकास गर्ने ।

#### **४.१.६ नितिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य**

आवधिक योजनाका अपेक्षित नितिजा र प्रस्तावित कार्यक्रमहरूको आगामी तीन आर्थिक वर्षको लक्ष्य का आधारमा तयार यस उपक्षेत्रको नितिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य निम्नानुसार रहेको छ ।

सूचक	एकाई	गत आ.व.सम्मको वास्तविक उपलब्धि	चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/ ८३	२०८३/ ८४	२०८४/ ८५
आधारभूत तहको खुद भर्ना दर	प्रतिशत		९६.४	९७	९८	९९
माध्यमिक तहमा खुद भर्नादर (९ देखि १२)	प्रतिशत		६१.५	६३	६५	६७
आधारभूत तहमा विद्यालय जाने उमेरका विद्यालय बाहिर रहेका बालबालिका	प्रतिशत	२.७	२.५	२.३	२.१	२
३० वर्ष माथिको साक्षरता दर	प्रतिशत					
सिकाई उपलब्धि दर	जिपिए	NA				
पक्की भवन भएका विद्यालय	संख्या					
कम्प्युटर प्रयोगशाला भएका विद्यालय	संख्या	१३	१४	१७	१८	१९
गणित प्रयोगशाला भएका विद्यालय	संख्या	१	१	२	३	४

#### ४.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रमहरूको संक्षिप्त विवरण र विषयक्षेत्रको महत्वका आधारमा  
शिक्षा कला भाषा तथा साहित्य उपक्षेत्रको खर्च र स्रोतको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको  
छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	१९९७२८			०	७३४००	११९८७७	६४५१	०
२०८३/८४	२०९७१४			०	७७०७०	१२५८७०	६७७४	०
२०८४/८५	२२०२००			०	८०९२४	१३२९६४	७११२	०

#### ४.१.८ जोखिम तथा अनुमान

संघीय शिक्षा ऐन तथा नियमावली समयानुकूल जारी तथा परिमार्जन भएको हुनेछ । शैक्षिक क्षेत्रमा नविनतम विधि तथा प्रविधिको उपयोग भएको हुनेछ । शैक्षिक क्षेत्रमा प्रर्याप्त पूर्वाधार विकास, आवश्यक जनशक्ति व्यवस्था, क्षमता विकासका अवसर, नवीनतम प्रविधिको प्रयोग, अन्तर सरकार सहयोग, समन्वय र सह-अस्थित्वको विकासमा ध्यान दिन सकेमा मात्र अपेक्षित नतिजा हाँसिल हुने देखिन्छ ।

## ४.२ स्वास्थ्य तथा पोषण

### ४.२.१ पृष्ठभूमि

नेपालको सविधानले प्रत्येक नागरिकलाई राज्यबाट आधारभूत स्वास्थ्यसेवा निःशुल्क प्राप्त गर्ने हक प्रदान गरेको छ। ८ स्वास्थ्य चौकी, ४ वटा सामुदायिक स्वास्थ्य इकाई, १ नागरिक आरोग्य केन्द्र छन्। कुल २० खोप क्लिनिक र ११ गाउँघर क्लिनिक मार्फत स्वास्थ्यकर्मीहरू, कर्मचारीहरूले सेवा प्रदान गर्दै आएका छन्। गाउँ वासीहरू अधिकतम एक घण्टामा स्वास्थ्य संस्थासम्म पुग्न सक्ने अवस्थामा छन्। त्यसमा पनि स्वास्थ्य संस्थामा पुग्न बढिमा ५० मिनेट हिँड्नुपर्ने जनसंख्या २५ प्रतिशतभन्दा कम रहेको छ भने खोप क्लिनिकमा पुग्न ३० मिनेटभन्दा बढि हिँड्नु पर्ने अवस्था छैन।

### ४.२.२ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकामा ५ वटा स्वास्थ्य संस्थाहरू रहेका छन् तर पर्याप्त सझ्यामा स्वास्थ्यकर्मी, स्वास्थ्य उपकरण, औषधीको उपलब्धता नहुँदा सेवा लिने र दिने दुवै पक्षलाई कठिनाइहरू रहेका छन्। आवश्यकताअनुसार भौतिक पूर्वाधार रहेको छैन। सेवा प्रवाह विरामीमैत्री हुन सकेको छैन। निजी क्षेत्रको उपचार महङ्गो भएकाले सर्वसाधारण सबैले धान्न सक्ने खालको छैन। यस गाउँपालिकामा आपत्कालीन प्रसूति सेवाको कमीका कारण हुने मुत्यु नै मातृमृत्युदरको प्रमुख कारणका रूपमा रहेको छ। एकातर्फ दरवर्दी/आवश्यकताभन्दा कम जनशक्ति भएकाले जनशक्ति व्यवस्थापन पनि कठिन भएको छ भने अर्कातर्फ विशेषज्ञ चिकित्सकहरूको कमी रहेको छ। नेपाल सरकारको स्वास्थ्य विमा अन्तर्गतका सेवा प्रभावकारी रूपमा प्रदान गर्ने जिम्मेवारीसमेत स्थानीय तहलाई नै आएको छ तर यसलाई प्रभावकारी बनाउन गाउँपालिकाको मात्र प्रयासबाट सम्भव छैन। जनसाइरियक चाप बढ्दै जाँदा स्वास्थ्य संस्थाहरूको सेवा प्रवाहमा दबाव बढ्दै गएको छ।

### ४.२.३ सोच

“सबैका लागि गुणस्तरीय र सर्वसुलभ आधारभूत स्वास्थ्य सेवा”

### ४.२.४ उद्देश्य

१. स्वास्थ्य संस्थाहरूको क्षमता वृद्धि गर्नु,
२. आम नागरिकहरूमा स्वास्थ्य तथा पोषण सम्बन्धि सचेतना अभिवृद्धि गर्नु,
३. विपद, आपत्कालीन तथा महामारीको व्यवस्थापन गर्न सक्ने गरि जनस्वास्थ्य सेवाको विस्तार गर्नु
४. प्रवर्द्धनात्मक, प्रतिकारात्मक, उपचारात्मक कार्यक्रम सञ्चालन गरी पालिकावासीको रोगप्रतिरोधी क्षमता वृद्धि गर्नु
५. खोप, पोषण, सुरक्षित मातृत्व तथा परिवार योजना सेवाको प्रभावकारी सञ्चालन गरी नागरिकको स्वास्थ्य प्रवर्द्धन गर्नु

### ४.२.५ रणनीति

१. स्वास्थ्य केन्द्रहरूमा गुणस्तरीय आधारभूत स्वास्थ्य सेवा मार्फत समुदायस्तरसम्म गुणस्तरीय आधारभूत स्वास्थ्य सेवा विस्तार गर्ने।
२. सम्पूर्ण स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट निःशुल्क रूपमा प्रदान गरिए आएको आधारभूत स्वास्थ्य सेवा प्रवाहलाई चुस्त, दुरुस्त भरपर्दो बनाउने। सबै बडाहरूमा निःशुल्क आधारभूत स्वास्थ्य सेवा र तोकिएका संस्थाहरूबाट आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा प्रवाहको सुनिश्चितता गर्ने।

३. तालिमप्राप्त जनशक्तिद्वारा २४ सै घण्टा सुत्केरी सेवा प्रदान गर्ने तथा जेष्ठ नागरिक तथा गर्भवती सुत्केरीहरूलाई निःशुल्क एम्बुलेन्स सेवा प्रदान गर्ने । घरमा हुने प्रसूति सेवालाई निरुत्साहित गर्न भौतिक संरचना भएका र वर्धिड सेन्टरको मापदण्ड पुगेका आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्रमा दक्ष प्रसूतिकर्मी, आवश्यक सामग्रीको व्यवस्थापन गर्ने ।
४. निरन्तर अनुगमन सुपरिवेक्षण तथा प्रोत्सान गरी गाउँपालिका अन्तर्गत सञ्चालित, स्वास्थ्य चौकी, आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्रको सेवालाई गुणस्तरीय बनाउने
५. प्रकृतिमैत्री स्वच्छ जीवन प्रणाली प्रवर्द्धन गरी पालिकावासीको रोग प्रतिरोधी क्षमता वृद्धि गर्ने ।
६. नसर्ने रोगको रोकथाम र न्यूनीकरण गर्न वडा स्तरका आधारभूत स्वास्थ्य संस्थाबाट ४० वर्षमाथिका नागरिकको अधिक तौल, कुपोषण, महिलाको पाठेघरको रोग, दमरोग, मृगौलारोग क्यान्सर रोग, मधुमेह रोग, सिकलसेल एनिमिया, उच्चरक्तचाप जस्ता रोगको नियमित जाँच गर्ने र बडी मास इन्डेक्स जाँच तथा परामर्शको व्यवस्था मिलाउने ।
७. गाउँपालिकाभित्रका निजी स्तरमा सञ्चालित स्वास्थ्य सेवा गुणस्तरीय बनाउन नियमित अनुगमन-मूल्याङ्कन तथा प्रोत्साहन गर्ने
८. राष्ट्रिय स्वास्थ्य नीति तथा कार्यक्रम अनुसार बाल तथा मातृमृत्युदर घटाउनका लागि सुरक्षित मातृत्व, बाल स्वास्थ्य, पोषण, स्वास्थ्य कार्यक्रम, परिवार नियोजन, खोप कार्यक्रम, सरुवा रोग तथा संक्रामक रोगसँग सम्बन्धित विभिन्न प्रतिकारात्मक, प्रवर्द्धनात्मक कार्यक्रमलाई प्रभावकारी रूपले सञ्चालन गर्ने ।
९. मदिरा तथा सूर्तिजन्य पदार्थको प्रयोगलाई निरुत्साहित गर्न, उपलब्धतालाई नियन्त्रण, विक्री वितरणलाई उचित स्थान र समयलाई व्यवस्थित गर्न अनुगमन तथा नियमन गर्ने व्यवस्था गर्ने । सरुवा रोग जस्तै क्षयरोग, कुष्ठरोग, मलेरिया, डेझु, एचआईभी एड्स तथा यैनरोग नियन्त्रण सम्बन्धित कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने र डेझु तथा मलेरिया रोग निवारणका कार्यहरू गर्ने ।

#### ४.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार जनस्वास्थ्य तथा पोषण उपक्षेत्रको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

सूचक	एकाई	गत आ.व. सम्मको वास्तविक उपलब्ध	चालु आ.व. सम्मको अनुमानित उपलब्ध	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				०८२/८३	०८३/८४	२०८४/८५
५ वर्ष मुनीका बालबालिकामा भाडापछला संक्रमण दर (प्रति हजार)	जना	८४	८२	८०	७८	७६
भिटामिन ए र जुकाको औषधी खाएका बालबालिका	जना		१२७५	१३००	१३२५	१३५०
परिवार नियोजनका साधन प्रयोग गर्ने प्रजनन उमेर (१५ देखि ४९ वर्ष उमेर)का महिला	प्रतिशत	२५	२७	२९	३१	३३
मापदण्डअनुसार चार पटक गर्भवती जाँच सेवा प्राप्त गर्ने र दक्ष प्रसुतिकर्मीको सहयोगमा सुत्केरी हुने महिला (जीवित जनमा)	प्रतिशत	३२	३४	३६	३८	४०
सबै प्रकारका खोपको पूर्ण मात्र प्राप्त गर्ने बालबालिका	प्रतिशत	९९	९९	१००	१००	१००

सूचक	एकाई	गत	चालु	मध्यमकालीन लक्ष्य		
		आ.व.सम्मको वास्तविक उपलब्धि	आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि	०८२/८३	०८३/८४	२०८४/८५
स्वास्थ्य बिमामा सहभागी घरपरिवार	प्रतिशत	३८.५	४०	४२	४४	४६
सरकारी मापदण्ड अनुरूपको आफ्नै भवन भएका स्वास्थ्य चौकी	संख्या		५	५	५	५
आफ्नै (गाउँ) अस्पताल	संख्या					१

#### ४.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, प्रस्तावित कार्यक्रमहरूको उद्देश्य र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा स्वास्थ्य तथा पोषण उप-क्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको स्रोत			
	कुल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	५४३४५			०	१९९७२	३२६९८	१७५५	०
२०८३/८४	५७०६२			०	२०९७०	३४२४९	१८४३	०
२०८४/८५	५९९१५			०	२२०१९	३५९६१	१९३५	०

#### ४.२.८ जोखिमपक्ष तथा अनुमान

प्रस्तावित कार्यक्रमहरूको लागि गाउँपालिकाको आन्तरिक स्रोतले नपुग्ने र संघ तथा प्रदेश सरकारबाट विनियोजित बजेटमा निर्भर हुनुपर्ने बाध्यता रहेकोले अन्तर सरकार र सरोकारबाला बीच समन्वय हुन नसकेमा अपेक्षित नतिजा हासिल नहुन सक्छ । स्वास्थ्य पूर्वाधार, प्रयोगशाला, औषधि र खोप व्यवस्थापनमा अन्तर निकाय तथा सरोकारबालाको अर्थपूर्ण सहकार्य र साझेदारी हुन नसकेमा गाउँबासीको सामाजिक तथा आर्थिक अवस्थामा प्रतिकुल असर पार्न सक्ने जोखिम रहेको छ ।

#### ४.३ खानेपानी तथा सरसफाई

##### ४.३.१ पृष्ठभूमि

गाउँपालिका क्षेत्रमा खानेपानी तथा सरसफाई सम्बन्धि सेवा प्रवाहको लागि धेरै प्रयास भएको देखिन्छ । खानेपानी र सरसफाइको क्षेत्रमा यस गाउँपालिकामा पछिल्ला वर्षमा उल्लेखनिय सुधार भएको छ । गाउँपालिकालाई खुला दिसामुक्त क्षेत्रका रूपमा घोषणा गरी त्यस पछिका कार्यक्रमहरु संचलन हुँदै आएको छ । एक घर एक खानेपानी धारा कार्यक्रम सञ्चालन भए अनुसार १० प्रतिशत घरधुरीको पर्खाल भित्र खानेपानी धाराको सुविधा रहेको छ । कूल घरधुरी मध्ये ९१% घरधुरीमा आधारभूत खानेपानी सुविधा छ । सार्वजनिक शौचालय गाउँपालिका क्षेत्रमा ४ बटा रहेका छन् । यी शौचालयबाट स्थानीय नागरिकले सुविधा प्राप्त गरेको अवस्था छ । करिब सबै घरधुरीहरूमा आधारभूत रूपमा शौचालय रहेको अवस्था छ । गाउँपालिका तथा वडातहमा खानेपानी तथा सरसफाई समिति गठन भै क्रियाशिल रहेका छन् । खानेपानी र सरसफाइको क्षेत्रमा

गैरसरकारी क्षेत्रको सहयोग रहेको देखिन्छ । हालको अवस्था हेर्दा स्वच्छ खानेपानी र सरसफाई सम्बन्ध चेतनामा क्रमशः वृद्धि हुँदै गएको छ ।

अन्तर्पूर्ण गाउँपालिका क्षेत्रको फोहोरमैला व्यवस्थापन गर्नको लागि व्यवस्थित ल्याण्डफिल साईट र फोहोर प्रशोधन केन्द्रको अभाव रहेको छ । ग्रामीण क्षेत्रमा फोहर व्यवस्थापनको खासै समस्या छैन तर नक्तिहिने प्लाष्टिक, सिसाका बोतलजन्य फोहोरबाट भने वातावरण र खेतीबालीमा असर गर्ने गरेको छ ।

#### ४.३.२ समस्या तथा चुनौती

खानेपानी तथा सरसफाईको क्षेत्रमा चेतना वृद्धि तथा अग्रसरताका बावजुद स्वच्छ पानीको उपलब्धता र सरसफाईको क्षेत्र व्यवस्थित हुन सकेको देखिदैन । हरेक पानीका मुहान दर्ता तथा नवीकरण गर्ने कार्यले गति लिन सकेको अवस्था छैन । स्वच्छ खानेपानी तथा सुरक्षा योजना वनन नसक्नाले खानेपानी तथा सरसफाई कार्यक्रम प्रभावकारी वनन सकेको छैन । भवन, आवास, तथा बजार विस्तार हुँदै गइरहेको कारण फोहोरमैला व्यवस्थापन र प्रशोधन गर्न सकिएको छैन । सार्वजनिक स्थलमा सार्वजनिक शौचालयको व्यवस्था हुन सकेको छैन । ४ वटा सार्वजनिक शौचालय भएको तथ्यांक छ, तर त्यो प्रयोगित संख्या हैन । जलवायु परिवर्तनका कारण पानीका मुहानहरू सुकेका छन, बिग्रे भत्केका छन् । निर्माण कार्य गर्दा पाईप लाईन क्षति हुनु, केहि पाईप लाईन २०/२५ वर्ष पुराना हुनु, पानीका मुहान सुक्दै जानु, पानीको मुहान टाढा हुनु, भिरालो जमिन र छारिएको वस्तीहरूमा खानेपानीको पहुँचमा सर्व सुलभ गराउनु मुख्य चुनौती वननु पुरेको छ ।

#### ४.३.३ सोच

“गाउँपालिकाबासीका लागि स्वच्छ खानेपानी तथा पूर्ण सरसफाई”

#### ४.३.४ उद्देश्य

१. सर्वसुलभ रूपमा स्वच्छ र गुणस्तरयुक्त खानेपानी सुविधा र सरसफाईको व्यवस्था गर्ने

#### ४.३.५ रणनीतिहरू

- खानेपानीको समस्या देखिएका वडा/क्षेत्रहरूका लागि सँघ तथा प्रदेश सरकारसँग समन्वय गरी खानेपानीका विशेष आयोजनाहरू सञ्चालन गर्ने
- स्वच्छ खानेपानीका लागि एक घर एक धारा सुनिश्चित गर्नुका साथै सार्वजनिक स्थलहरूमा समेत सर्वसुलभ खानेपानीको व्यवस्था गर्ने ।
- ग्रामीण वडाहरूमा खानेपानीको स्रोत तथा मुलहरूको पहिचान गरी संरक्षण र व्यवस्थापन गर्ने ।
- गरिबीको रेखामुनी रहेका र अस्थायी शौचालय प्रयोग गरेका घरपरिवारका लागि पक्की शौचालय निर्माण गर्ने र सार्वजनिक स्थानहरूमा शौचालयको प्रवन्धका लागि विशेष व्यवस्था गर्ने ।
- एकीकृत ढल निकास प्रणाली निर्माणका लागि अन्य सरोकारवाला निकायहरूसँग समन्वयमा काम गर्ने ।

#### ४.३.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

सूचक	एकाई	गत आ.व.सम्मको	चालु आ.व.सम्मको	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५

		वास्तविक उपलब्धि	अनुमानित उपलब्धि			
आधारभूत खानेपानी सुविधा उपलब्धि घरपरिवार	प्रतिशत	९०	९१	९२	९३	९४
शौचालय भएका परिपरिवार	प्रतिशत	९८	९९	१००	१००	१००
एक घर एक धारा भएका घरपरिवार	प्रतिशत	९	१०	१२	१४	१६
सार्वजनिक शौचालय	संख्या	४	४	४	४	५
ढलको लम्बाई ( ह्यूमपाइप)	मिटर	०	१००	२००	३००	४००
पक्की स्ल्याबले ढाकेको ढल	मिटर	२०००	२२००	२४००	२६००	२८००
सेनिटरी त्याण्डफिल साइट	संख्या	०	०	०	०	१

४.३.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनमान

उपलब्ध भएको बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, प्रस्तावित कार्यक्रमहरुको उद्देश्य र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा खानेपानी सरसफाई उपक्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानसार प्रस्तृत गरिएको छ

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको स्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत र राजस्व बाड़फाड़	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	५६३०			०	२०६९	३३७९	१८२	०
२०८३/८४	५९१२			०	२१७३	३५४८	१९१	०
२०८४/८५	६२०७			०	२२८१	३७२५	२००	०

#### ४.३.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

यस खर्च संरचनामा प्रस्ताव गरे अनुसार नेपाल सरकारबाट बजेट सुनिश्चितता भै आयोजना संचालन, मर्मत सम्भार र स्तरोन्तरी भएमा अपेक्षित उपलब्धि हासिल हुने अनुमान छ। यद्यपी, वर्षेनी आउने बाढीपहिरो र जलवायु परिवर्तनबाट खानेपानीको श्रोतमा पर्ने नकारात्मक प्रभाव र विकास आयोजना निर्माणमा अन्तर निकाय समन्वय हुन नसके ढल तथा फोहारमैलाको उचित व्यवस्थापनमा व्यहोर्नुपर्ने विभिन्न चुनौती भने यथावत नै रहेका छन्।

## ४.४ महिला, बालबालिका, समाज कल्याण तथा लैगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण

### ४.४.१ पृष्ठभूमि

महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्गको समग्र उत्थान र विकासका लागि तीनै तहका सरकार र हाल गाउँपालिका महिला विकास शाखाले वार्षिक रूपमा विभिन्न कार्यहरू गर्दै आएको छ। महिलाहरू आर्थिक, सामाजिक दृष्टिकोणले सङ्गठित हुने प्रयास गर्दै आएका छन्। आमा समूह, दलित सम्बन्ध संघ संस्थाहरू, बाल क्लब, टोल विकास संस्था, राजनीतिक दलहरू जस्ता विभिन्न सामाजिक संरचनामा संगठित हुदै आएका छन्। यहाँ उपर्युक्त प्रयासहरूका बाबजुद, विकासका समग्र आयाममा महिलाहरू आधी हिस्सा हुन निकै धेरै काम गर्नुपर्ने अवस्था छ।

बालबालिकाका लागि शिक्षा, स्वास्थ्य, संरक्षणका लागि विभिन्न कार्यहरू हुदै आएका छन् तर सबै बालबालिकाको समग्र व्यक्तित्व विकासका लागि पर्याप्त कार्यहरू हुन सकेका छैनन्। महिला सशक्तीकरणको विकासक्रमसंगै महिलाहरू कृषि पेशाको अतिरिक्त, उच्चम व्यावसायमा, सहकारी संस्थामा, समुहमा, गैरसरकारी संस्थामा, शिक्षक पेशामा, राजनीतिमा र धार्मिक संस्थामा समेत संलग्न रही समाजको सेवा गरेको अवस्था रहेको छ।

आर्थिक विपन्नता तथा सामाजिक विभेदका कारण गरिब घरपरिवारमा बालबालिकाहरू रोजगारीका लागि शहरी क्षेत्रतिर जाने गरेको देखिन्छ। अझै पनि समाजमा जातभात र छुवाछुत जस्ता सामाजिक कुरितीहरूको असर कायमै रहेको छ। समुदाय र विद्यालयमा बालक्लबहरूको संख्यामा वृद्धि गरी विगतका वर्षहरूको तुलनामा क्षमता विकासका कार्यक्रहरू संचालन गर्नु पर्ने आवश्यकता छ। त्यस्ता क्लबहरूमा पनि बालकको तुलनामा बालिकाको संख्या थोरै देखिन्छ, बढाउनको लागि उत्प्रेरणा जगाउनु पर्दछ।

### ४.४.२ समस्या तथा चुनौती

पछिल्ला वर्षहरूमा छोरा छोरीबीचको भेदभाव कम हुदै गएतापनि छोरी र बुहारी बीचको विभेद कायमै रहेको, लैङ्गिक हिंसाका घटनामा कमी नआएको, श्रमिकहरूको ज्यालामा लैङ्गिक विभेद कायम रहेको, महिला मानसिक हिंसाबाट पिडित हुने गरेको जस्ता समस्या अझै रहेका छन्। जेष्ठ नागरिकहरू मध्ये आर्थिक अभावका कारण महिलाहरू समस्यामा पर्ने गरेको, प्रविधिको अधिक प्रयोगले बालबालिकाहरूमा एकोहरोपना देखिएको र सामाजिकीरणको क्षेत्रमा अपेक्षित रूपमा विकास हुन नसकेको अवस्था छ। त्यसैगरी बाल अधिकार र कर्तव्य बीच असन्तुलन देखिएको, शिशु स्याहार केन्द्र नभएको कारण कामकाजी अभिभावक भएका बालबालिहरूको उचित व्यवस्थापन नभएको, गठन भएका बाल क्लबहरू सक्रीय हुन नसकेको जेष्ठ नागरिकहरूका रहेको ज्ञान सिप नयाँ पुस्तामा हस्तान्तरण हुन नसकेको, समाजमा जेष्ठ नागरिकहरूलाई उचित सम्मान दिन नसक्नु पनि चुनौती वन्दै गएको छ। अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूले उचित सम्मान पाउन नसकेको, उनीहरूको शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगारीका अवसरमा पहुँच नभएको, शिक्षा तथा स्वास्थ्यका संरचना अपाङ्गमैत्री नभएको, परम्परागत पेशामा दलित युवाको आकर्षण कम भएको, दलित बालबालिकाहरूमा बिचैमा विद्यालय छोड्ने र कुपोषणको संख्या अधिक रहेको जस्ता समस्याहरू रहेका छन्। महिलाहरूमा स्तन क्यान्सर, पाठेघरको क्यान्सरजस्ता विशेष स्वास्थ्य समस्याहरू रहेका छन्।

लक्षित वर्ग सशक्तीकरण र क्षमता विकास कार्यक्रम प्रभावकारी हुन नसक्दा उनीहरूको अवस्थामा आसा तित सुधार हुन सकेको छैन। लक्षित वर्गमा आत्मविश्वासको कमी रहेको छ। सामाजिक सुरक्षा वृत्ति वितरणमा समस्या र गुनासो कायमै रहेको छ।

लक्षित वर्गका लागि तर्जुमा गरिएका कार्यक्रमहरूबाट अपेक्षित प्रतिफल प्राप्त हुन भने सकेको छैन । लक्षित वर्गमा स्वरोजगारीका अवसर तथा आत्मनिर्भरतामा कमी रहेको छ । पिछडिएको वर्गमा कानून तथा अधिकार सम्बन्धमा जानकारीको कमी रहेको छ । आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक क्षेत्रमा लक्षित वर्गको अर्थपूर्ण सहभागितामा कमी छ, भने प्रभावशाली उपस्थिति रहेको छैन ।

#### ४.४.३ सोच

“लैङ्गिक समानता, सामाजिक समावेशीकरण र सम न्यायिक सम्बन्ध समाजको निर्माण”

#### ४.४.४ उद्देश्य

१. महिला, बालबालिका, दलित, अपाङ्गता भएका, ज्येष्ठ नागरिक एवम् अन्य सीमान्तीकृत समुदायका लागि जीवनोपयोगी सीप र आय आर्जनका आधार/अवसरहरू उपलब्ध गराउने
२. विभेद, हिंसा तथा कुप्रथा अन्त्य गरी आत्मसम्मान र न्यायपूर्ण समाज सिर्जना गर्ने
३. सबै प्रकारका भौतिक पूर्वाधार संरचनाहरू तथा नीतिगत संरचनाहरूलाई महिला, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक एवम् अपाङ्गतामैत्री बनाउने

#### ४.४.५ रणनीति

- १ अपाङ्ग, महिला, दलित, जनजाती लगायत विपन्न वर्गलाई उच्चम व्यवसायमा आकर्षित गर्ने । महिला, अपाङ्गता भएका, दलित, लोपोन्मुख, आदिवासीहरूका लागि गुणस्तरीय, व्यावसायिक सीपमूलक र जीवनपयोगी तालिमको सुनिश्चितता गर्ने ।
- २ जेष्ठ नागरिक/अपाङ्ग/गरिब/असहाय/विपन्न/आर्थिक अवस्था कमजोर भएका समुदायलाई पालिकाले प्रदान गर्ने सेवा सुविधामा समतामूलक नीति अवलम्बन गर्ने
- ३ लक्षित वर्गको आर्थिक अवस्थामा सुधार गर्न सशक्तीकरणका कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने
- ४ गर्भवती तथा सुत्केरी महिलाहरूको पोषणमा सुधार गर्न विशेष कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने
- ५ आर्थिक अवस्था कमजोर भएका दलित, एकल महिला, जनजाति र राज्यले तोकेका अन्य विपन्न वर्गहरूलाई आय-आर्जन गरी आत्मनिर्भर हुन आवश्यक सहयोग गर्ने
- ६ अब निर्माण हुने सबै प्रकारका सार्वजनिक तथा ठूला व्यापारिक भवन तथा सार्वजनिक स्थल एवम् संरचनाहरूलाई महिला, बालबालिका, ज्येष्ठ नागरिक, तथा अपाङ्गतामैत्री हुने गरी निर्माण गर्ने र विद्यमान संरचनालाई तदनुरूप सुधार गर्ने ।
- ७ समाजमा भएका सबै प्रकारका हिंसा, कुप्रथा र दुर्व्यवहार न्यूनीकरणका लागि आवश्यक नीति निर्माण सहित कार्यान्वयनमा जाने

#### ४.४.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरूको उद्देश्य र अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार यस उपक्षेत्रको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य निम्नानुसार उल्लेख गरिएको छ ।

सूचक	एकाई	गत आ.व.सम्मको वास्तविक उपलब्धि	चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५
लैङ्गिक हिंसाअन्तर्गत बहुविवाह पिछित महिला	संख्या	०	०	०	०	०
गाउँ भित्र रहेका सडक बालबालिका	संख्या	०	०	०	०	०

यस गाउँ भित्र रहेका बालगृह	संख्या	०	०	०	०	१
महिला, दलित तथा सिमान्तीकृत समुदाय लक्षित संघसंस्था/समूह	संख्या	५४	५८	६२	६६	७०
महिलाको नेतृत्वमा सञ्चालित सहकारी	प्रतिशत	४	२२	२४	२६	२८
दलित तथा जनजातीको नेतृत्वमा सञ्चालित सहकारी	प्रतिशत	७२	७४	७६	७८	८०
जमिनमाथि महिलाको स्वामित्व भएको घरपरिवार	प्रतिशत	१०	१२	१३	१४	१५
बाल सुधार गृह	संख्या	०	०	०	१	१
जेष्ठ नागरिक सामुदायिक भवन	संख्या	०	०	०	०	१
महिला बालबालिका र सामाजिक संरक्षण सम्बन्धि नीति निर्माण तथा योजना तर्जुमा	संख्या	१	१	१	१	१

#### ४.४.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध भएको बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, गाउँपालिकाको वस्तुस्थिति, प्रस्तावित कार्यक्रमहरुको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा यस उपक्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार उल्लेख गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	५९५०			०	२१८७	३५७१	१९२	०
२०८३/८४	६२४८			०	२२९६	३७५०	२०२	०
२०८४/८५	६५६०			०	२४११	३९३७	२१२	०

#### ४.४.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

गाउँपालिकामा लैंगिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरणका क्षेत्रमा हालका दिनमा सकारात्मक प्रयास भए तापनि लक्षित वर्गको अवस्थामा अपेक्षाकृत सुधार हुन सकेको छैन । गाउँपालिकामा महिला, बालबालिका र लक्षित वर्गमैत्री पूर्वाधार, नीति, नियम र संरचनाको कमी रहेको छ । महिलामा बहुकार्य बोझको अवस्था कायमै छ । लक्षित वर्ग सशक्तीकरण, क्षमता विकास कार्यक्रम तथा उद्यम व्यवसायमा उत्प्रेरण जगाउन नसकदा उनीहरूको अवस्थामा आसा तित् सुधार हुन सकेको छैन । लक्षित वर्गका लागि तर्जुमा गरिएका कार्यक्रमहरू कार्यान्वयनबाट अपेक्षित रूपमा प्रतिफल प्राप्त गर्न सकेका छैनन् । लक्षित वर्गमा स्वरोजगारीका अवसर तथा आत्म निर्भरतामा कमी रहेको छ । पिछडिएको वर्गमा कानून, मानवअधिकार तथा कर्तव्यको सम्बन्धमा जानकारीको कमी रहेको छ । आर्थिक, सामाजिक तथा राजनीतिक क्षेत्रमा लक्षित वर्गको अर्थपूर्ण सहभागितामा कमी नै रहेको छ ।

## ४.५ युवा, खेलकुद तथा नवप्रवर्द्धन

### ४.५.१ पृष्ठभूमि

आर्थिक रूपले सक्रिय जनसंख्यामा पनि पुरुषको तुलनामा महिलाको संख्या बढी रहेको छ। गाउँपालिकाको बजार क्षेत्रमा पूर्वाधार तथा अवसरका हिसाबले पनि अध्ययन, व्यावसाय गर्न र खेलकुद गतिविधि सञ्चालन गर्न अनूकूल वातावरण रहेको छ। प्याराग्लाइडिङ, रक क्लाइम्बिङ, साइकिलिङ, आर्चरी जस्ता साहसिक खेलकुदको पनि उत्तिकै सम्भावना छ। अहिलेको आधुनिक प्रविधिको जमानामा उपलब्ध युवा जनशक्तिलाई तुलनात्मक लाभको क्षेत्रका रूपमा प्राथमिकतामा राखी सूचना प्रविधि (आईसीटी) सँग जोडेर आर्थिक विकास र सामाजिक रूपान्तरणको संवाहकका रूपमा स्थापित गर्ने अवसर रहेको छ।

### ४.५.२ समस्या तथा चुनौती

वैदेशिक रोजगारी र विदेश अध्ययनका कारण युवाहरुको पलायन, खेलाडीको प्रतिस्पर्धी क्षमता अभिवृद्धिका लागि उपयुक्त नीति तथा स्रोतसाधनको कमी, दुव्यसनको बढ्दो प्रवृत्ति र समसामयिक राजनीतिक परिवेश प्रति युवाहरुको बढ्दो वित्तिण्या यस क्षेत्रका मुख्य समस्याहरु हुन्। युवाहरुमा बजार मार्ग अनुसारको सीपको कमी, उद्यमशीलता र रोजगारीका अवसरहरू पर्याप्त नहुनु, आवश्यक सीप र तालिम विना नै वैदेशिक रोजगारीमा जानु पर्ने बाध्यता, गाउँ पालिका सँग युवा परिचालनको लागि ठोस नीति र कार्यक्रम नुहुनुले पनि युवा तथा खेलकुल क्षेत्रलाई स्थानीय विकासको मुलप्रवाहमा समाविष्ट गर्न चुनौती देखिएको छ। उच्च शिक्षाको लागि राजधानी लगायतका अन्य शहर र विदेश जानुपर्ने अवस्थाले पनि युवाहरुलाई सिर्जनशील कामको थालनीका लागि वातावरण निर्माण गर्नमा बाधा पुर्याईरहेको छ।

### ४.५.३ सोच

“स्थानीय अर्थतन्त्रको मुख्य हिस्साका रूपमा स्थापित रोजगारमूलक उद्योग व्यवसाय”

### ४.५.४ उद्देश्य

१. गाउँको समग्र विकासमा युवाहरुको अर्थपूर्ण सहभागिता वृद्धि गर्नु,
२. युवाहरुलाई उद्यमशील, व्यावसायिक र सिर्जनशील बनाउनु।

### ४.५.५ रणनीतिहरू

१. गाउँपालिकाको नीति निर्माण, योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रक्रियामा युवाको सहभागिता सुनिश्चित गर्ने,
२. युवाहरुलाई उद्यमशील, व्यावसायीक र सिर्जनशील भई स्वरोजगार र आत्मनिर्भर वन्न क्षमता विकास तथा वित्तीय स्रोत साधनको पहुँचमा वृद्धि गर्ने,
३. युवाहरुको नेतृत्वमा खेलकुद गतिविधिहरूको वार्षिक क्यालेन्डर बनाएर नियमित रूपमा कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने।

### ४.५.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा युवा लक्षित कार्यक्रमहरुको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

सूचक	एकाई	गत आ.व.सम्मको	चालु आ.व.सम्मको	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५

		वास्तविक उपलब्धि	अनुमानित उपलब्धि			
गाउँपालिकाको निर्वाचित जनप्रतिनिधिमा ४० मुनीका युवा	प्रतिशत	७१	७१	७१	७१	७१
प्राविधिक तथा व्यावसायिक तालिम प्राप्त युवा (वार्षिक)	संख्या	१००	११०	१२०	१३०	१४०
गाउँ पालिकामा सक्रिय युवा क्लब तथा युवा संजाल	संख्या	२१	२२	२३	२३	२४
स्तरीय खेलकुद मैदान / रंगशाला	संख्या	१	१	२	२	२
गाउँपालिकाले आयोजना गर्ने खेलकुद प्रतियोगिता (वार्षिक)	संख्या	४	४	४	५	५
सिर्जनशीलता र उद्यमशीलता प्रस्फुटन क्याम्प (वार्षिक)	पटक	०	०	१	१	२
युवा लक्षित सिर्जनशीलता पुरस्कार	संख्या	१	१	२	३	३

#### ४.५.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा युवा तथा खेलकुद उप-क्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको स्रोत (रु.हजारमा)			
	कुल	चालु	पूँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	१२००			०	४४१	७२०	३९	०
२०८३/८४	१२६०			०	४६३	७५६	४१	०
२०८४/८५	१३२३			०	४८६	७९४	४३	०

#### ४.५.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

युवाहरु सँग नवीन विचार भए पनि त्यसलाई उद्यमशीलता र व्यावसायमा रूपान्तरण गर्ने आवश्यक पूँजी नहुनुले पनि नवप्रवर्तनमा चुनौती थपेको छ। विदेशवाट फर्केका युवाहरुको सीप तथा अनुभवको उचित प्रयोग गरि उत्पादनमुलक कार्यमा लगाउनु, गाउँ पालिका क्षेत्रमा भएका पर्यटन लगायतका तुलनात्मक लाभका क्षेत्रमा युवाहरुलाई आकर्षित गरी यस्ता व्यावसाय सञ्चालनमा परिचालित गर्ने कार्य निकै चुनौतीपूर्ण छ।

## ४.६ सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण

### ४.६.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधान, २०७२ को मर्म र भावना अनुरूप समाजका जेष्ठ नागरिक, एकल महिला, विद्यवा, दलित वर्ग, लोपोन्मुख आदिवासी जनजाती, अशक्त, अपांगता भएका नागरिकहरु एवं बालबालिकाहरुको सामाजिक सुरक्षा र संरक्षण संम्बन्धी मौलिक हकको संरक्षण गर्न, राज्यको दायित्व, संविधानको निर्देशक सिद्धान्त तथा नितिहरुले निर्देश गरे अनुरूप सामाजिक न्याय प्रदान गर्ने कार्यमा सहयोग गर्न र नेपालले अन्तराष्ट्रिय महासन्धिहरुमा अभिव्यक्त गरेको प्रतिवद्धता तथा समय समयमा नेपाल सरकारका निति, कार्यक्रम तथा वजेटले सम्बोधन गरे अनुरूप यिनीहरुको मानवोचित जिवन यापनमा सहयोग कार्यलाई उच्च महत्व दिई सामाजिक कार्यक्रमलाई व्यवस्थित गरी कमजोर, सिमान्तकृत र विपन्न नागरीकहरुको सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण हक अधिकार सुनिश्चित गर्न सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण कार्यक्रमले सहयोग पुर्याउदछ।

### ४.६.२ समस्या तथा चुनौती

जेष्ठ नागरिकहरुका रहेको ज्ञान सिप नयाँ पुस्तामा हस्तान्तरण हुन नसकेको, समाजमा जेष्ठ नागरिकहरुलाई उचित सम्मान दिन नसक्नु पनि चुनौती बन्दै गएको छ। अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुले उचित सम्मान पाउन नसकेको, उनीहरुको शिक्षा, स्वास्थ्य तथा रोजगारीका अवसरमा पहुँच नभएको, शिक्षा तथा स्वास्थ्यका संरचना अपाङ्गमैत्री नभएको, परम्परागत पेशामा दलित युवाको आकर्षण कम भएको, दलित बालबालिकाहरुमा बिचैमा विद्यालय छोड्ने र कुपोषणको संख्या अधिक रहेको जस्ता समस्याहरू रहेका छन्।

### ४.६.३ उद्देश्य

- सामाजिक सुरक्षा भत्ता वृति अनुदान वितरण प्रणालीलाई सरलीकृत गर्ने।
- सामाजिक सुरक्षा अभिलेख तथा सुचना प्रवाह प्रणाली व्यवस्थापन तथा अद्यावधिक गर्ने।
- सामाजिक सुरक्षा भत्ता उपलब्ध गराउने र सामाजिक सुरक्षा भत्ता वितरण कार्यको प्रभावकारी अनुगमन गर्ने।
- बालबालिकाको पोषणमा सुधार ल्याउने।

### ४.६.४ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा युवा तथा खेलकुद उप-क्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको स्रोत (रु.हजारमा)			
	कुल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	१००००			०	३६७५	६००२	३२३	०
२०८३/८४	१०५००			०	३८५९	६३०२	३३९	०
२०८४/८५	११०२५			०	४०५२	६६१७	३५६	०

## परिच्छेद ५: पूर्वाधार क्षेत्र

पूर्वाधार क्षेत्र अन्तर्गत आवास, भवन तथा शहरी विकास, सडक, पुल तथा यातायात, जलस्रोत विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा, सूचना तथा सञ्चार प्रविधि, विद्युतीय सुशासन लगायतका उपक्षेत्रहरूको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चुनौती, लक्ष्य, रणनीति, नितिजा खाका, त्रिवर्षीय खर्च तथा श्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरू समावेश गरिएको छ।

### ५.१ आवास, भवन तथा शहरी विकास

#### ५.१.१ पृष्ठभूमि

अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको समष्टिगत आर्थिक, सामाजिक विकास र सेवा सुविधा प्रवाह गर्न भौतिक पूर्वाधार विकास क्षेत्रको भूमिका महत्वपूर्ण हुन्छ। भौतिक पूर्वाधार विकासले अन्तर्राष्ट्रिय विकासद्वारा, बजार सूचना, सेवा सुविधाको स्तर, पहुँच र उपयोग जस्ता विकास प्रतिफलको नितिजा हासिलमा प्रत्यक्ष योगदान गर्दछ। तर पूर्वाधार विकास र विस्तारबाट दिगो लाभ लिन पूर्वाधारको दिगो संचालनका साथ साथै वातावरणमा पर्ने नकारात्मक असरलाई न्यून गर्न संरक्षणका उपायहरू अबलम्बन गर्नु पर्दछ। गाउँपालिका बेनी दरबाझ सडक पूर्वाधारसँग जोडिएको छ। सडकसँग जोडिएका बजारकेन्द्र तथा साना साना वस्तिहरूमा समेत पक्की भवन तथा आवास निर्माण गर्न थालिएका छन्। निजी तथा सार्वजनिक सबै प्रकारका भौतिक संरचना बालमैत्री, लैझिक र अपाइमैत्री निर्माण गर्न भवन निर्माण संहिता तथा निर्माण सम्बन्धी आधारभूत मापदण्ड बमोजिम कार्य गर्नुपर्ने देखिएको छ। यस गाउँपालिकामा सबै नागरिकको लागि गुणस्तर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगारी तथा सुरक्षित आवास र बजार विकास तथा विस्तारको प्रत्याभूति दिलाउँदै, अन्य शहरी व्यवस्थापनका आधारभूत सिद्धान्तहरूलाई आत्मसाथ गरी दिगो विकासको लक्ष्य ११ हासिल गर्न, गरिबी घटाउन गाउँपालिकाले आर्थिक सामाजिक विकासको क्षेत्रमा टेवा दिन सुरक्षित आवास तथा शहरी विकासलाई उच्च प्राथमिकतामा राखी काम गर्नुपर्ने देखिन्छ।

सेवा, सुविधा, सडक संजाल तथा यातायातको सुविधाले गर्दा अन्तर्पूर्ण गाउँपालिका वरिपरि आवास तथा भवन निर्माण अनि बसाइसराई गर्ने प्रक्रिया बढ्दै जाँदा भवन निर्माण कार्यले समेटेको वा ओगटेको जमिनको हिस्सा विस्तार हुँदै गएको देखिन्छ। अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकामा ९९ प्रतिशत नागरिकको आफै घर छ, भने १ प्रतिशत भूमिहीन तथा सुकुम्बासी श्रमगारी खाने छन्। बजार केन्द्रहरू साना छन्। आधुनिक (सिमेन्ट तथा कक्रिटबाट निर्मित) घरहरूको बाहुल्यता बढ्न थालेको छ। ग्रामीण वस्तिहरूमा भने भूकम्पबाट असुरक्षित रहेका ढुडा-माटोका घरको संख्या धेरै नै छन्।

#### ५.१.२ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकाको अधिकांश क्षेत्र पूर्वाधार विकासको क्षेत्रमा पछाडि परेको छ। अधिकांश वस्ती कुनाकाञ्चा, पाखा पखेरा र भौगोलिक हिसाबले विकट स्थानमा छरिएर रहेका छन्। यस्ता विकट गाउँहरूमा बसोबास गर्ने जनसंख्यालाई गाउँपालिकामा हुनुपर्ने आधारभूत शहरी सेवा सुविधा प्रदान गर्न, आवास तथा भवन निर्माण कार्यको व्यवस्था मिलाउन, सडक पूर्वाधारलाई व्यवस्थित गर्न, वस्तीहरूलाई विपद्को जोखिमबाट जोगाउन, विपद् आइतागेको अवस्थामा उद्धार, राहत तथा प्रतिकार्य गर्न सहज बनाउँदै सुरक्षित आवास, बजारको व्यवस्था र सहज जिवनयापनको प्रत्याभूति दिने कार्य अत्यन्तै चुनौतीपूर्ण रहेको छ।

#### ५.१.३ सोच

“सुरक्षित भवन, आवास तथा विपद् उत्थानशील शहरीकरण”

#### ५.१.४ उद्देश्य

१. सबैको लागि उपयुक्त, सुरक्षित तथा एकीकृत वस्ती तथा आवासको विकास गर्ने
२. ग्रामीण क्षेत्रका बजार उन्मुख क्षेत्रमा शहरी पूर्वाधारको विकास गर्ने
३. यातायात, बजार एवं आधारभूत सविधाको स्तर वृद्धि गर्ने
४. विद्युतको सहज आपूर्ति तथा निर्यात व्यवस्थापन र वैकल्पिक/नवीकरणीय ऊर्जा प्रवर्द्धन तथा विस्तार गर्ने

#### ५.१.५ रणनीति

५. गाउँपालिकाको विस्तारित क्षेत्रको गुरुयोजना निर्माण कार्य सम्पन्न गरी तुरन्त कार्यान्वयनमा अघि बढाउने
६. प्रदेश सरकारसँग सहकार्यमा गाउँपालिका क्षेत्रका सडकहरू तथा प्रत्येक घरधुरीको नम्बरिङ्ग गरी मेट्रिक ठेगाना प्रणाली लागू गर्ने
७. गाउँपालिकाको आफ्नै भवन निर्माण गर्ने ।
८. अव्यवस्थित जग्गा प्लटिङ्ग, बसोबास र सडक खोले कार्यलाई निरुत्साहित गर्ने ।
९. भूकम्प प्रतिरोधी घर निर्माणका लागि प्राविधिक तथा डकर्मीको क्षमता विकास तथा समुदायमा जनचेतनाका कार्यक्रम सचालन गर्न विभिन्न संस्थाहरूसँग सहकार्य गर्दै तालिम प्राप्त डकर्मीहरूबाट मात्र घर निर्माण गर्ने व्यवस्था गर्ने
१०. सडकको छेउमा रहेका रुखहरूलाई छटान तथा सजावटका कार्य गर्दै सडक सौन्दर्य प्रवर्द्धन गर्ने
११. सडक बति लगायत शहरी सौन्दर्य व्यवस्थापनमा प्रहरी, टोल विकास संस्था र निजी क्षेत्रसँग सहकार्य गर्ने

#### ५.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

सूचक	एकाइ	गत आ.व.सम्मको वास्तविक उपलब्धि	चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५
भूकम्प प्रतिरोधी प्रविधि अनुसार बनेका आवासीय भवन	प्रतिशत	१०	१२	१४	१६	१८
अव्यवस्थित तथा सुकुम्वासी वस्तीहरूमा बसोबास गर्ने घरपरिवार	संख्या	४५	४३	४१	३९	३७
फुस वा खरले छाएको घरमा बसोबास गर्ने घरपरिवार	संख्या					
भवन निर्माण मापदण्ड अनुसार नक्सा पारित गरेर निर्माण भएका घर (वार्षिक)	संख्या	०	०	०	०	०
मापदण्ड अनुसार निर्माण भएका वडा कार्यालय, विद्यालय तथा स्वास्थ्य संस्थाका भवन	प्रतिशत	९०	९५	१००	१००	१००

सूचक	एकाइ	गत आ.व.सम्मको वास्तविक उपलब्धि	चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/ ८३	२०८३/ ८४	२०८४/ ८५
गाउँपालिकाको प्रशासनिक भवन	संख्या	०	०	१	१	१

#### ५.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध गराएको बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रमको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा आवास, भवन तथा शहरी विकास उप-क्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान तपसिल अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८१/८२	११३१९४			०	४७५९९	६७९३९	३६५६	०
२०८२/८३	११८८५४			०	४३६७९	७९३३६	३८३९	०
२०८३/८४	१२४७९६			०	४५८६३	७४९०३	४०३१	०

#### ५.१.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

सडक तथा भवनको मापदण्ड तयार हुनेछ । भू-उपयोग, आवास, वस्ती विकास तथा भवन निर्माण सम्बन्धीय मापदण्डको परिपालनामा अभिवृद्धि हुनेछ । भूस्वरूपमा परिवर्तन हुने, शहरीकरणका कारण फोहोरमैला विसर्जन र वातावरणीय ह्लासमा वृद्धि भई गाउँपालिका क्षेत्रको सुन्दरता, हरियाली र स्वच्छतामा ह्लास आउने जोखिम रहेको छ ।

### ५.२ सडक तथा यातायात

#### ५.२.१ पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिका क्षेत्र भित्र करिव ९२ कि.मी. जति मौसमी सडक छ भने करिव २० कि.मी. पिच रहेको छ । सम्पूर्ण सडक धुले सडक छन् । गाउँपालिकाको ८ वटै वडाका वडा केन्द्रहरू कच्ची सडकको संजालमा जोडिएको छ । सडक पूर्वाधार विकास गर्न गाउँपालिकाले सडक यातायात गुरुयोजना तयार गर्नु पर्ने र सोमा आधारीत सडकको नामाकरण र मापदण्ड तयार गर्नु पर्ने अवस्था छ । यहाँको स्थानीय सडकमा दैनिक करिव १३४ वटा निजी, सार्वजनिक भाडाका यातायात, मालबाहक सवारी साधन संचालनमा रहेका छन् ।

आधुनिक प्रविधि (मेशिन, औजार, उपकरण), कच्चा पदार्थ, कृषि Pocket Area मा पुऱ्याउन तथा उत्पादित वस्तु बजारसम्म लैजान सडक यातायातले सहज गराउदछ । सडक यातायातको सुविधा भएमा दिगो विकासको लक्ष्य ९ हासिल गर्न सकिन्छ ।

सडक यातायातको सुविधाले गर्दा कृषि पेशालाई व्यावसायिकरण गरी ठूलो मात्रामा कृषि उत्पादन र बजारीकरण गर्न सकिन्छ ।

## ५.२.२ समस्या तथा चुनौती

अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रले ओगटेको यस गाउँपालिकामा छरिएर रहेका वस्ती भएकाले सडक निर्माण कार्यमा अपेक्षित रूपमा उपलब्धी हासिल हुन सकेको छैन । पूर्वाधार विकासमा पछाडि परेको अवस्था छ । सबै वडाहरूमा सडक पुगे पनि सडकको गुणस्तर राम्रो नभएकोले यातायातका साधनहरूको नियमित संचालन हुन सकेका छैनन् । धुलाम्मे कच्ची सडकमा यातायातका साधनहरू चल्दा यात्रा गर्ने जनताको जीवन जोखिमपूर्ण रहेको अवस्था देखिन्छ । सडक यातायातको विस्तारको लागि प्रमुख विषय भनेको श्रोत नै हो । स्रोतको अभाव र कठीन भौगोलिक अवस्थाले गर्दा गुणस्तर सडक छिटो निर्माण गर्ने कार्य खर्चिलो र चुनौतीपूर्ण रहेको छ । आन्तरिक राजस्व कम संकलन हुने र संघ तथा प्रदेश सरकारको अनुदान सहयोगले मात्र भौतिक पूर्वाधार निर्माण गर्न कठीन हुने भएकोले भौतिक पूर्वाधार विकासको क्षेत्रमा अगाडि बढ्न समस्या तथा चुनौती रहेको छ ।

## ५.२.३ सोच

“सुरक्षित सडक र वातावरणमैत्री यातायात प्रणाली”

## ५.२.४ उद्देश्य

१. उपभोक्ता मैत्री, दिगो र गुणस्तरीय सडक पूर्वाधार निर्माण गर्नु ।
२. एकीकृत शहरी विकास तथा नगर यातायात प्रणाली विकास गर्नु ।

## ५.२.५ रणनीति

१. गाउँपालिकाका सडक र खोलाको नक्साङ्कन गरी क्षेत्राधिकार एकिन गरी संरक्षण गर्ने
२. गाउँपालिकाको क्षेत्र भित्र पर्ने सहायक राजमार्गको नक्साङ्कन सम्पन्न गरी थप व्यवस्थापनको लागि प्रदेश सरकार र संघीय सरकारसँग सहकार्य गर्ने
३. गाउँपालिकाका सडकमा देखा पर्ने खाल्डाखुल्टी छिटो छरितो मर्मत गर्ने व्यवस्था गरी यातायात सहजता कायम गर्ने
४. पूर्वाधार निर्माणका लागि विकास साभेदारहरूसँग समन्वय तथा सहकार्य गर्ने
५. पूर्वाधार निर्माणमा सडगीय तथा प्रदेश सरकारसँग सहकार्य गर्ने
६. छिमेकी स्थानीय सरकारहरूसँग सहकार्य गर्ने
७. जलवायु परिवर्तन तथा वातावरणमैत्री यातायात प्रणालीको विकास गर्ने दिगो र सुरक्षित सडक सञ्जाल विस्तारका लागि संघ तथा प्रदेश सरकारसँग सहकार्य गर्ने
८. पहाडी भूभाग भएको हुनाले कालोपत्रे सडक भन्दा ढलानी सडक निर्माण कार्यलाई बढावा दिने ।

## ५.२.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना, कार्यक्रम तथा आयोजनाको आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

सूचक	एकाइ	गत आ.व.सम्मको वास्तविक उपलब्धि	चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/८३	२०८२/८४	२०८४/८५

कुल सडकमध्ये १२ महिना यातायात सञ्चालन हुने सडक	प्रतिशत	२४	२६	२८	३०	३२
सडक घनत्व (कालोपत्रे र ग्रामेल मात्र)	कि.मि.		२०	२४	२६	२८
वार्षिक सडक स्तरोन्नती	कि.मि.	६०	६५	७०	७५	८०
व्यवस्थित बसपार्क	संख्या	०	०	१	१	१
मोटरेवल पुल (थप)	संख्या	४	५	६	७	८
गाउँबस चल्ने रुट	संख्या	७	८	९	९	१०

#### ५.२.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको उद्देश्य र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा सडक तथा यातायात उपक्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान				बजेटको श्रोत			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	८२२५०			०	३०२२७	४९३६६	२६५७	०
२०८३/८४	८६३६३			०	३१७३८	५१८३५	२७९०	०
२०८४/८५	९०६८१			०	३३३२५	५४४२७	२९२९	०

#### ५.२.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

यस उपक्षेत्रका आयोजना तथा कार्यक्रमहरु संघ, प्रदेश तथा स्थानीय तहको सामाजिकस्यता, समन्वय र सहकार्यमा छनौट, विकास र कार्यान्वयन गर्नु पर्ने हुन्छ। गाउँपालिकाको आवश्यकतालाई मध्यनजर गरी विस्तृत आयोजना प्रस्ताव गरेर प्राथमिकताका आधार बहुवर्षीय रूपमा कार्यान्वयनका लागि बजेट विनियोजन भैक्न कार्यान्वयन हुनेछ। यद्यपी, सम्भाव्यता तथा वातावरणीय अध्ययन भएका आयोजना तथा कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिई उपभोक्ता तथा सरोकारवालाको सहभागितामा आयोजना व्यवस्थापन गर्न नसकिएमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुने जोखिम रहन्छ। त्यस्तै गरी, भैरहेका सडकहरु विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन नवनाई सडक निर्माण गरिएका कच्ची सडक भएकाले नियमित यातायात सेवा सञ्चालनमा चुनौती तथा जोखिम रहेको छ।

### ५.३ विज्ञान तथा प्रविधि

#### ५.३.१ पृष्ठभूमि

विज्ञान तथा प्रविधिले हरेक मुलुकको सर्वाङ्गीण विकासमा महत्वपूर्ण भूमिका खेल्ने कुरा निर्विवाद छ। तर नेपालमा यसको पर्याप्त विकास एवं उपयोग हुनसकेको छैन। यसर्थे राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्रमा उपलब्ध ज्ञान, विज्ञान र प्रविधिको विकास तथा समयोचित उपयोगबाट प्रतिस्पर्धात्मक क्षमताको विकास गर्दै देशको सर्वतोमुखी विकासमा प्रभावकारी योगदान पुऱ्याउनु अपरिहार्य भएको छ। सर्वाङ्गीण विकासको राष्ट्रिय संकल्प समयसापेक्ष नीति र योजना विना पूरा गर्न सकिन्न। विकासको खाँचो टार्न आवश्यक प्रविधि ग्रहण गर्न सकिन्दै र वैज्ञानिक तथा प्राविधिज्ञहरूको उत्पादन तीव्र पार्न सकिन्दै, तर ग्रहण गरिएका विज्ञान प्रविधिको यथोचित प्रतिस्थापन, प्रवर्द्धनका लागि मौलिक सिर्जनशीलतामा निरन्तर वृद्धि नै सफलताको मूल आधार भएको

स्पष्ट हुन आएको छ । क्षमता अभिवृद्धिको लागि स्थानीय निकायमा विज्ञान तथा प्रविधि सम्बन्धी जनशक्ति, स्रोत र साधनको विकास एवं उपयोग गर्ने पूर्वाधारहरूलाई अधिकतम परिचालन गर्ने अत्यावश्यक भएको छ । यसै तथ्यलाई मनन गर्दै विज्ञान तथा प्रविधिको अनुसन्धान तथा विकास, शिक्षण, प्रशिक्षण, व्यवस्थापन, सेवा प्रदान आदि कार्यमा गाउँपालिकाको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ ।

#### ५.३.२ समस्या तथा चुनौतीहरू

क्षमता अभिवृद्धिको लागि स्थानीय तहमा विज्ञान तथा प्रविधि सम्बन्धी जनशक्तिको अभाव, स्रोत र साधनको विकास एवं उपयोग गर्ने पूर्वाधारहरूको कमी जस्ता समस्या तथा चुनौतीहरू रहेका छन् ।

#### ५.३.३ सोचः

विज्ञान तथा प्रविधिको समुचित विकास तथा प्रयोगद्वारा जीवनस्तरमा अभिवृद्धि एक समुन्नत, गतिशील र समृद्ध गाउँपालिका बनाउने

#### ५.३.४ उद्देश्यः

१. विज्ञान तथा प्रविधि क्षेत्रमा ज्ञान, सीप र दक्षताको समुचित विकास र उपयोगद्वारा क्षमताको अभिवृद्धि गर्ने,
२. विज्ञान तथा प्रविधिको माध्यमबाट प्राकृतिक स्रोत र साधनहरूको दिगो रूपमा उपयोग गरी जनताको सामाजिक तथा आर्थिकस्तर वृद्धि एवं वातावरणको संरक्षण र सम्बद्धन गर्दै गरिवी निवारणका कार्यमा सघाउ पुऱ्याउने,
३. विज्ञान तथा प्रविधिको उच्चतम विकास गरी प्रतिस्पर्धात्मक स्थितिमा पुऱ्याउने ।

#### ५.३.५ रणनीतिहरूः

१. विज्ञान तथा प्रविधिको योजनावद्वा विकासलाई सर्वाङ्गीण विकास प्रक्रियासंग आवद्व गर्ने,
२. विज्ञान तथा प्रविधिको विकासद्वारा गरिवी निवारण कार्यक्रमलाई सहयोग पुऱ्याउने,
३. उत्पादन तथा उत्पादकत्व बढाउन विज्ञान तथा प्रविधिलाई सशक्त साधनका रूपमा उपयोग गर्ने,
४. विज्ञान तथा प्रविधिको विकासमा निजीक्षेत्रलाई सहभागीता गराउने,

#### ५.३.६ विषयक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन र प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरणका आधारमा यस पुनर्निर्माण उपक्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान तपसिल बमोजिम प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत र राजस्व वाँडफाँड	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	४८००			०	१७६४	२८८१	१५५	०
२०८३/८४	५०४०			०	१८५२	३०२५	१६३	०
२०८४/८५	५२९२			०	१९४५	३१७६	१७१	०

## ५.४ पुनर्निर्माण

### ५.४.१ पृष्ठभूमि

विनासकारी भूकम्प तथा तत्पश्चातका पराकम्पका कारण गाउँपालिकाका विभिन्न क्षेत्रहरु गम्भीर रूपमा प्रभावित भएका हुन्छन् । हाम्रो देश नेपाल भूकम्प तथा अन्य प्राकृतिक प्रकोपबाट उच्च जोखिममा परेको मुलुक हो । भूकम्प, आगलागी, बाढी, पहिरो, लगायतका विभिन्न प्रकोपको कारण सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्रका क्षतिलाई पुनर्निर्माण गर्नु पर्दछ । गाउँपालिका क्षेत्रका सामाजिक, सांस्कृतिक, सामुदायक लगायतका सम्पदाहरुको संरक्षणका लागि पुनर्निर्माण गर्ने काम स्थानीय सरकारको दायित्व भित्र पर्दछ । यसरी प्राकृतिक प्रकोपबाट गाउँपालिका क्षेत्रमा धनजनको ठूलो क्षति भएको अवस्थामा गाउँपालिकाले प्रदेश सरकार तथा संघीय सरकारसंग विपद व्यवस्थापन गर्न, प्रतिकार्य गर्न, हराएका व्यक्तिहरु तथा पशुपंछीहरुको खोजी तथा उद्धार गर्न, आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध गराउन, बसोबासको लागि अस्थाई टहराहरु निर्माण गर्न, पुनर्निर्माण कार्यलाई अगाडि बढाउन, एकीकृत वस्ती विकास गर्न तथा कानून बमोजिम प्रकोप पीडितलाई उपयुक्त क्षतिपुर्ति प्रदान गर्ने कार्यको लागि सचेत रहनु पर्ने हुन्छ ।

### ५.४.२ समस्या तथा चुनौतीहरु

प्राकृतिक प्रकोपबाट पीडित भएका मानिसहरुको गाउँपालिका प्रति सहयोग र राहतको लागि गुनासो आउन सक्छ । गुनासो सुन्ने तथा व्यवस्थापन गर्ने जस्तो महत्वपूर्ण जिम्मेवारी निर्वाह गर्नु पर्दछ । प्रकोपको व्यवस्थापन तथा प्रतिकार्यको लागि गाउँपालिका एकलैले कार्य गर्न कठीन हुन्छ । यसको लागि सम्बन्धित सरोकारवाला संस्थाहरुसंग आवश्यक समन्वय र सहकार्यको लागि अगाडि बढ्नु पर्दछ । प्राकृतिक प्रकोपको कारण धनजनको ठूलो क्षति भएको अवस्थामा तत्काल राहत तथा क्षतिपुर्तिको व्यवस्था गर्ने, अस्थाई बसोबासको लागि टहराहरु निर्माण गर्ने र पुनर्निर्माण गरी एकीकृत वस्ती विकास गर्न, पिडितलाई न्याय दिन व्यवस्थापन र प्रतिकार्यको लागि समन्वय, सहकार्य र सहज रूपमा सूचना आदान प्रदान गर्न समस्या तथा चुनौतीहरु नहोलान भन्न सकिदैन ।

### ५.४.३ सोच:

“प्राकृतिक प्रकोप पछिको पुनर्निर्माण शान्ति र सुरक्षाको एक व्यवस्थित आधार”

### ५.४.४ उद्देश्य:

- प्राकृतिक प्रकोप पीडितलाई उद्धार गर्ने तथा आवश्यक राहत सामग्री उपलब्ध गराई बसोबासको व्यवस्था मिलाउने ।
- क्षति भएको घरबासहरुको पुनर्निर्माण गर्नको लागि आवश्यक प्रक्रिया मिलाउने ।
- पुनर्स्थापनाको लागि आवश्यक कार्य संचालन गर्ने

### ५.४.५ रणनीतिहरु:

- प्राथमिकताको आधारमा क्षतिग्रस्त संरचनाहरुको पुनर्निर्माण तथा वस्ती विकास गरिने छ ।
- जोखिमपूर्ण अवस्थामा रहेका वस्तीहरुको उपयुक्त सुरक्षित स्थानमा स्थानान्तरण गरिने छ ।
- पुनर्निर्माण, पुनर्स्थापना तथा वस्ती स्थानान्तरणको लागि योजना बनाइ कार्यान्वयन गर्न आवश्यक संयन्त्रको गठन गरिने छ ।

#### ५.४.६ विषयक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन र प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरणका आधारमा यस पुनर्निर्माण उपक्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान तपसिल बमोजिम प्रस्तुत गरिएको छ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	११००			०	४०४	६६०	३६	०
२०८३/८४	११५५			०	४२४	६९३	३७	०
२०८४/८५	१२१३			०	४४६	७२८	३९	०

#### ५.४.७ जोखिम तथा अनुमान

गाउँपालिका क्षेत्रमा बाढी, पहिरो, भूकम्प जस्ता प्राकृतिक प्रकोपले गर्दा धनजन तथा भौतिक पूर्वाधारको क्षति भएको छ। यसबाट स्थानीय बासिन्दाहरुमा बसोबास तथा जीविकोपार्जनको लागि गाहो परिस्थिति भएको देखिन्छ। उचित समयमा गाउँपालिकाले सम्बन्धित सबै सरोकारवालाहरुसँग सहकार्य र समन्वय गरेर पुनर्निर्माणको क्षेत्रमा काम गर्न नसके स्थानीय पिडित जनता समस्यामा पर्न सक्ने सम्भावना रहेको छ।

#### ५.५ सूचना सञ्चार

##### ५.५.१ पृष्ठभूमि

सूचना तथा सञ्चार प्रविधि अन्तर्गत पालिका क्षेत्रमा रहेका स्कूलहरुमा डाटाबाट इन्टरनेट, ईमेल चलाउन सक्ने अवस्था छ, भने गाउँपालिका र वडा कार्यालयहरुमा WiFi र ईमेल इन्टरनेट चलाउने सुविधा रहेको छ। गाउँपालिका क्षेत्रमा पत्रपत्रिका, रेडियो, एफएम, संचार छापाखाना संचालन भएको अवस्था छैन। गाउँपालिकाको आधिकारिक सूचना प्रवाहको लागि वेभसाईट सेवाको सुविधा भए पनि सो सेवामा सबै नागरिकको पहुँच पुऱ्याउन कठीन छ। रेडियो नेपाल र एफ.एम.लगायतका सञ्चारका माध्यमहरू गाउँपालिका क्षेत्रमा सुन्न सकिन्छ। समयको विकासक्रमसँगै सूचना प्रविधिको उपयोग र महत्व निरन्तर, व्यापक र बहुउपयोगी हुँदै गएको हुँदा सूचना तथा संचार प्रविधिलाई सबैको पहुँचमा पुऱ्याउन लगानी गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिएको छ।

नेपालको संविधान २०७२ ले पूर्णप्रेस स्वतन्त्रता, प्रकाशन, प्रसारण स्वतन्त्रता, सञ्चार एवं सूचनाको हकलाई मौलिक हकको रूपमा उल्लेख गरेको छ। साथै प्रदेश सरकारको अधिकार सूचीमा पनि समेटिएको छ। प्रदेश सरकारको कार्य विभाजन नियमावलीमा पनि सूचना तथा सञ्चार सम्बन्धि जिम्मेवारीहरू विस्तृत रूपमा उल्लेख गरिएको छ। सूचना तथा संचारमा पहुँचको अवस्था विश्लेषण गर्दा गाउँपालिकामा बसोबास गर्ने ९८ प्रतिशतसँग मोबाइल फोनको नेटवर्कमा आवद्ध रहेको पाईन्छ। ईमेल तथा इन्टरनेट, पत्रपत्रिका लगायत आधुनिक संचार तथा सूचना प्रविधिको प्रयोग गर्ने जनसंख्याको अनुपात न्यून रहेको छ।

##### ५.५.२ समस्या तथा चुनौती

ईन्टरनेटको प्रयोग तीव्र गतिमा बढ्दै गएकोले साइबर सुरक्षाका लागि संस्थागत र प्राविधिक जनशक्तिको अभाव हुनुका साथै नीति निर्माण तहमा यस सम्बन्धि ज्ञान र सोचको कमी रहेको छ। सञ्चार संस्थाहरू सङ्गतिहरूका रूपमा वृद्धि भए पनि तदनुरूप गुणात्मक विकास हुन सकेको छैन। शिक्षा क्षेत्रमा भर्चुअल/दूर कक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्रमा टेलिमेडिसिन, कृषि क्षेत्रमा मौसम पूर्वानुमान तथा बजार मूल्य, सुरक्षाका क्षेत्रमा सिसी

टिभी, पर्यटन प्रवर्द्धनका क्षेत्रमा प्रचार-प्रसार, विपद व्यवस्थापनका क्षेत्रमा पूर्वसूचना प्रणाली आदि माध्यमबाट सूचना प्रविधिलाई समाज र सिङ्गे सभ्यताको स्तरोन्नती र उत्थानशीलता वृद्धिमा उपयोग गर्न सकिने भएकाले त्यस अनुरूप सोच, लक्ष्य तथा कार्यान्वयन योजना एवं लगानी जुटाएर काम गर्न समस्या तथा चुनौती भएको देखिन्छ ।

संघीय तथा प्रदेश कानूनको अधिनमा रही स्थानीय क्षेत्रभित्र इन्टरनेट सेवा, टेलिसेन्टर, केबुल तथा तारविहिन टेर्लिभिजन प्रशारणको अनुमति, नवीकरण र नियमन सम्बन्धी व्यवस्था स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐनमा व्यवस्था गरिएको छ । गाउँका सबै स्थानहरूमा नेपाल टेलिकमको जिएसएम, र एनसेलबाट मोबाइल सेवा पुगेको छ । यस गाउँ पालिकामा एफ एम सेवा रहेको छैन । संस्थागत तथा सामुदायिक विद्यालयहरूमा सूचना प्रविधिको उपयोग गरेर शिक्षण सिकाईका साथै विभिन्न अतिरिक्त क्रियाकलापहरु सञ्चालन हुने गरेका छन् ।

#### ५.५.३ सोच “सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको विस्तार, समृद्ध मनहरीको बलियो आधार”

#### ५.५.४ उद्देश्य

१. सूचना तथा सञ्चार प्रविधिलाई सर्वसुलभ, भरपर्दो र गुणस्तरीय बनाउनु,
२. गाउँपालिकाको सेवा प्रवाहलाई सूचना तथा सञ्चार प्रविधिमैत्री बनाउनु ।

#### ५.५.५ रणनीति

१. गाउँपालिकाको सबै सेवा प्रवाहमा सूचना तथा सञ्चार प्रविधिको प्रयोगलाई प्राथमिकता दिने,
२. गाउँ का सबै वडा र वस्तीमा सूचना प्रविधिको भरपर्दो पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।

#### ५.५.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य यस उपक्षेत्रका लागि आगामी तीन आर्थिक वर्षको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

सूचक	एकाइ	गत आ.व.सम्मको वास्तविक उपलब्ध	चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्ध	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५
ब्रोड व्याण्ड इन्टरनेट सेवाको पहुँच पुगेका घरपरिवार	प्रतिशत		२५	४०	४२	४३.५
ब्रोड व्याण्ड इन्टरनेट सुविधा उपलब्ध वडा कार्यालय, स्वास्थ्य संस्था र विद्यालय	प्रतिशत		१००	१००	१००	१००

#### ५.५.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन र प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरणका आधारमा यस उप-क्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहायअनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको स्रोत (रु.हजारमा)			
	कुल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	१७००			०	६२५	१०२०	५५	०
२०८३/८४	१७८५			०	६५६	१०७१	५८	०
२०८४/८५	१८७४			०	६८९	११२५	६१	०

#### ५.५.८ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

सूचना तथा सञ्चारका सन्दर्भमा कुरा गर्दा सञ्चार माध्यमहरूलाई ग्रामीण वस्तीहरूसम्म विस्तार गर्नु प्रमुख चुनौति रहेको छ। नेपाल टेलिकमले पाँचौ पुस्ताको इन्टरनेट प्रविधि उपलब्ध गराइसकेको अवस्थामा मनहरी चोथो पुस्ता मात्र रहेकोले सूचना तथा प्रविधिको क्षेत्रमा सुविधा प्राप्त गर्न चुनौति रहेको छ। वोन्ड वेण्ड इन्टरनेट सेवा विस्तार गर्नु पर्ने देखिएको छ।

#### ५.६ सम्पदा पूर्वाधार

##### ५.६.१ पृष्ठभूमि

गाउँपालिका क्षेत्र ऐतिहासिक, धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक सम्पदाको हिसाबले धनी रहेको छ। यहाँका महत्वपूर्ण सम्पदा मठ, मन्दिर, वरिपरि रहेको हिमशृङ्खला, वन क्षेत्र, स्यागढी नदी, विभिन्न हिमतालहरु, सुख्खा भूवनोट, डाँडा, पथ्थरहरु, पदयात्राको लागि निर्माण भएका पुराना टाढैबाट देखिने पदमार्गहरु, गोरेटो, घोडेटो बाटाहरु, प्राकृतिक View Tower हरु चिसो हावापानी तथा अतिथिको आवास तथा खाने सुविधाको लागि होमस्टेहरु, भेडा वाखाहरुको लागि चरिचरण यहाँका महत्वपूर्ण प्राकृतिक सम्पदाहरु हुन्। जडिबुटीमा यार्सागुम्बा, सतुवा, निरमसी, चिराइतो, पाँचऔले, जटामसी संकलन गर्ने पकेट क्षेत्र रहेको छ। विदेशी तथा स्वदेशी अतिथिहरुको लागि होटल, रेस्टुरेन्ट तथा मोटेल यस गाउँपालिका क्षेत्रको आर्थिक विकासको लागि महत्वपूर्ण रहेका छन्। यहाँका सम्पदा यहाँका बासिन्दाहरु, सारा नेपाली नागरिक तथा विदेशी नागरिकहरुको लागि मनोरञ्जनका तथा पर्यटन विकासका साभा सम्पदा पूर्वाधारको रूपमा परिचित रहेका छन्।

##### ५.६.२ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिका क्षेत्रमा रहेका पर्यटन विकास तथा आर्थिक विकासलाई टेवा पुऱ्याउने विभिन्न प्रकारका सम्पदा पूर्वाधारहरु विद्यमान रहेका छन्। पर्यटन विकासको लागि पदमार्ग, भेडा वाखा चरन क्षेत्र संरक्षण तथा विकास, ऐतिहासिक मठ मन्दिरहरुको संरक्षण तथा पुनर्निर्माण, हिमतालको संरक्षण तथा विकास, ऐतिहासिक स्थलहरुको संरक्षण तथा विकास, पुराना वस्तीहरुको संरक्षण तथा विकास, होटल तथा रेस्टुरेन्टको सुधार तथा विकास, पार्कहरुको निर्माण, स्थानीय रैथाने कृषिबालीको संरक्षण तथा विकास, विकास र प्रवर्द्धन, View Tower को निर्माण तथा संरक्षण गरी पर्यटकहरुको आवश्यकता र चाहना अनुसारको सेवा सुविधा तथा आतिथ्य सत्कार पुऱ्याइ पर्यटन विकासको माध्यमबाट आर्थिक तथा सामाजिक विकास गर्ने काम गाउँपालिकाको लागि समस्या र चुनौती हुन सक्दछ।

##### ५.६.३ सोच

“सम्पदा पूर्वाधारको निर्माण पर्यटन विकासको प्रमुख आधार”

##### ५.६.४ उद्देश्य

- पर्यटकहरूलाई अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकामा आकर्षण गरी स्थानीय सम्पदा क्षेत्रमा भ्रमण गराई मनोरञ्जन दिलाउने
- अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकामा भएका मठ मन्दिर, ऐतिहासिक स्थल आदि सम्पदाहरु यस गाउँपालिकाको महत्वपूर्ण गन्तव्य भएकोले सो को प्रचार प्रसार गरी सो को महत्व अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा पुऱ्याउने

#### ५.६.५ रणनीति

१. पर्यटन विकासको लागि सम्पदा पूर्वाधार संरक्षण, पुनर्निर्माण तथ निर्माण गर्न निजीक्षेत्र, गाउँपालिका, प्रदेश सरकार तथा संघीय सरकारसंग आवश्यक सहकार्य र समन्वय गरिने छ ।

#### ५.६.६ विषयक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन र प्रस्तावित कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरणका आधारमा यस सम्पदा पूर्वाधार उपक्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान तपसिल बमोजिम प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत र राजस्व वाडफाँड	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	६८००			०	२४९९	४०८१	२२०	०
२०८३/८४	७१४०			०	२६२४	४२८५	२३१	०
२०८४/८२	७४९७			०	२७५५	४५००	२४२	०

#### ५.६.७ जोखिम पक्ष तथा पूर्वअनुमान

गाउँपालिका क्षेत्रमा पर्यटन विकासको लागि यस स्थानमा रहेका ऐतिहासिक मठ मन्दिर, प्राचीन संस्कृति, ऐतिहासिक धार्मिक र पर्यटकीय हिसावले सम्भावना भएको क्षेत्र हो । सम्पदा संरक्षणका लागि संघीय सरकारले बजेट विनियोजन नगरेमा सम्पदा संरक्षणमा राखिएको सोच र उद्देश्य प्राप्ति हुदैन । यस्ता सम्पदा पूर्वाधारको संरक्षण, विकास तथा प्रवर्द्धन गर्नको लागि गाउँपालिका, निजीक्षेत्र तथा स्थानीय सचेत नागरिकहरु जागरुक रहन सकेन् भने सम्पदा संरक्षणको विषय छायाँमा नपर्ना भन्न सकिदैन ।

## परिच्छेद ६ : संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

यस क्षेत्रमा नीति, कानून, न्याय तथा सुशासन, मानव संशाधन तथा क्षमता विकास, राजस्व तथा श्रोत परिचालन र तथ्याङ्क योजना तथा विकास व्यवस्थापन जस्ता उपक्षेत्रहरूको पृष्ठभूमि, समस्या तथा चूनौती, लक्ष्य, रणनीति, नितिजा खाका, त्रिवर्णीय खर्च तथा श्रोत अनुमान, आयोजना तथा कार्यक्रम र पूर्वानुमान तथा जोखिम पक्षहरू समावेश गरिएको छ।

### ६.१ वातावरण, जलवायू परिवर्तन तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

#### ६.१.१ पृष्ठभूमि

कूल भूमिको ठूलो हिस्सा वन क्षेत्रले ढाकेको छ। वातावरण संरक्षणका हिसाबले अन्तर्राष्ट्रीय गाउँपालिकाको यो अत्यन्त राम्रो पक्ष हो भन्न सकिन्छ। खुल्ला घाँसेमैदानहरू तथा प्राकृतिक वनको संरक्षण र विकासले स्वच्छ वातावरण निर्माणमा अहम भूमिका खेलेको छ। वनमा आधारित उद्योग फर्निचर रहेका छन्। वन क्षेत्रले ग्रामीण जीवनमा दैनिक आवश्यक पर्ने घाँस, दाउरा, पानीका अतिरिक्त वर्षाको पानीले निर्माणमा सक्ते भूक्षयको नियन्त्रण गरिरहेको पनि छ। वन क्षेत्रको हरियाली, स्वच्छता तथा जैविक विविधतायुक्त यहाँका सुन्दर क्षेत्रहरूमा पर्याप्यटनको विकास गर्न सकिने सम्भावना उत्तिकै रहेको छ।

समयको विकासक्रम सँगै गाउँपालिकाबासीको आनिबानी, खानपिन, जीवनशैली, चालचलन र आधुनिकीकरणको विकासले गर्दा सरसफाई र फोहोरमैला वृद्धि हुन थालेको अवस्था देखिन्छ। ठूला ठूला भवन, आवासको निर्माण तथा वस्तीहरूको क्रमशः विकासले गर्दा फोहोरमैला वृद्धि हुन थालेको देखिन्छ। प्लाष्टिक, प्लाष्टिकका बोतल तथा सिसाका बोतलहरूको प्रयोगले गाउँपालिका क्षेत्रमा फोहोरमैला बढ्दै जान थालेको छ। गाउँपालिकाले समयमै फोहोरमैला वर्गीकरण र व्यवस्थापनबाट मोहोर कमाउने योजना बनाउनु पर्ने आवश्यकता छ। यसका लागि ल्याण्डफिल्ड साईटको पहिचान तथा निर्माणबाट फोहोर व्यवस्थापन गरी वातावरण संरक्षणद्वारा गाउँपालिकालाई रमणीय बनाउनुको अतिरिक्त वनजंगल तथा कृषि पकेट क्षेत्रको विकास गरी प्राकृतिक सौन्दर्यता वृद्धि गर्दै लैजानुको कुनै विकल्प छैन।

#### ६.१.२ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिका क्षेत्रका अग्ला भूभागका धेरै स्थानमा नाङ्गा पाखापखेरा तथा भूस्खलन भएका क्षेत्रहरू रहेका छन्। यस्ता स्थानहरूमा भूक्षयका कारण रुख विरुवाले ढाकेको क्षेत्रफल क्रमशः घट्दै गएको अवस्था पनि छ। वार्षिक रुपमा हुने अनियन्त्रित वन डेलोले जैविक विविधता तथा वनको आकर्षणमा कमी देखिन थालेको छ। वन डेलोले नियन्त्रणका लागि आवश्यक आधुनिक उपकरण, औजार, सीप तथा गाउँपालिकास्तरीय कार्ययोजना बनाई काम गर्नु पर्नेमा त्यो हुन सकेको देखिदैन। वातावरण संरक्षण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापनको लागि सेनिटरी ल्याण्डफिल्ड साईटको व्यवस्था हुन सकेको छैन। फोहोरमैला व्यवस्थापनको लागि प्रयास हुन अझै बाँकी रहेको छ। वन अतिक्रमण नियन्त्रण तथा वन डेलोले नियन्त्रण गर्न क्षमता विकास गरी स्थानीय वासिन्दाहरूलाई सचेत तथा जिम्मेवार बनाउन नसके मुलुकको भौतिक, आर्थिक, सामाजिक विकास र वन संरक्षण गर्ने कार्यका बीच उत्पन्न हुने द्वन्द्व व्यवस्थापन गर्नु यस क्षेत्रका चुनौती रहेका छन्।

#### ६.१.३ सोच

“स्वच्छ वातावरण, स्वस्थ गाउँ वासी”

#### ६.१.४ उद्देश्य

१. जैविक विविधताको संरक्षण र पर्यावरणीय सन्तुलन कायम गर्ने

२. जल, वायु, माटो, ध्वनि लगायत सबै प्रकारका प्रदूषणको रोकथाम तथा नियन्त्रण गर्ने
३. घरधुरी, उद्योग, अस्पताल आदिबाट निस्कने फोहोरको वैज्ञानिक व्यवस्थापन गरी स्वच्छता बढ़ावा दिए गर्ने

#### ६.१.५ रणनीति

४. फोहोर उत्पादकलाई समेत फोहोर व्यवस्थापनमा जिम्मेवार बनाउने। फोहोर व्यवस्थापनमा नागरिक समाज तथा निजी क्षेत्रहरूको परिचालन गर्ने।
५. फोहोरमैला व्यवस्थापनको लागतलाई यथासम्भव घटाउदै लैजाने तथा फोहोरमैलालाई उत्पादनस्थलमा नै वर्गीकरण गरी सोको सङ्कलन ढुवानी र अन्तिम विसर्जन पृथक रूपमा यथाशक्य वातावरणमैत्री ढडगबाट गरी फोहोरमैला व्यवस्थापनमा दिगोपन प्रवर्द्धन गर्ने।
६. घरायसी कुहिने फोहोरमैलालाई घरधुरीमै व्यवस्थापन गर्दै व्यावसायिक फोहोरलाई निजी क्षेत्रसँगको सहकार्यमा वर्गीकरण गरी कुहिने फोहोरबाट रयाँस तथा कम्पोष्ट प्लान्ट सञ्चालन र नकुहिने फोहोरलाई पालिकाको फोहोरमैला वर्गीकरण केन्द्रमा वर्गीकरण गरी सोको बिक्री वितरण, नगरभित्र पुनःप्रयोग तथा पुनःचक्रीय प्रयोगको संभावना खोजी गर्ने
७. वातावरणमैत्री बडा घोषणा गर्दै फोहोरमैला व्यवस्थापन र वातावरण संरक्षणलाई दिगो बनाउने।
८. प्रत्येक टोलमा हप्तामा कम्तीमा १ पटक अनिवार्य फोहोर सङ्कलन गर्ने। जथाभावी फोहोर गर्नेलाई दण्ड जरिवाना र सेवा सुविधा रोक्का गर्ने, फोहोरमैला व्यवस्थापनमा उल्लेख्य सहयोग गर्नेलाई सम्मानको व्यवस्था गर्ने
९. फोहोर व्यवस्थापनमा सलग्न युवा तथा पिछडिएका वर्गहरूलाई फोहोरमैला व्यवस्थापनका शृजनशिल क्षेत्रमा काम गर्न प्रेरित गर्दै फोहोरमैला व्यवस्थापनलाई आय-आर्जनसँग जोड्न निजी क्षेत्र, साझेदार संस्था लगायत, गैरसरकारी संस्थाहरूसँग सहकार्य गर्ने

#### ६.१.६ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष

आवधिक योजना, प्रस्तावित कार्यक्रमहरु र आगामी तीन आर्थिक वर्षको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष तपशिल बमोजिम प्रस्तुत गरिएको छ।

सूचक	एकाइ	गत आ.व.सम्मको वास्तविक उपलब्धि	चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष		
				२०८२/२०८३	२०८३/८४	२०८४/८५
व्यवस्थित ल्यान्डफिल्ड साइट	संख्या	०	०	०	०	१
फोहोर संकलन साधन	संख्या	१	१	१	२	२
फोहोरबाट कम्पोष्ट मल बनाउने घरपरिवार	प्रतिशत	५२	६०	६५	७०	७५
सङ्कलन फोहोर फाल्ने घरपरिवार	प्रतिशत	०	०	०	०	०
नदी तथा खोलामा फोहोर फाल्ने घरपरिवार	प्रतिशत	९	१०	९	८	७
सार्वजनिक शौचालय	संख्या	३	४	६	७	८
श्रोतमा नै फोहोर वर्गीकरण गरि कम्पाउण्डमा नै व्यवस्थापन गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत	७	८	१०	१२	१४

#### ६.१.७ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, प्रस्तावित कार्यक्रमहरूको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा यस उपक्षेत्रको खर्च र श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	१५०			०	५५	९०	५	०
२०८३/८४	१५८			०	५८	९५	५	०
२०८४/८५	१६५			०	६१	९९	५	०

#### ६.१.८ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

व्यवस्थित ढल निकास तथा फोहोरमैला व्यवस्थापनमा समस्या रहेको तथा फोहोर मैला व्यवस्थापनमा आमा समुह तथा टोल विकास संस्थाहरूको सक्रिय क्रियाशिलता रहेको छ । प्रविधि विकास तथा प्रयोगसँगै उत्पन्न भएका रेडियोधर्मी वस्तुको असर र व्यवस्थापन गर्ने कार्य महत्वपूर्ण छ । वातावरण संरक्षण सम्बन्धी सुपरीवेक्षण गर्ने निकायको व्यवस्था र प्रभावकारिता, नागरिक स्तरमा वातावरण सम्बन्धी सचेतना र कर्तव्यबोध गराउनु पर्ने आवश्यकता रहेको छ । कुहिने र नकुहिने गरी फाहोरलाई फोहोरको श्रोतमै वर्गीकरण तथा व्यवस्था मिलाउने, पुन प्रयोगमा आउन सक्ने र नसक्ने फोहोरको व्यवस्थापन गर्न ध्यान केन्द्रित गर्नु पर्दछ । विद्युतीय सामानको व्यवस्थापन, स्वास्थ्य संस्थाबाट निस्कने फोहोरको व्यवस्थापन, हानीकारक तथा विशाक्त फोहोरको व्यवस्थापन, घर निर्माण पछिको फोहोर, प्लाष्टिक, काँच तथा सिसाका बोतलको व्यवस्थापन फोहोर मैला व्यवस्थापनका क्षेत्रमा देखिएका प्रमूख समस्या तथा चुनौती हुन् ।

#### ६.२ विपद जोखिम व्यवस्थापन र जलवायु परिवर्तन अनुकूलन

##### ६.२.१ पृष्ठभूमि

वन, वातावरणको संरक्षण गर्ने उद्देश्यले यस गाउँपालिकामा २९ बटा सामुदायिक वनहरू रहेका छन् । अन्तर्मुखी गाउँपालिका पनि विभिन्न प्राकृतिक तथा मानव सिर्जित प्रकोपको जोखिममा रहेको छ । यी अप्रत्यासित विपत्तिहरूको व्यवस्थापनमा पनि पूर्वतयारी गर्नुपर्ने आवश्यकता हुन्छ । प्राकृतिक प्रकोपबाट हुने जोखिम न्यूनीकरण गर्ने पूर्वसूचना प्रणली, तयारी, उद्धार, राहत एवं पुनर्स्थापना गर्ने तथा जलउत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण र नदीको व्यवस्थापन गर्ने सम्बन्धी महत्वपूर्ण कार्य आवश्यक हुन्छन् । विपद व्यवस्थापन र जोखिम न्यूनिकरणका लागि नीतिगत, संरचनागत र संस्थागत क्षमता विकास गरी प्रकोप प्रतिरोध तथा सहनशील क्षमताको विकासबाट प्रकोपको सामना गर्न र त्यसको असरबाट पुरानै अवस्थामा पुनर्स्थापित हुन सक्ने समाज र अर्थतन्त्र निर्माण गर्न अत्यन्त आवश्यक रहेको छ ।

नेपाल सरकार पुनःनिर्माण प्राधिकरणबाट अनुदान प्राप्त गरी भूकम्प प्रतिरोधी घर निर्माण गरिसकेको अवस्था रहेको छ । गाउँपालिका अध्यक्षको संयोजकत्वमा गाउँपालिकामा तथा हरेक वडामा वडा अध्यक्षको संयोजकत्वमा विपद व्यवस्थापन समितिको गठन भएको छ भने विपद व्यवस्थापन कार्यको लागि गाउँपालिकामा विपद व्यवस्थापन कोषको पनि स्थापना भएको छ । गाउँपालिका स्तरमा खोज कार्य तथा उद्धार कार्यका लागि तालिम प्रदान गरिएको छ । खोज कार्य तथा उद्धार कार्यका लागि चाहिने सामग्रीको

भण्डारण गरिएको छ । विपद् जोखिम व्यवस्थापनका लागि स्थानीय स्तरमा विभिन्न संघ संस्थाले विभिन्न किसिमका तालिम लगायत स्थानीय समुदायको क्षमता अभिवृद्धिका लागि कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै आएको अवस्था छ ।

यस गाउँपालिकामा प्रमुख विपद्, प्रकोपका रूपमा जल उत्पन्न प्रकोप बाढी, पहिरो, चट्याङ्ग, असिना, आगलागी, भूकम्प, अनावृष्टि, अतिवृष्टि, हावाहुरी, महमारी, अव्यवस्थित र असंगठीत हुँदै गएको समुदाय र समाज आदि रहेका छन् । यस क्षेत्र भएर बग्ने काली नदी, विभिन्न प्रकारका ठाडा खोलाहरू र ठाडा र अगला पहाडको क्षेत्र भएकोले पहिरो र बाढीको जोखिम धेरै छ । गाउँपालिका भौगोलिक हिसाबले विविधतायुक्त भएकोले यहाँ विभिन्न प्राकृति तथा मानव सिर्जित प्रकोपको जोखिम पनि रहेको छ । जलवायु परिवर्तनको प्रतिकूल असरका कारण अप्रत्यासित रूपमा आईलाग्ने विपत्तिहरूको व्यवस्थापनको लागि पूर्वतयारी गर्नुपर्ने आवश्यकता रहन्छ । प्राकृतिक प्रकोपबाट हुने जोखिम न्यूनीकरण गर्न पूर्व सूचना प्रणालीको जडान, विपद् जोखिम प्रतिकार्य क्षमता विकास तालिम, प्रविधि र सामाग्रीको व्यवस्थापन उद्धार, राहत एवं पुनर्स्थापना गर्ने तथा जलउत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण र ठाडा खोला तथा नदीको व्यवस्थापन गर्ने जस्ता कार्यहरू गर्न आवश्यक रहेको छ । विपद् जोखिम व्यवस्थापन र जलवायु परिवर्तन अनुकूलनका लागि नीतिगत, संरचनागत र संस्थागत विकास गरी प्रकोप प्रतिरोध तथा उत्थानशील क्षमताका माध्यमबाट प्रकोपको सामना गर्ने र त्यसको असरबाट पुरानै अवस्थामा पुनर्स्थापित हुन सक्ने समाज र अर्थतन्त्र निर्माण गर्न अति आवश्यक रहेको छ ।

## ६.२.२ समस्या तथा चुनौती

गाउँपालिकामा उच्च पहाडी भूभाग रहेको, म्यागदी नदीको अतिरिक्त, खोलानाला धेरै रहेको र भौगोलिक रूपमा विकट स्थानहरू समेत रहेकोले संस्थागत क्षमता तथा स्रोतको कमीका कारण विपद् जोखिम न्यूनीकरण, पूर्वतयारी र प्रतिकार्यलाई पूर्णरूपमा मूलधारमा ल्याउन अझै नसकिएको अवस्था देखिन्छ । जोखिमसँग सम्बन्धित सूचना संकलन तथा सञ्चार प्रणालीको कमी तथा ग्रामीण योजना र उत्थानशील रणनीतिहरूमा विपद् जोखिम सूचनाको एकीकरण नहुनुका कारण केही हदसम्म विपद् जोखिम व्यवस्थापनमा संस्थागत तहमा कमजोरी देखिन्छ । अन्नपूर्ण गाउँपालिका म्यागदी जिल्लाको सदरमुकाम देखि नजिकको दुरीमा रहेकोले जिल्ला स्थित अन्य सरकारी निकायको साथ र उपस्थितिका कारण विपद् व्यवस्थापन कार्यमा छिटो छरितो सहयोग प्राप्त हुने सम्भावना छ । विपद् प्रतिकार्यको लागि आवश्यक कोषको पनि कमी रहेको छ । गाउँपालिका, वडा कार्यालय र स्थानीय युवा क्लब, टोल विकास संस्था, नागरिक समाज, राजनीतिक दलहरूमा विपद् प्रतिकार्य क्षमता विकासको पाटो अझै चुनौतीपूर्ण रहेको छ । मनसुनपूर्व र मनसुनको समयमा मनसुनी वर्षाले नियमित रूपमा असिना, हावाहुरी, बाढी, पहिरो, डुबानका समस्या सिर्जना गर्ने गरेको छ । डोजरको जथाभावी प्रयोगले भूक्षय भई तालतलैया, खेतीबारी, जलविद्युतका बाँध पुरिने तथा भौतिक पूर्वाधारमा समेत क्षति पुग्ने समस्या बढ्दै गएको छ ।

## ६.२.३ सोच

“पर्यावरण र वातावरणमैत्री समाज अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको आवाज”

## ६.२.४ उद्देश्य

- विपद्का घटना र आर्थिक क्षति न्यूनीकरण गर्ने
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन तथा उत्थानशीलता अभिवृद्धि गर्ने

## ६.२.५ रणनीति

- स्थान तथा परिवेश अनुकूलका जोखिम न्यूनीकरणका उपायहरूको अवलम्बन गर्ने । जस्तै; नदीको अधिकार क्षेत्र निर्धारण गरी उक्त क्षेत्रभित्र कुनै पनि भौतिक विकासका कार्यलाई बन्देज गर्ने ।

- तरलीकरणको उच्च जोखिमयुक्त क्षेत्रमा कुनै भवन तथा पूर्वाधारको निर्माणलाई निरुत्साहित गर्ने । स्थानीय पद्धति तथा निर्माण सामग्रीबाट बनेका परम्परागत भवनहरूलाई हुरीबतास, अत्यधिक वर्षा जस्ता जलवायुजन्य प्रकोपबाट हुने क्षतिको न्यूनीकरण गर्न सबलीकरण गर्ने
२. जोखिमयुक्त समुदायलाई बाढी तथा पहिरोको समयमा सुरक्षित स्थानमा स्थान्तरण गर्न सामुदायिक पूर्वतयारीका लागि साथ सहयोग प्रदान गर्ने । विभिन्न विपद्लाई व्यवस्थापन गर्नको लागि नगरक्षेत्रमा सचेतना जगाउने तथा विपद्लको सामना गर्नको लागि क्षमताको विकास गर्ने ।
  ३. समुदायस्तरमा विपद् प्रतिकार्य टोलीहरू गठन तथा आपत्कालीन उद्धार सामग्रीहरूको सहयोग र व्यवस्थापनमा सहयोग गरी समुदायको विपद् प्रतिकार्य क्षमता अभिवृद्धि गर्ने तथा यस कार्यमा यस क्षेत्रमा कार्य गर्ने संघ संस्थालाई परिचालन गर्ने
  ४. आपत्कालीन केन्द्र सञ्चालन र व्यवस्थापन तथा पालिकास्तरीय आपत्कालीन सामग्रीहरूको भण्डारण तथा असिन नियन्त्रक टोलीको क्षमता विकास गर्दै विपद्लको समयमा तत्काल प्रतिकार्य गर्न सक्ने क्षमता अभिवृद्धि गर्ने
  ५. विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन साथै जलवायु परिवर्तन अनुकूलन गर्दै बस्ती विकास तथा भूस्रोतको उचित व्यवस्थापन गर्ने ।
  ६. बाढीजन्य प्रकोपका कारण हुनसक्ने नोकसानीलाई न्यूनीकरण गर्न पारिस्थितिकीय प्रणालीमा आधारित विपद् जोखिम न्यूनीकरणका पद्धति जस्तै बाढीजन्य डुवान न्यूनीकरणका लागि जैविक तटवन्ध, डेढेलोको व्यवस्थापन तथा पानी प्रतिधारण पोखरी निर्माण गरी अधिक सतही पानीलाई सञ्चय गरी अन्य प्रयोजनका लागि उपयोग गर्ने
  ७. पहाडी तथा भिरालो क्षेत्रमा हुने भूक्षय, पहिरो, लेदो पहिरो तथा अन्य पहिरोजन्य प्रकोपलाई नियन्त्रण गर्न तथा प्रकोपलाई न्यूनीकरण गर्न बायोइन्जिनिरिङ तथा वन परिधिको पुनर्वहालीजस्ता प्रकृतिमा आधारित पद्धतिहरू व्यवहारिक रूपमा अवलम्बन गर्ने
  ८. सबै बडा तथा बस्तीका जोखिमरहित स्थानमा खुला क्षेत्रको पहिचान गरी मानवीय खुला क्षेत्र निर्धारण गरी सिमाइकन गर्ने । यी खुला क्षेत्रहरूका निकास मार्ग तथा सडकहरू पहिचान गरी स्तरोन्नति गर्ने ।

#### ६.२.७ विषयक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रमहरूको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा यस उपक्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु. हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु. हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	३३००			०	१२१३	१९८१	१०७	०
२०८३/८४	३४६५			०	१२७३	२०८०	११२	०
२०८४/८५	३६३८			०	१३३७	२१८४	११८	०

#### ६.२.८ जोखिम पक्ष तथा अनुमान

संघीय संरचना अनुसारको नीतिगत, कानूनी र संरचनागत व्यवस्था, कर्मचारीको पदपूर्ति, समुदाय तथा सरोकारवालाको सहभागिता, उपकरण र श्रोत साधन समयमा नै उपलब्ध भएमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुने अनुमान गरिएको छ । यद्यपी, अगला पहाड, भीरपाखा र खोलानाला धेरै भएको ठाउँमा पहिरो तथा

बाढीबाट हुने क्षतिको न्यूनीकरण, विपदको बेलामा आवश्यक जनशक्ति र श्रोत सामाग्रीको व्यवस्थापन, राहत उद्धारको लागि आवश्यक सीपयुक्त जनशक्ति तथा श्रोतहरूको व्यवस्थापन, जलवायु परिवर्तनको असरको व्यवस्थापन, बढो जनसंख्या, वनजंगल जस्ता प्राकृतिक स्रोतको अत्यधिक दोहन नियन्त्रण, खोला नदीहरूबाट ठुगा, गिरी, वालुवाको अत्यधिक र अनियन्त्रित दोहन नियन्त्रण आदि यस क्षेत्रका चुनौतीहरू रहेको छन् ।

### ६.३ शासन प्रणाली

#### ६.३.१ पृष्ठभूमि

गाउँपालिकामा रहेका विभिन्न जाती, भाषा, लिङ्ग, वर्ग, क्षेत्र र समुदायका नागरीकहरूको स्वामित्व, सहभागिता मार्फत राष्ट्र निर्माण गर्ने ध्येय अनुसार संघीय शासन प्रणाली लागु भएको छ । संविधानले तिन तहको संघीय, प्रदेश र स्थानीय तह गरी तीन तहको सरकारको व्यवस्था गरेको छ । यी तीन तहको सरकारको सहभागिता, सहअस्तित्वमा तिनै तहको सरकार संचालन हुने संवैधानिक व्यवस्था रहेको छ ।

#### ६.३.२ समस्या तथा चुनौति

नेपालको सन्दर्भमा प्रादेशिक संरचना नयाँ हुनु, तिनै तहको सरकारको अन्तर सम्बन्ध परिभाषित भए तापनि कार्यान्वयनमा प्रस्तुता नहुनु, तिनै तहको सरकार विच एक आपसमा समन्वय नहुनु, प्रदेश तथा स्थानीय तहको क्षमता विकास भै नसक्नु, संघीय शासन प्रणालीको वारेमा सरोकारवालाहरू विच समान वुझाई नहुनु आदि समस्या तथा चुनौतिहरू रहेका छन् ।

**६.३.३ सोच** “सहकारिता, सह अस्तित्व र समन्वयमा आधारित समावेशी संघीय शासन प्रणालीको प्रभावकारी कार्यान्वयन ”

**६.३.४ उद्देश्य** गाउँपालिकाको सबै नागरिकलाई शासन पद्धतिबाट प्राप्त हुने लाभमा समान पहुँच र सहभागिता भएको हुने ।

#### ६.३.५ रणनीति

१. संघीय शासन प्रणालीबाट प्राप्त लाभहरूको समन्वयिक वितरण गर्नु ।
२. जनताको नजिकको सरकार स्थानीय तहले छिटो, छरितो सेवा प्रवाह हुने वातावरण तयार गर्नु
३. राजनीतिक एवं प्रशासनिक नेतृत्वको विकासको माध्यमद्वारा शासन प्रणालीमा सृदृढीकरण गर्ने ।

**६.३.६ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान** उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रमहरूको आवश्यकता र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा यस उपक्षेत्रको खर्च र सोको स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान देहाय अनुसार प्रस्तुत गरिएको छ :

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको स्रोत (रु.हजारमा)			
	कुल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक स्रोत र राजस्व बाँडफाँड	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	४६००			०	१६९१	२७६१	१४९	०
२०८३/८४	४८३०			०	१७७५	२८९९	१५६	०
२०८४/८५	५०७२			०	१८६४	३०४४	१६४	०

### ६.३.७ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

समावेशी तथा समन्यायिक विकासका लागि आवश्यक कानुन कानुनी र संस्थागत आधार गर्न सके साथै गाउँपालिकावाट प्रदान गरिने सेवा प्रभावकारी रूपमा प्रदान गर्न सके गाउँपालिकाको शासन प्रणाली सुदृढ गर्न सकिने हुन्छ ।

### ६.४. योजना तर्जुमा र कार्यान्वयन

#### ६.४.१ पृष्ठभूमि

योजनावद्व विकासका लागि तथ्यगत अध्ययन अनुसन्धान र विश्लेषण गर्दै विद्यमान अवसर र संभावनाहरूलाई दृष्टिगत गरी त्यसका आधामा विषय केन्द्रित रणनिति र व्यवहारीक कार्यनिति सहितको योजना आवश्यक हुन्छ । योजनाहरू तथ्यगत र प्रमाणमा आधारित नितिजामुखी योजना तर्जुमा गर्नु पर्दछ । स्थानीय तहको सात तहको योजना पद्धतिलाई अवलम्बन गरी योजनालाई वढि वस्तुनिष्ठ, यथार्थ परक र कार्यान्वयन योग्य बनाउनु पर्दछ ।

#### ६.४.२ समस्या तथा चुनौतीहरू

जनताका आवश्यकता र माग धेरै र गाउँपालिकाको श्रोत र साधन कम हुनाले पूर्ण रूपमा जनताको मागहरू सम्बोधन गर्न नसकिनु, योजना तर्जुमा प्रक्रियालाई वस्तुनिष्ठ र यथार्थपरक बनाउन नसक्नु, कार्यपालिकाले श्रोत र साधनको अवस्था विश्लेषण नगरी वार्षिक बजेट र सिमा भित्र नरही योजनाहरू कार्यान्वयनका लागि तोक आदेश गर्नु आदि यस क्षेत्रका समस्या र चुनौतीहरू हुन् ।

#### ६.४.३ सोच

” नितिजामुखी योजना तर्जुमा र कार्यान्वयन प्रणाली, सामाजिक तथा आर्थिक विकासको आधार स्तम्भ ”

#### ६.४.४ उद्देश्य

१. तथ्यमा आधारित परिणाम मुखी योजना तर्जुमा गर्नु ।
२. योजनाको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्नु ।
३. योजनाहरूको अनुगमन तथा मूल्यांकन प्रणालीको विकास गर्नु ।

#### ६.४.५ रणनीतिहरू

१. तथ्यांकको वैज्ञानिक प्रयोग गर्दै परिणाममुखी नीति तथा योजना निर्माण गर्ने ।
२. विषयगत मापदण्ड बनाई विषयगत शाखागत सम्बन्ध र अन्तर सरकारी स्तमा समन्वय कायम गर्ने ।
३. योजना अनुगमन निर्देशिका र संयन्त्र बनाई नियमिति अनुगमन र समीक्षा गर्ने तथा तेश्रो र स्वतन्त्र पक्षवाट विशेष आयोजनाहरूको मूल्यांकन गर्ने ।

#### ६.४.६ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, उपक्षेत्रको महत्व र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा तयार प्रशासकीय सुशासन उपक्षेत्रको खर्च र त्यो श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार रहेको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)	बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)
-------------	-------------------------	--------------------------

	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत र राजस्व वाँडफाँड	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	८००			०	२९४	४८०	२६	०
२०८३/८४	८४०			०	३०९	५०४	२७	०
२०८४/८५	८८२			०	३२४	५२९	२८	०

#### ६.४.७ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

योजना तर्जुमावाट आएका सबै योजनाहरूको कार्यान्वयन हुन सके र जनताको माग तथा आवश्यकतालाई पूर्ण रूपमा सम्वोधन हुन सके योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन र मूल्यांकनले गति लिन सक्छ ।

#### ६.५ वित्तीय सुशासन

##### ६.५.१ पृष्ठभूमि

सार्वजनिक स्रोतको मितव्ययी र अधिकतम परिचालन गरी उच्चतम प्रतिफल हासिल गर्नु हरेक सरकारको दीयत्व रहन्छ । यसका लागि स्थानीय सरकारले वित्तीय सुशासन कायम गर्नु पर्ने हुन्छ । पारदर्शी र जवाफदेही अभिवृद्धि गरी नागरीकहरूलाई वित्तीय सुशासनको प्रत्याभूति गर्न आवश्यक छ । हाल वित्तीय व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी वनाउनका लागि प्रविधिमा आधारीत वित्तीय व्यवस्थापन प्रणाली प्रयोगमा आएको छ । सार्वजनिक खर्चको पारदर्शिता अभिवृद्धि गर्नका लागि सरकारी निकायको कार्यक्रम र खर्चलाई सार्वजनिकीकरण गर्ने पद्धतिको समेत विकास भएको छ । ने

##### ६.५.२ समस्या तथा चुनौतीहरू

चलु खर्च वढ्दै जानु जसले गर्दा वित्तीय सुशासनको स्थिति खस्क्दै जानु, वेरुजुको मात्रा पढ्दै जानु, जवाफेहीता कमजोर हुनु, विकासमा गरिएको खर्चको अपेक्षित परमाण नहुनु यस क्षेत्रका समस्या र चुनौतीहरू हुन् ।

##### ६.५.३ सोच

"प्रभावकारी सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापन मार्फत वित्तीय सुशासन "

##### ६.५.४ उद्देश्य

१. गाउँपालिको सार्वजनिक आय र व्यय प्रणालीको प्रभावकारीता वृद्धि गर्नु ।

##### ६.५.५ रणनीतिहरू

१. वित्तीय व्यवस्थापन प्रणाली सुदृढीकरण गर्ने ।

२. सार्वजनिक आय व्यय र खरिदलाई प्रभावकारी र व्यवस्थित वनाउने ।

##### ६.५.६ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, उपक्षेत्रको महत्व र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा तयार प्रशासकीय सुशासन उपक्षेत्रको खर्च र त्यो श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार रहेको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत र राजस्व वाँडफाँड	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८२/८३	१७००			०	६२५	१०२०	५५	०
२०८३/८४	१७८५			०	६५६	१०७१	५८	०
२०८४/८५	१८७४			०	६८९	११२५	६१	०

## ६.६. प्रशासकीय सुशासन

### ६.६.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानमा राज्यका नीति अन्तर्गत सार्वजनिक प्रशासनलाई स्वच्छ, निष्पक्ष, पारदर्शी, भ्रष्टाचारमुक्त, उत्तरदायी तथा सहभागितामुलक बनाउदै राज्यबाट प्राप्त हुने सेवा सुविधामा जनताको समान र सहज पहुँच सुनिश्चित गरी सुशासनको प्रत्याभूति दिलाउने कुरा उल्लेख छ। सार्वजनिक प्रशासनमा सुशासन कायम गर्ने सम्बन्धमा विभिन्न प्रयास भैरहेका छन्। चालु योजनामा गुनासो व्यवस्थापन, भ्रष्टाचार विरुद्धको कार्ययोजना, राष्ट्रिय गौरवका आयोजनामा नतिजामा आधारित व्यवस्थापन प्रणाली, राष्ट्रसेवक कर्मचारीको आचारसंहिता जस्ता कार्यहरु थप प्रभावकारिताका साथ सुचारु गरिएको छ। सर्वसाधारण जनताको दैनिक काम गर्ने र प्रत्यक्ष जनसम्पर्क हुने स्थानीय निकाय अन्तर्गतका कार्यालयहरुमा क्षतिपुर्ति सहितको नागरिक वडापत्र लागु गरिएबाट शासकीय शैलीमा जनता प्रति जवाफदेही बनाउन सुशासनको प्रत्याभूति दिने प्रयत्न गरिएको छ।

### ६.६.२ समस्या तथा चुनौतीहरु

जनताका घरदैलोमा सार्वजनिक सेवा प्रवाहको सुनिश्चितता प्रदान गर्नु, विभिन्न निकाय बीच समन्वय गर्नु र आवश्यक साधन श्रोतको व्यवस्था गर्नु, जनसहभागिता, पारदर्शिता तथा जवाफदेहिता बढाउनु, समग्र सार्वजनिक प्रशासनको नैतिकताको अभिवृद्धि गरी उत्प्रेरणा बढाउनु, सरकारी सेवाको प्रवाहलाई सहज र प्रभावकारी बनाउनु, सार्वजनिक सेवामा रहेका राष्ट्रसेवकहरुमा राष्ट्रप्रति समर्पण र जनताप्रतिको सेवाभावको भावना जगाएर सुशासन, विकास र समृद्धि हासिल गर्नु समस्या तथा चुनौतीपूर्ण काम रहेको छ।

### ६.६.३ सोच

“जनमुखी, स्वच्छ जवाफदेही स्थानीय सरकार ”

### ६.६.४ उद्देश्य

- स्थानीय प्रशासनलाई स्वच्छ, परिणाममुखी, जवाफदेही र पारदर्शी बनाई सार्वजनिक सेवाप्रवाह र विकास प्रक्रियालाई प्रभावकारी बनाउनु
- जनता केन्द्रित विकासको लागि गाउँपालिकाको आम्दानीका श्रोत तथा दायराहरु वृद्धि गरी आवश्यकतामा आधारित विकासका काम गर्न अभिप्रेरित गर्ने
- दिगो विकासका लक्षहरु पुरा गर्न गराउनको लागि छिटो छरितो सेवा प्रवाहको अतिरिक्त कार्यक्रम र योजनाको प्राथमिकीकरण गर्ने, विनियोजन दक्षता अभिवृद्धि गर्ने र वित्तीय सुशासन कायम राखी योजना कार्यान्वयनबाट जनताको हितमा नतिजा निकाल्ने

#### ६.६.५ रणनीतिहरू

१. स्थानीय स्तरमा विशेष गरेर गाउँपालिकाले दिने सेवाहरूलाई गुणस्तरीय र सर्वसाधारणको पहुँचयोग्य बनाउन प्रशासन संयन्त्रको पुनर्संरचना गर्ने ।
२. स्थानीय निकायका काम कार्वाही सम्बन्धी सूचनामा नागरिकको पहुँच बढाउने ।
३. राष्ट्रसेवकहरूलाई कामप्रति जवाफदेही, नितिजामुखी तथा उत्तरदायी बनाएर जिम्मेवार बनाउने

#### ६.६.६ विषय क्षेत्रगत खर्च तथा श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, उपक्षेत्रको महत्व र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा तयार प्रशासकीय सुशासन उपक्षेत्रको खर्च र त्यो श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार रहेको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत र राजस्व वाँडफाँड	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य
२०८१/८२	३५५०			०	१३०५	२१३१	११५	०
२०८२/८३	३७२८			०	१३७०	२२३८	१२०	०
२०८३/८४	३९१४			०	१४३८	२३४९	१२६	०

#### ६.६.७ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

सूशासनको लागि गाउँपालिकाले नीति तथा कार्यक्रम, योजना र परियोजना तयार पारी जनताको हितको लागि काम गर्ने गर्दछ । सुशासन र विकासको लागि सबभन्दा महत्वपूर्ण भनेको मानव संसाधन विकास नै हो । मानव संसाधनको विकास गर्न तथा सेवाप्रवाह र विकासको लागि गाउँपालिकाका संयन्त्रहरू चलायमान गराउन सकिएन भने प्रशासकीय सुशासनले गति लिन नसक्ने अवस्था पनि आउन सक्दछ ।

#### ६.७ मानव संसाधन विकास

##### ६.७.१ पृष्ठभूमि

गाउँपालिकाको आफ्नै प्रशासकीय भवन रहेको र मुख्य कार्यालय भाडामा रहेको छ ।। यस गाउँपालिकामा ९ वटा वडा कार्यालयहरू रहेका छन् । ९ वटा वडा कार्यालयहरूले आफ्नै भवनमा रहेर जनतालाई सेवा पुऱ्याउने काम गरिरहेका छन् ।

लेखा व्यवस्थापन, सम्पत्ति व्यवस्थापन, खरिद व्यवस्थापन, व्यक्तिगत घटना दर्ता लगायतका क्षेत्रमा सफ्टवेयरको प्रयोग मार्फत गाउँपालिकाले सेवा प्रवाह गरेको छ । गाउँपालिकाका कर्मचारी, पदाधिकारी, विषयक्षेत्रगत समिति, उपभोक्ता समितिको क्षमता विकासका लागि विभिन्न कार्यक्रमहरूको तर्जुमा गरी कार्यान्वयन भएको पाईन्छ । गाउँपालिकाले वडा कार्यालय, शाखा, उपशाखाहरू तथा इकाईहरूको सेवा प्रवाहको अवस्था अनुगमनका लागि सुशासन समितिलाई जिम्मेवारी दिई जिम्मेवार बनाउने नीति लिएको छ । साथै नागरिक वडापत्रको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न सेवा प्रदायकका रूपमा रहेका सम्बन्धित शाखा तथा वडा

कार्यालयलाई सहजीकरण गर्दै न्यूनतम लागतमा सेवा प्राप्त हुने सुनिश्चितता कायम गरेको देखिन्छ । मानव संसाधन विकासका लागि तिन वर्षे क्षमता विकास योजना तयार गरी कार्यान्वयनमा ल्याएको छ ।

#### ६.७.२ समस्या तथा चुनौती

कामको चाप अनुसार कर्मचारी खटाउने, दरबन्दी तेरिज अनुसार कर्मचारीको व्यवस्था गर्नुपर्ने र आवश्यक क्षमता विकास तालिमको व्यवस्था गर्नु पर्ने देखिन्छ । कुनै शाखामा आवश्यक कर्मचारी उपलब्ध भएको देखिन्छ, भने कुनै शाखामा दरबन्दी तेरिज अनुसारका कर्मचारी उपलब्ध नभएको कारण शाखालाई कार्यसम्पादन गर्न सक्स भएको आभाष हुन्छ । आवश्यकता अनुसार कर्मचारी कम भएको अवस्थामा गाउँपालिकाको प्रशासनिक कार्य संचालन गर्न, आयोजना र कार्यक्रमहरु प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न तथा त्यसबाट चाहेको नतिजा निकाल कठीन हुन सक्दछ । संगठनको उचित विकास, व्यवस्थापन, रणनीति, संरचना र कार्यपद्धतीको विकास, तिनीहरूमा सुधार र सबलीकरण गरी उद्देश्य हासिल गर्न हैसम्मको सांगठनिक प्रभावकारिता वृद्धि गर्न सक्ने भएता पनि सो अनुरूप संगठनको अध्ययन र सुधार गर्न अझै समय लाग्न सक्ने चुनौती देखिन्छ ।

#### ६.७.३ सोच

“आधुनिक प्रविधिमैत्री, सक्षम, प्रभावकारी संगठन र दक्ष मानव संसाधन र सेवा प्रवाह”

#### ६.७.४ उद्देश्य:

“गाउँपालिकाको संस्थागत क्षमता विकास र कर्मचारीको व्यवसायिकता अभिवृद्धि गर्ने”

#### ६.७.५ रणनीति

१. सेवा प्रवाहलाई सूचना प्रविधिमा आधारित बनाई छिटो, छरितो र प्रभावकारी बनाउने
२. वडा कार्यालयहरूमा गुनासो सुनुवाई र सम्बोधनको संयन्त्र खडा गरी छिटो, छरितो तथा विश्वसनीय ढंगले गुनासो सुनुवाई तथा फस्यौट गर्ने
३. आवश्यकता अनुसार कार्यविधि निर्माण गरी सेवा प्रवाह तथा कार्यसम्पादनमा कर्मचारीलाई सहज वातावरण प्रदान गर्ने
४. उच्च मनोवलयूक्त कर्मचारी र पदाधिकारी लाई क्षमता विकासद्वारा मानव संसाधनको विकास गर्ने ।
५. गाउँपालिकाका वडा कार्यालय, शाखा, उपशाखाहरूको सेवा प्रवाहको अनुगमनका लागि आवश्यक संयन्त्रको विकास गर्नुका साथै नागरिक वडापत्रको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्ने
६. सेवा प्रवाहलाई प्रविधिमा आधारित बनाउने
७. सेवा प्रवाहलाई प्रविधिमा आधारित बनाउने

#### ६.७.६ विषयक्षेत्रगत खर्च तथा श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान

उपलब्ध बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रमको औचित्यता र मध्यमकालीन बजेट खाकाको आधारमा यस उपक्षेत्रको खर्च र त्यो श्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक सरकार	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	क्रष्ण तथा अन्य

					श्रोत र राजस्व वाडफाँड			
२०८२/८३	२५०			०	९२	१५०	८	०
२०८३/८४	२६३			०	९७	१५८	८	०
२०८४/८५	२७६			०	१०१	१६६	९	०

#### ६.७.७ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

सङ्गठन र क्षमता विकासमा गाउँपालिकाको समयमै सुधार भएमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुनेछ । उपरोक्त व्यवस्था हुन नसकेमा अपेक्षित नतिजा हासिल हुन नसक्ने जोखिम कायमै रहनेछ ।

### ६.८ तथ्याङ्क, योजना तथा विकास व्यवस्थापन

#### ६.८.१ पृष्ठभूमि

विभिन्न किसिमका सूचना प्रविधि औजार, एपहरूमार्फत गाउँपालिकाको विभिन्न क्षेत्रको तथ्यांक व्यवस्थापनमा प्रभावकारिता वृद्धि भएको छ । SuTRA को प्रयोगमार्फत स्थानीय सञ्चित कोषमा हुने आय व्यय, योजना तथा अन्य सूचना तथ्यांक व्यवस्थापन प्रभावकारी भएको छ । CGAS, Online Vouching, EFT जस्ता सफ्टवेयरहरूको प्रयोगलाई संस्थागत गर्दै गएको देखिन्छ । E-bidding, E-payment जस्ता सूचना प्रविधिको प्रयोग गरी वित्तीय व्यवस्थापनलाई थप सुदृढीकरण गरिएको छ । मध्यमकालीन खर्च संरचना मार्फत प्राथमिकता क्षेत्र तथा आयोजना र कार्यक्रममा श्रोत सुनिश्चित गर्ने र मध्यमकालीन खर्च संरचना अनुसार वार्षिक बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गरी सार्वजनिक वित्त व्यवस्थापन र नतिजामुखी विकास पद्धति कार्यान्वयनमा ल्याइएको अवस्था छ ।

गाउँसभाबाट न्यायिक समिति, विधायन समिति, लेखा समिति र कार्यपालिकाबाट योजना तर्जुमा, शिक्षा, स्थानीय विपद व्यवस्थापन लगायत विषयगत समिति गठन भै त्यस सम्बन्धमा क्रियाशील भएको अवस्था छ । साथै सेवाग्राही तथा लक्षित वर्ग र समुदायको समेत सहभागितामा सहभागितामूलक योजना तर्जुमाको अभ्यास गरी गाउँसभाबाट स्वीकृत नीति तथा बजेट र कार्यक्रमलाई बजेट पुस्तिका, वेबसाईट र सूचना पाटीमार्फत सार्वजनिक गर्ने अभ्यास भैरहेको पाईन्छ ।

#### ६.८.२ समस्या तथा चुनौती

तथ्यांकको संकलन, नियमित अद्यावधीकरण तथा विश्लेषण गरी प्राप्त सूचनामा आधारित योजना र विकास व्यवस्थापन प्रणालीको अभै व्यवस्थित तरिकाले शुरुवात हुन सकेको देखिदैन । सञ्चालनमा रहेका सफ्टवेयरहरूबाट प्राप्त हुने सूचना पनि आवधिक रूपमा विश्लेषण गरी तदनुरूप कार्यप्रणालीमा अपेक्षाकृत सुधार हुन सकेको छैन । योजना तथा बजेट तर्जुमा, वित्तीय व्यवस्थापन, लेखा परीक्षण र निर्णय प्रक्रियामा समावेशीता, सहभागिता र पारदर्शितामा सुधार गनु पर्ने प्रर्याप्त ठाउँ रहेका छन । शासन सञ्चालन, योजनावद्ध विकास तथा मापदण्ड अनुसार सेवा तथा सुविधा प्रवाह गर्न आवश्यक श्रोत परिचालन गर्ने दक्षतामा कमी रहेको पाईन्छ । विकासको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, विषयगत उद्देश्यहरू सहित समग्र विकास व्यवस्थापनलाई दिशानिर्देश गर्ने र कानूनी दायित्व समेत भएको आवधिक योजनाका लक्ष्य तथा उद्देश्यहरूलाई मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा प्रक्रियासँग तादात्म्यता कायम गर्नु पर्ने आवश्यकता छ । तथ्यांक Digitalization को

लागि श्रोत साधनको अभाव रहेको छ । सेवा प्रवाह र कार्यसम्पादनमा अन्तर सरकार, निजी क्षेत्र र गैरसरकारी संस्था र समुदायमा आधारित संस्थागत संयन्त्रको विकास गरी प्रभावकारी समन्वय, सहकारिता र साझेदारी हुन जरुरी देखिन्छ । प्रचुर सम्भावनाका वाबजुद निजी क्षेत्र र गैरसरकारी क्षेत्रसँगको साझेदारीलाई अपेक्षाकृत रूपमा परिचालन गर्न समस्या तथा चुनौती रहेको छ ।

#### ६.८ सोच

“प्रमाण तथा नतिजामा आधारित विकास प्रशासन”

#### ६.९ उद्देश्य

गाउँको योजना तर्जुमा र विकास व्यवस्थापनलाई तथ्यमा आधारित र नतिजामूलक बनाउने

#### ६.१० रणनीति

- गाउँपालिकाको सबै क्षेत्रको आवधिक अध्ययन गरी वर्गीकृत तथ्यांक अद्यावधिक गर्दै जाने
- योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन र अनुगमनलाई सूचनामा आधारित, सहभागितामूलक र नतिजामूलक बनाउने
- तथ्यांक प्रणाली सुदृढीकरण र विकास व्यवस्थापन प्रभावकारी बनाउन गैरसरकारी संस्था, निजी क्षेत्र, समुदायसँग समन्वय र साझेदारी गर्ने

#### ६.११ नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य

आवधिक योजना तथा कार्यक्रम तथा आयोजनाको अपेक्षित नतिजाको आधारमा तयार भएको योजना तथा विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको नतिजा सूचक तथा मध्यमकालीन लक्ष्य निम्नानुसार रहेको छ ।

सूचक	एकाइ	गत आ.व.सम्मको वास्तविक उपलब्धि	चालु आ.व.सम्मको अनुमानित उपलब्धि	मध्यमकालीन लक्ष्य		
				२०८२/८३	२०८३/८४	२०८४/८५
विषयगत दीर्घकालीन, रणनीतिक तथा गुरुयोजना योजना	संख्या	३	६	७	८	८
विस्तृत वडा प्रोफाइल तयार भएका वडा	संख्या	०	०	२	५	७
समयमा सम्पन्न आयोजना तथा कार्यक्रम	प्रतिशत	७०	७५	८०	८५	९०

#### ६.१२ विषय उपक्षेत्रगत खर्च तथा स्रोतको त्रिवर्षीय

उपलब्ध भएको बजेट सीमा तथा मार्गदर्शन, कार्यक्रम तथा आयोजनाको संक्षिप्त विवरण र मध्यमकालीन लक्ष्य को आधारमा योजना तथा विकास व्यवस्थापन उपक्षेत्रको खर्च र स्रोतको त्रिवर्षीय अनुमान निम्नानुसार प्रस्तुत गरिएको छ ।

आर्थिक वर्ष	बजेट अनुमान (रु.हजारमा)				बजेटको श्रोत (रु.हजारमा)			
	कूल	चालु	पुँजीगत	वित्तीय व्यवस्था	आन्तरिक श्रोत	नेपाल सरकार	प्रदेश सरकार	ऋण तथा अन्य

२०८२/८३	५००			०	१८४	३००	१६	०
२०८३/८४	५२५			०	१९३	३१५	१७	०
२०८४/८५	५५१			०	२०२	३३१	१८	०

#### ७.१.९ जोखिम पक्ष तथा पूर्वानुमान

तथ्यांक विश्लेषणबाट प्राप्त नतिजाहरूका आधारमा आयोजना तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्ने परिपाटी संस्थागत हुने अपेक्षा गरिएको छ । सूचनामा आधारित योजना तथा कार्यक्रम व्यवस्थापनले प्राथमिकता पाउने छ । यसबाट अन्तपूर्ण गाउँपालिकाको दीर्घकालीन विकास तथा समृद्धिको सोचतर्फ उन्मुख हुने अपेक्षा गर्न सकिन्छ । अन्यथा आसा गरिएको नतिजा हासिल हुन नसक्ने जोखिम रहन्छ ।

अन्तपूर्ण गाउँपालिका

### अनुसूची १ :

#### मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमाका क्रममा सहयोग पुऱ्याउने कार्यदल

क्र.स.	कार्यदलमा रहेका पदाधिकारी	जिम्मेवारी
१	प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत	संयोजक
२	प्रमुख, प्रशासन शाखा	सदस्य
३	प्रमुख, महिला विकास शाखा	सदस्य
४	प्रमुख, शिक्षा शाखा	सदस्य
५	प्रमुख, भौतिक पूर्वाधार शाखा	सदस्य
६	प्रमुख, आर्थिक प्रशासन शाखा	सदस्य
७	प्रमुख, कृषि शाखा	सदस्य
८	प्रमुख, सूचना तथा प्रविधि शाखा	सदस्य
९	प्रमुख, स्वास्थ्य शाखा	सदस्य
१०	प्रमुख, रोजगार सेवा केन्द्र	सदस्य
११	प्रमुख, पञ्जीकरण शाखा	सदस्य
१२	प्रमुख, पशु विकास शाखा	सदस्य
१३	प्रमुख, योजना, अनुगमन तथा मूल्यांकन शाखा	सदस्य सचिव

## अनुसूची २ :

### मध्यमकालीन खर्च संरचना तथा आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तर्जुमा सम्बन्धि मार्गदर्शन

#### पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको धारा २३२ अनुसार संघ, प्रदेश र स्थानीय तह बीचको सम्बन्ध सहकारिता, सहअस्तित्व र समन्वयको सिद्धान्तमा आधारित हुनेछ भनेर उल्लेख गरिएको छ। संघीय शासन व्यवस्थाको यात्रामा तीन तहका सरकार, नीजि क्षेत्र, सहकारी, समुदाय तथा नागरिक बीच समन्वय, सहकारिता र सहअस्तित्वको सिद्धान्तलाई आत्मसाथ गर्न तीनै तहका सरकारले ढिला गर्न हुँदैन। तीनै तहका सरकार संचालन हुने सिद्धान्त आत्मसाथ गर्न नसकेको खण्डमा जनताको परिवर्तनको चाहना सम्बोधन गर्ने वातावरण वन्न सक्दैन। नागरिकको जीवनशैलीमा परिवर्तन ल्याउन क्षमता विकास, छिटोछिरितो सेवा प्रवाह, पूर्वाधारको दिगो विकास जस्ता आधारभुत कुराहरु आवश्यक पर्दछन्। संविधानिक, नीतिगत तथा कानूनी व्यवस्था गरेर नागरिकको घरदैलोको सरकारको रूपमा स्थानीय सरकारहरु स्थापित हुनु पर्दछ। यसका लागि स्थानीय सरकारले हालको राजनीतिक, सामाजिक तथा साँस्कृतिक र प्राविधिक परिस्थितिले सिर्जना गरेको अवसरहरुको पूर्ण सदुपयोग हुने गरी योजना तथा बजेट तर्जुमा गर्ने कार्यलाई योजनावद्ध, व्यवस्थित र नतिजामूलक बनाउनु पर्ने देखिन्छ।

सबै सम्बन्धित सरोकारवालाको सक्रिय सहभागितामा समावेशी विकासको अवधारणा अनुसार योजना तथा बजेट तर्जुमा प्रक्रिया अवलम्बन गर्नु पर्दछ। यस प्रकार योजना तथा बजेट तर्जुमा गर्दा आवधिक, विषयगत गुरुयोजनाले दिशानिर्देश गरे बमोजिमको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य र प्राथमिकताको आधारमा गर्नु पर्दछ। स्थानीय सरकार स्थानीय समस्याको सम्बोधन गर्ने, जनताको आर्थिक सामाजिक रूपान्तरणको चाहाना सम्बोधन गर्ने खालको हुनुपर्छ। योजनाले उपलब्ध हुन सक्ने सम्भाव्य श्रोत साधन परिचालन गरी अनुमानित र विनियोजन बजेटको बीचमा रहेका खाडललाई न्यूनीकरण गर्दै लैजान सक्नु पर्दछ। तब मात्र आम नागरिकले संझीय लोकतान्त्रिक शासन व्यवस्थाले सिर्जना गरेको अवसर तथा कार्यान्वयन योग्य आयोजना तथा कार्यक्रमबाट अपेक्षित नतिजा हासिल गर्न सक्छन्।

अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ को दफा (२) को उपदफा (३) बमोजिम गाउँकार्यपालिकाले प्रत्येक वर्षको असार १० गते भित्र आगामी आर्थिक वर्षको राजस्व र व्ययको अनुमान गाउँसभामा पेश गर्नु पर्ने व्यवस्था गरेको छ। त्यसै गरी उपदफा (५) ले राजस्व र व्यवको अनुमान नेपाल सरकारले तोकेको मापदण्ड अनुसार हुनपर्ने व्यवस्था गरेको छ। तसर्थे नेपाल सरकारबाट स्वीकृत आय र व्ययका शीर्षकहरुको वर्गीकरण र एकीकृत आर्थिक संकेत तथा वर्गीकरण सम्बन्धि व्याख्या, अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ अनुसार बजेट तर्जुमा गर्न अधिकतम प्रयास गर्ने यस मार्गदर्शनको उद्देश्य रहेको छ। बजेट तर्जुमा गर्दा आय र व्ययका शीर्षकहरुको वर्गीकरणको सिद्धान्तको राम्रोसँग जानकारी हुन जरुरी छ। खर्च वर्गीकरणका सिद्धान्त बमोजिम बजेट तर्जुमा गर्न सकिएमा बजेट कार्यान्वयन गर्दा रकमान्तर गर्नुपर्ने वा कार्यक्रम संशोधन गनु पर्ने अवस्था आउँदैन।

मध्यमकालीन खर्च संरचना तर्जुमा गरी कार्यपालिकाका पदाधिकारी, विषयगत शाखाका प्रमुखहरु, वडा समिति र स्थानीय सरोकारवालाई उपलब्ध गराउन यो मार्गदर्शन तयार गरिएको छ। कार्यपालिकाबाट सम्बन्धित शाखा, उपशाखा, इकाई, तथा वडाको लागि उपलब्ध बजेट सीमा तथा प्राथमिकता निर्धारणको आधार, प्रक्रिया यस मार्गदर्शन अनुसार आगामी आर्थिक वर्षको लागि आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट तथा बजेट प्रस्ताव गर्नुपर्नेछ। आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तथा कार्यक्रम समेत मध्यमकालीन खर्च संरचना प्रस्ताव तयार गर्दा आवधिक योजना, विषयक्षेत्रगत गुरु योजना, रणनीतिक योजना, चालु आ.व.को स्वीकृत नीति तथा कार्यक्रमको आधारमा गर्नुपर्नेछ।

## कार्यक्रम तथा उपलब्धिको सक्षिप्त समीक्षा

अन्तर्पूर्ण गाउँपालिकाको चालु आर्थिक वर्ष २०८१/८२ को वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम, बजेटको कार्यान्वयन समुदाय, नागरिक समाज, नीजि क्षेत्र, प्रदेश तथा संघीय सरकारसँग सहकारित, समन्वय, सहअस्तित्वको सिद्धान्त अनुसार लक्ष्य हासिल गर्न तथा नतिजा निकाल तर्फ उन्मुख रहेको देखिन्छ। गाउँसभाबाट स्वीकृत भएका आयोजना तथा कार्यक्रमहरु केही सम्पन्न हुन गैरहेका छन् भने बाँकी सम्पन्न गर्ने तरिकाले काम अगाडि बढेको देखिन्छ। बजेट तथा कार्यक्रम कार्यान्वयनको समयतालिका पालना, विधि, प्रक्रिया तथा नतिजा अनुगमन गरी कार्यतालिका र निर्धारित मापदण्ड र अपेक्षित नतिजा अनुसार कार्यान्वयनलाई व्यवस्थित गर्न अनुभव, सीप र क्षमता तथा कार्यान्वयन गर्ने कार्यविधिको आवश्यकता महशुस गरिएको छ। गत वर्ष सिकाईका आधारमा आगामी वर्षको बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा देखी नै कार्यान्वयन कार्ययोजना र अनुगमन योजना वनाई यसलाई व्यवस्थित गर्नु पर्ने अवस्था विद्यमान छ। आवधिक योजनाको लक्ष्य तथा प्रगति र चालु आर्थिक वर्षको प्रमुख आयोजना तथा कार्यक्रमको कार्यान्वयन अवस्था र हालसम्मको उपलब्धी समेत मध्यनजर गरी आगामी तीन आर्थिक वर्षको लागि सम्भव भएसम्म आयोजना तथा कार्यक्रमगत रूपमा नभएमा उपक्षेत्रगत रूपमा तर्जुमा गर्नुपर्नेछ।

## योजना तथा बजेट तर्जुमाका आधारहरू

संविधानिक, नीतिगत र कानूनी व्यवस्था अनुसार आर्थिक सामाजिक विकासका लागि स्थानीय सरकारले एक आर्थिक वर्ष भित्र गर्ने खर्च र त्यसको व्यवस्थापनका लागि उपयोग गरिने आयका श्रोतहरु उल्लेख भएको महत्वपूर्ण दस्तावेज नै बजेट हो। बजेट मार्फत स्थानीय सरकारले खर्चको प्राथमिकता निर्धारण गर्नुका साथै स्थानीय वित्त नीतिको घोषणा र कार्यान्वयनको खाका प्रस्तुत गर्नु पर्दछ। बजेटलाई आर्थिक स्थायित्व कायम गर्दै आर्थिक, सामाजिक विकास र समृद्धि हासिलगर्ने प्रमुख औजारको रूपमा लिइन्छ। यसको अतिरिक्त संविधानले व्यवस्था गरेका मौलिक हक, राज्यको निर्देशक सिद्धान्त, नीति तथा स्थानीय तहको अधिकारका विषयहरुको कार्यान्वयन गर्नका निमित्त बजेटको उपयोग गरिन्छ।

संविधानले तीनै तहका सरकारले सरकारी कोषबाट वार्षिक बजेट अनुरूप बजेटको उपयोग गर्ने व्यवस्था गरेको छ। स्थानीय सरकारको सन्दर्भमा बजेट राजनीतिक, कानूनी र प्राविधिक विषय पनि हो। संघीय शासन व्यवस्था संचालन र यसका सन्दर्भमा बजेट तर्जुमा अभ्यास अत्यन्त महत्वपूर्ण विषय हो। त्यसकारण बजेट तर्जुमा गर्ने अभ्यासमा संलग्न यस गाउँपालिकाका पदाधिकारी, बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमासँग सम्बन्धित समिति (कार्यदल) तथा विषयगत शाखा, कर्मचारी, सरोकारवाला पक्ष र व्यक्ति बजेट तर्जुमाको नीतिगत र कानूनी व्यवस्थाको बारेमा जानकार हुन आवश्यक छ। मध्यमकालीन खर्च संरचनमा समेत आगामी आर्थिक वर्षको बजेट तर्जुमा गर्दा देहाय अनुसारका सान्दर्भिक नीतिगत तथा कानूनी व्यवस्थालाई आधार लिइनेछ।

- संविधानमा उल्लेख व्यवस्था भएका योजना तथा बजेट विनियोजनसँग सम्बन्धित धाराहरू (भाग ३: मौलिक हक र कर्तव्य, भाग ४: राज्यको निर्देशक सिद्धान्त, नीति र दायित्व, भाग ५: राज्यको संरचना र राज्यशक्तिको बाँडफाँड, भाग १७: धारा २१४ देखी २३२)
- राष्ट्रिय प्राकृतिक श्रोत तथा वित्त आयोग ऐन, २०७४ का सान्दर्भिक दफाहरू (परिच्छेद ४: प्राकृतिक स्रोतको परिचालन, राजस्व बाँडफाँट र अनुदान आदि)
- स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को सान्दर्भिक दफाहरू (परिच्छेद ६: दफा २४ र २५, परिच्छेद ९: दफा ५४ देखी ६८ र परिच्छेद १०: दफा ६९ देखी ८० सम्म)

४. अन्तर-सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४ का सान्दर्भिक दफाहरू (परिच्छेद २: राजस्वको अधिकार, परिच्छेद ३: राजस्वको बाँडफाँड, परिच्छेद ४: अनुदानको अवस्था परिच्छेद ५: वैदेशिक सहायता र आन्तरिक ऋण, परिच्छेद ६: सार्वजनिक खर्च व्यवस्था, परिच्छेद ७: राजस्व र व्यवको अनुमान, परिच्छेद ८: वित्तीय अनुशासन आदि)
५. आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायी ऐन, २०७६ तथा नियमावली, २०७७ का सान्दर्भिक दफा तथा नियमहरू (बजेट निर्माण, निकासा, खर्च, रकमान्तर र नियन्त्रण, बजेट र कार्यक्रम तर्जुमा, कार्यक्रम स्वीकृती र संशोधन, प्रगति समीक्षा)
६. सार्वजनक खरिद ऐन, २०८३ र नियमावलीका सान्दर्भिक दफाहरू (ऐनको परिच्छेद २: खरिद कार्यक्रम जिम्मेवारी र खरिद विधि सम्बन्धि व्यवस्था, नियमको परिच्छेद २: खरिदको तयारी, खरिद योजना र लागत अनुमान)
७. दिगो विकास लक्ष्य (लक्ष्य १, २, ३, ४, ५, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १३, १५, १६ तथा १७)
८. संघीय सरकारको दीर्घकालीन सोच नीति तथा पन्थौ योजनाको सान्दर्भिक बुँदाहरू
९. अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको आवधिक योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा प्राथमिकता र विषयगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यनीति र रणनीतिक कार्यक्रम तथा आयोजना
१०. समपुरक तथा विशेष अनुदान सम्बन्धि कार्यविधि, २०७६
११. गाउँपालिकाको सान्दर्भिक ऐन, नियमावली तथा कार्यविधिहरू।

### बजेट तर्जुमा, आयोजना तथा कार्यक्रम छनोट मार्गदर्शन

आगामी आर्थिक वर्षका लागि व्यय अनुमान तथा बाँकी दुई आर्थिक वर्षको लागि उपलब्ध बजेटको सीमा भित्र रहेर प्रथम आवधिक योजना, विषयक्षेत्रगत रणनीतिक योजना, चालु आर्थिक वर्षको लागि प्रस्तुत नीति तथा कार्यक्रमको आधारमा निम्नलिखित विषयहरूलाई ध्यान दिई आयोजना तथा कार्यक्रमहरूको छनौट, प्राथमिकीकरण, बजेट अनुमान तथा साँकेतीकरण, आयोजना तथा कार्यक्रमको संक्षिप्त विवरण समेत तयार गरी मिति २०८२ जेठ ३१ गते भित्र पेश गर्नु हुन अनुरोध गरिन्छ।

१. संविधानको मौलिक हक, राज्यका निर्देशक सिद्धान्त, नीति तथा दायित्व र अनुसुची ८ र ९ मा उल्लेखित अधिकारहरूसँग तादात्म्यता कायम हुने आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट गर्नुपर्नेछ।
२. मध्यमकालीन खर्च संरचना तथा सार्वजनिक खर्च विवरणमा उल्लेख भएको खर्चलाई ध्यान दिई आयोजना तथा कार्यक्रमको प्राथमिकता निर्धारण र छनौट गर्नुपर्नेछ।
३. आवधिक योजनाको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा प्राथमिकता, विषयगत लक्ष्य तथा उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यनीति तथा प्रमुख कार्यक्रम अनुसार आयोजना तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्नुपर्नेछ।
४. चालु आर्थिक वर्षमा सञ्चालित स्थानीय गौरव, रुपान्तरणकारी, क्रमागत, बहुवर्षीय र अधुरा आयोजना तथा कार्यक्रमलाई पहिलो प्राथमिकतामा राखी बजेट अनुमान गर्नुपर्नेछ।
५. आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट गर्दा साना, टुक्रे र संख्यात्मक रूपमा धेरै आयोजना छनौट गर्नु भन्दा आवश्यकतामा आधारित ठोस, उपलब्धीमूलक र कार्यान्वयन योग्य आयोजना तथा कार्यक्रमहरूको छनौट गर्नु पर्नेछ।

६. वस्ती वा गाउँ वा बडास्तरीय योजना छनौट गर्दा आयोजना बैंक वा आवधिक योजनामा समावेश भएका वा कानून अनुसार वातावरणीय प्रभाव अध्ययन लगायत सम्भाव्यता अध्ययन भै डिजाईन, लागत अनुमान तथा विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तयार भएका आयोजना तथा कार्यक्रमलाई छनौट गर्नुपर्नेछ ।
७. आम नागरिकको आधारभूत स्वास्थ्य, खानेपानी तथा सरसरफाई, महिला सशक्तीकरण, रोजगारी र उद्यमशीलता विकास हुने कार्यक्रमलाई समावेश गर्नु पर्नेछ ।
८. स्थानीय तहमा राजस्व वृद्धि गर्ने र आयमूलक आयोजना तथा कार्यक्रमलाई अनिवार्य रूपमा समावेश गर्नु पर्नेछ ।
९. कृषि, खाद्यान्न, पशुपक्षी तथा पर्यटन उपज (Tourism Products), व्यावसायीकरण, विविधीकरण र औद्योगिकीरणलाई सहयोग पुऱ्याउने कार्यक्रमहरु छनौट गर्नु पर्नेछ ।
१०. बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा स्थानीय तहको नीति तथा कानूनले निर्धारण गरेका दायित्वलाई अनिवार्य समावेश गर्नु पर्नेछ ।
११. विज्ञान, प्रविधि तथा खेलकुद लगायत युवाको सिर्जनशिलता, नवप्रवृद्धन र उद्यमशीलता विकासमा सघाउ पुर्ने आयोजना तथा कार्यक्रमहरु छनौट गर्नु पर्नेछ ।
१२. योग, ज्ञान तथा सीप विकास, अध्ययन, खोज, अनुसन्धान र आविस्कारसँग सम्बन्धित आयोजना तथा कार्यक्रम तर्जुमा गरी समावेश गर्नु पर्नेछ ।
१३. बालबालिकालाई केन्द्रविन्दुमा राखी उनीहरुको बचाउ, संरक्षण, विकास र सहभागिता सम्बन्धि आयोजना तथा कार्यक्रमलाई विशेष प्राथमिकता दिनु पर्नेछ ।
१४. बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा संघीय सरकार तथा प्रदेश सरकारको नीति, लक्ष्य, उद्देश्य, समयसीमा र प्रक्रियासँग अनुकूल हुने गरी सुशासन, वातावरण, बालमैत्री, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, विपद् व्यवस्थापन, लैंगिक तथा सामाजिक समावेशीकरण जस्ता अन्तरसम्बन्धित विषयहरूलाई ध्यान दिनु पर्नेछ ।
१५. विकास निर्माण आयोजनाको हकमा ठोस तथा उपलब्धिमूलक आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट गर्नुपर्नेछ । महिला, पिछडिएको वर्ग, विस्थापित, अपाङ्गता भएका व्यक्ति लक्षित कार्यक्रम महत्व र प्राथमिकता साथ छनौट गर्नुपर्नेछ ।
१६. छनौट भएका आयोजना तथा कार्यक्रम वातावरणीय, सामाजिक, प्राविधिक र साँस्कृतिक रूपमा संभाव्य हुनु पर्नेछ । त्यस्ता आयोजना तथा कार्यक्रमको बजेटको श्रोत समेत खुलाई प्रस्ताव गर्नु पर्नेछ । यसबाट आयोजना तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्दा समयमा संचालन गर्न र बजेट अपुग हुन पाउँदैन ।
१७. बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा चालु आर्थिक वर्षको खरिद गुरुयोजनालाई समेत ध्यान दिनु पर्नेछ ।
१८. आयोजना तथा कार्यक्रम प्रस्ताव गर्नु अगावै सो आयोजना तथा कार्यक्रमबाट लाभान्वित तथा प्रभावित वर्ग तथा समुदाय, साभेदार तथा सहयोगी निकायहरूसँग परामर्श लिई जग्गा लगायतका विषयमा सहमती भएको अवस्थामा मात्र आयोजना तथा कार्यक्रम प्रस्ताव तथा छनौट गर्नु पर्नेछ ।
१९. बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा उपलब्ध बजेट सीमा र मार्गदर्शन अनुसार आयोजना तथा कार्यक्रम र विषयगत उपक्षेत्रअनुसार छुट्टाछुट्टै रूपमा तर्जुमा गर्नु पर्नेछ ।
२०. उपभोक्ता समिति, नागरिक तथा सामुदायिक संस्था, गैसससँग साभेदारी गर्न र सो मार्फत कार्यान्वयन गर्न सकिने आयोजना तथा कार्यक्रमलाई विशेष प्राथमिकता दिनु पर्नेछ ।
२१. स्थानीय सरकार संचालन ऐन, २०७४ को व्यवस्था अनुसार बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा गर्दा नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारको लक्ष्य, उद्देश्य, समयसीमा प्रक्रियासँग अनुकूल हुने गरी दिगो विकासका

लक्ष्य लगायत वातावरण, सुशासन, बालमैत्री, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, विपद् जोखिम व्यवस्थापन, लैंगिक समानता र सामाजिक समावेशीकरण जस्ता अन्तरसम्बन्धित विषयलाई ध्यान दिनु पर्नेछ ।

२२. स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शनमा उल्लेखित ढाँचा तथा फाराममा आयोजना र कार्यक्रम विवरण तयार गर्नु पर्नेछ ।
२३. योजना तथा बजेट तर्जुमा गर्दा यस गाउँपालिकाको पाश्वचित्र (प्रोफाइल) ले लक्षित गरे अनुसारका क्षेत्र तथा सवाललाई सम्बोधन गर्नु पर्नेछ ।

अन्तर्पूर्ण गाउँपालिका

अनुसूची ३ :

अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको कार्यक्रमको शिर्षगत त्रिवर्षीय खर्चको अनुमान तथा प्रक्षेपण

रकम रु हजारमा

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
<b>८०४४४७०११०१ अन्नपूर्ण गाउँपालिका</b>										
१	गाउँपालिकामा स्वास्थ्य सेवा प्रदान गर्ने चिकित्सकको व्यवस्था (तलब भत्ता आदी)	१५००			१५७५			१६५३.८		
२	प्राविधिक सहायकको तलब	१५०			१५७.५			१६५.३८		
३	रिटर्नी स्वयमसेवक परिचालन २ जना	४००			४२०			४४१		
४	मनोसामाजिक परामर्शकर्ता ( सहायक पाँचौ तह ) ५०% साझेदारी तलब	२५४			२६६.७			२८०.०४		
५	पारिश्रमिक कर्मचारी	२२५.५			२३६.७८			२४८.६१		
६	रोजगार सहायक तलब	४५१.५			४७४.०८			४९७.७८		
७	झोलुंगे पुल हेरालुको ज्याला	३५०			३६७.५			३८५.८		
८	पदाधिकारी अन्य सुविधा	१११००			११६५५			१२२३८		
९	रोजगार सहायक पोशाक	१०			१०.५			११.०२५		
१०	पोशाक	७००			७३५			७७१.७५		
११	स्थानीय भत्ता	१५००			१५७५			१६५३.८		
१२	महंगी भत्ता	२२५०			२३६२.५			२४८०.६		
१३	फिल्ड भत्ता	१५००			१५७५			१६५३.८		
१४	कर्मचारीको बैठक भत्ता	६००			६३०			६६१.५		
१५	कर्मचारी प्रोत्साहन तथा पुरस्कार	२००			२१०			२२०.५		
१६	अन्य सेवा शुल्क	६००			६३०			६६१.५		
१७	अन्य भत्ता	२००			२१०			२२०.५		
१८	पदाधिकारी बैठक भत्ता	३२००			३३६०			३५२८		
१९	अनौपचारिक क्षेत्रमा कार्यरत श्रमिकहरूको लागि योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा कोषमा साझेदारी	५००			५२५			५५१.२५		
२०	कर्मचारीको योगदानमा आधारित निवृत्तभरण तथा उपदान कोष खर्च	१७००			१७८५			१८७४.३		
२१	कर्मचारी कल्याण कोष	१०००			१०५०			११०२.५		
२२	सुरक्षित मातृत्व आकस्मिक कोष	१००			१०५			११०.२५		
२३	पानी तथा बिजुली	१०००			१०५०			११०२.५		
२४	संचार महसुल	८००			८४०			८८२		
२५	घुम्ती शिविर मार्फत सेवा प्रवाह	२००			२१०			२२०.५		
२६	कार्यसम्पादन डकुमेन्ट्री निर्माण	२५०			२६२.५			२७५.६३		
२७	इन्धन (पदाधिकारी)	४००			४२०			४४१		
२८	इन्धन (कार्यालय प्रयोजन)	८००			८४०			८८२		
२९	इन्धन (एम्बुलेन्स प्रयोजन)	३००			३१५			३३०.७५		
३०	इन्धन (कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन प्रयोजन)	३००			३१५			३३०.७५		
३१	सवारी साधन मर्मत खर्च	२२००			२३१०			२४२५.५		

अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

३२	कृषि एम्बुलेन्स मर्मत	१०००		१०५०		११०२.५	
३३	बिमा तथा नवीकरण खर्च	५००		५२५		५५१.२५	
३४	मेशिनरी तथा औजार मर्मत सम्भार तथा सञ्चालन खर्च	६००		६३०		६६१.५	
३५	सवारी साधन तथा मेशिनर औजार भाडा	२५००		२६२५		२७५६.३	
३६	सुनारी आ.वि. सामाग्री खरिद	१००		१०५		११०.२५	
३७	मसलन्द तथा कार्यालय सामाग्री	३०००		३१५०		३३०७.५	
३८	कार्यालय तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण	३००		३१५		३३०.७५	
३९	फिल्ड सहायता सामग्री (झोला, छाता लगायतका सामग्रीहरु)	२००		२१०		२२०.५	
४०	सन्देश मुलक सूचना पाटी निर्माण	३००		३१५		३३०.७५	
४१	पत्रपत्रिका, छपाई तथा सूचना प्रकाशन खर्च	१४००		१४७०		१५४३.५	
४२	अन्य आर्थिक सहायता	८००		८४०		८८२	
४३	बिविध खर्च (वडा कार्यालय)	१४४०		१५१२		१५८७.६	
४४	अन्नपूर्ण डे भिडियो निर्माण	२००		२१०		२२०.५	
४५	सेवा र परामर्श खर्च	८००		८४०		८८२	
४६	डिजिटल नागरिक वडापत्र निर्माण	५००					
४७	सूचना प्रणाली तथा सफ्टवेयर संचालन खर्च	३००		३१५		३३०.७५	
४८	करार सेवा शुल्क(गापातर्फ, वडा कार्यालय, स्वास्थ्य चौकी, एमआईएस,ओमिओटी )	१०२००		१०७०		११२४६	
४९	स्वच्छ पुनहिल कार्यक्रम	२६०		२७३		२८६.६५	
५०	सरसफाईसेवा शुल्क	१२०		१२६		१३२.३	
५१	सामाजिक परिक्षण	३००		३१५		३३०.७५	
५२	कर्मचारी तालिम खर्च	५००		५२५		५५१.२५	
५३	दिगो विकास लक्ष्य समिक्षा कार्यक्रम	१५०		१५७.५		१६५.३८	
५४	ABC क्याम्प होटल व्यवसायीलाई अन्य पर्यटन स्थल अवलोकन भ्रमण	३००		३१५		३३०.७५	
५५	सार्वजनिक सुनुवाई	२५०		२६२.५		२७५.६३	
५६	भगीनि सम्बन्ध स्थापना तथा सहयोग आदानप्रदान कार्यक्रम	३००		३१५		३३०.७५	
५७	सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थासंग साझेदारी कार्यक्रम	१५००		१५७५		१६५३.८	
५८	पोषणमैत्री स्थानीय शासन प्रवर्द्धन कार्यक्रम	१०००		१०५०		११०२.५	
५९	पर्यटन प्रवर्द्धन कार्यक्रम	३००		३१५		३३०.७५	
६०	पुख्यौली सामाग्री खरिद (वडा न. ७)	३००		३१५		३३०.७५	
६१	नयाँ पर्यटकीय पदमार्ग पहिचान, अध्ययन तथा नक्सांकन	१०००					
६२	न्यायिक समिति, लेखा समिति र मेलमिलाप कर्ताको क्षमता विकास कार्यक्रम	५००		५२५		५५१.२५	
६३	सम्मान कार्यक्रम	५००		५२५		५५१.२५	
६४	घोरपानी स्वास्थ्य प्रवर्द्धन कार्यक्रम	३२५		३४१.२५		३५८.३१	
६५	युवा क्लब तथा आमा समूहलाई क्षमता विकास कार्यक्रम	२००		२१०		२२०.५	
६६	कर सम्बन्धी अभिमुखीकरण	१५०		१५७.५		१६५.३८	
६७	बालहित कोष	१००		१०५		११०.२५	
६८	विविध कार्यक्रम खर्च	६००		६३०		६६१.५	

अन्तर्मुक्त गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

६९	अनुगमन मूल्यांकन खर्च	७००		७३५		७७१.७५	
७०	बजार अनुगमन खर्च	१५०		१५७.५		१६५.३८	
७१	लैंगिक सामाजिक समावेशीकरण परिक्षण	२००		२१०		२२०.५	
७२	भ्रमण खर्च	१५००		१५७५		१६५३.८	
७३	विशिष्ट व्यक्ति तथा प्रतिनिधि मण्डलको भ्रमण खर्च	२००		२१०		२२०.५	
७४	गाउँपालिकासंग सम्बन्धीत पुस्तक लेखन तथा छपाई खर्च	३००		३१५		३३०.७५	
७५	भुरुड पुर्ख्याली पोशाक खरिद	२००		२१०		२२०.५	
७६	खेलकुद कार्यक्रम	१०००		१०५०		११०२.५	
७७	जोखिममा रहेका समुदायहरूको प्रोफाईल निर्माण	१०००		१०५०		११०२.५	
७८	सिर्जनशिल दलित महिला समुह भाडा खरिद	५०		५२.५		५५.१२५	
७९	युवा खेलकुद सामागी खरिद (वडा नं २)	५०		५२.५		५५.१२५	
८०	विविध खर्च	१७५०		१८३७.५		१९२९.४	
८१	वडा कार्यालय सामागी खरिद (वडा नं. ८)	२००		२१०		२२०.५	
८२	सभा सञ्चालन खर्च	३००		३१५		३३०.७५	
८३	म्याङ्गदी क्याम्पसको शैक्षिक सुधार कार्यक्रम	२००		२१०		२२०.५	
८४	पोखरेबगर आ.वि. निजी शिक्षक तलव भत्ता	२०८		२१८.४		२२९.३२	
८५	मुक्तिमार्ग मा.वि. शिक्षक तलव भत्ता	२०८		२१८.४		२२९.३२	
८६	उपभोक्ता समिति अभियुक्तीकरण	२५०		२६२.५		२७५.६३	
८७	भुरुड ग पुर्ख्याली समूह पोशाक खरिद	२००		२१०		२२०.५	
८८	भुमेपुजा तथा भराभरानी खोज अनुसन्धान	२५०		२६२.५		२७५.६३	
८९	सर्वोदय मा वि मा बस खरिद अनुदान	३००		३१५		३३०.७५	
९०	विपट् व्यवस्थापन	३०००		३१५०		३३०७.५	
९१	जनप्रतिनिधिहरूको सामाजिक सुरक्षा (औषधोपचार सहयोग)	५००		५२५		५५१.२५	
९२	जनप्रतिनिधीहरूको मृत्युपछिको सहयोग व्यवस्थापन	३००		३१५		३३०.७५	
९३	मानवसेवा आश्रमलाई सहयोग	२००		२१०		२२०.५	
९४	विद्यार्थी नगद छात्रबृती प्रोत्साहन कार्यक्रम (कक्षा ११)	१२००		१२६०		१३२३	
९५	दोबा स्वास्थ्य चौकी सामागी खरिद	५०		५२.५		५५.१२५	
९६	घरभाडा	२३००		२४९५		२५३५.८	
९७	वडा नं ७ को जग्गा प्राप्तिका लागि पूँजीगत लाभ कर तथा विविध खर्च	८००		८४०		८८२	
९८	फोहरमैला संकलन केन्द्र निर्माण	३५००		३६७५		३८५८.८	
९९	७ नं वडा कार्यालय भवन निर्माण	६०००		६३००		६६१५	
१००	प्रशासकीय भवन निर्माण	५०००		५२५०		५५१२.५	
१०१	वडा कार्यालय तथा स्वास्थ्य संस्थाहरूमा रंगरोगन	६००		६३०		६६१.५	
१०२	एम्बुलेन्स खरिद	२८००		२९४०		३०८७	
१०३	मेशिनरी तथा औजार खरिद	१५००		१५७५		१६५३.८	
१०४	फर्निचर तथा फिक्चर्स	२५००		२६२५		२७५६.३	
१०५	कम्प्युटर सफ्टवयर निर्माण तथा खरिद खर्च एवं अन्य बौद्धिक सम्पति प्राप्ति खर्च	१०००		१०५०		११०२.५	

अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

१०६	संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण परामर्श सेवा खरिद	३००							
१०७	निजी जग्गामा रहेको सडकको लगत कट्टाको लागि अध्ययनको लागि परामर्श सेवा खरिद	१५००			१५७५			१६५३.८	
१०८	डिजिटल प्रोफाईल निर्माण	१७००							
१०९	७ नं. वडा कार्यालय भवनको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन / प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण	७००			७३५			७७१.७५	
११०	दोबा अस्पताल जाने बाटो स्तरोन्नती	१०००			१०५०			११०२.५	
१११	हुमखोला झोलुङ्गेपुल निर्माण	१६००			१६८०			१७६४	
११२	घरामटी खिवाड्ग सडक निर्माण (प्रदेश सम्पुरक अनुदान)	६०००			६३००			६६१५	
११३	महभिर राम्चे नागि मोटरबाटो स्तरीकरण	१००००			१०५००			११०२५	
११४	मोटरबाटो मर्मत तथा सरसफाई (पालिकास्तर)	२०००			२१००			२२०५	
११५	नाका आलडाँडा मोटरबाटो निर्माण योजना	१५००			१५७५			१६५३.८	
११६	तातोपानी भुरुङ्ग मोटरबाटो स्तरोन्नती	८०००			८४००			८८२०	
११७	घरामटी खिवाड्ग सडक निर्माण (प्रदेश सम्पुरक अनुदान)	४०००			४२००			४४९०	
११८	पोखरेबगर देखि चित्रे सम्म मोटरबाटो स्तरीकरण	५०००			५२५०			५५१२.५	
११९	उज्ज्यालो बजार क्षेत्र कार्यक्रम (महभिर, पोखरेबगर, तातोपानी, दानामा स्ट्रिट लाईट जडान)	२०००			२१००			२२०५	
१२०	अन्नपूर्ण आधार शिविर तथा पदमार्गमा सौर्य बत्ती जडान साझेदारी कार्यक्रम	१०००			१०५०			११०२.५	
१२१	रातोपानी कुण्डमा संरचना निर्माण	१०००			१०५०			११०२.५	
१२२	महभिर झारनामा पुर्वाधार निर्माण	२०००			२१००			२२०५	
१२३	नार्चाड्ग झरना व्यवस्थापन तथा पुर्वाधार निर्माण	२०००			२१००			२२०५	
१२४	पोखरेबगर खेल मैदानमा स्टेज निर्माण	१०००			१०५०			११०२.५	
१२५	पुनहिलमा गेट तथा अन्य व्यवस्थापन	१४००			१४७०			१५४३.५	
१२६	विपन्न परिवारको लागि निजी आवास मर्मत	१०००			१०५०			११०२.५	
१२७	शहिद स्मृति पार्क निर्माण	१०००			१०५०			११०२.५	
१२८	तल्लो घोरेपानी बसपार्क स्तरोन्नती	३००			३१५			३३०.७५	
१२९	भुरुङ्ग तातोपानी कुण्डमा संरचना निर्माण	२०००			२१००			२२०५	
१३०	पाउँदुर बसपार्क निर्माण	१०००			१०५०			११०२.५	
१३१	आय ठेक्का लाग्ने स्थानहरूमा सामाग्री खरिद	६००			६३०			६६१.५	
१३२	पाउँदुर कुण्डमा संरचना निर्माण	१०००			१०५०			११०२.५	
१३३	विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन / प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण	११००			११५५			१२१२.८	
१३४	जग्गा खरिद	११२००							
जम्मा		१८०९०२	०	०	१७४५१२	०	०	१८३२३८	०

८०४४४५०११०२ अन्नपूर्ण गा.पा महिला विकास कार्यक्रम

क्र.सं	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूऱ्जित	कुल	चालु	पूऱ्जित	कुल	चालु	पूऱ्जित

अन्तर्मुक्त गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

१	गरिब तथा विपन्न नागरिकको लागि अल्लोको कपडा बुन्ने तालिम र समूहमा मेशिन/तान वितरण कार्यक्रम	४००			४२०			४४९	
२	अपाइगता भएका आर्थिक अवस्था कमजोर भएका व्यक्तिहरुको परिचयपत्रका लागि स्वास्थ्य परिक्षणका लागि यातायात सुविधा	१००			१०५			११०	
३	अपाइगता सञ्जाल मार्फत अपाइगता भएका व्यक्तिहरुका लागि कार्यक्रम	४००			४२०			४४९	
४	बाल बिवाह न्यूनिकरणका लागि सचेतनामूलक/अभिमुखिकरण कार्यक्रम/सडक नाटक प्रदर्शन	५००			५२५			५५१	
५	अध्यक्षसंग जेष्ठ नागरिक भेटघाट कार्यक्रम	१००			१०५			११०	
६	बाल भेला/बाल सञ्जाल पुर्नगठन/बाल सञ्जाल, क्लबहरुका लागि क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम	५००			५२५			५५१	
७	बाल दिवसका अवसरमा वडा र पालिका स्तरीय बालसञ्जाल मार्फत कार्यक्रम	५००			५२५			५५१	
८	बालश्रम मुक्त वडा तथा पालिका घोषणा/विविध कार्यक्रम	५००			५२५			५५१	
९	बालमैत्री स्थानीय शासन तर्फ लगानी योजना बनाई कार्यक्रम सञ्चालन	१५०	०		१५७५			१६५	
१०	बालमैत्री स्थानीय शासनको सूचक मुल्याङ्कन र अद्यावधिक	३००			३१५			३३१	
११	दलित समुदायहरुका लागि नौमती बाजाको सामाग्री वितरण	२००			२१०			२२१	
१२	बिभिन्न दिवस तथा अभियानहरू	३००			३१५			३३१	
१३	छोरी शिशु जन्म प्रोत्साहन कार्यक्रम (छोरी जन्मेपछि नगद प्रोत्साहन)	५००			५२५			५५१	
१४	आरन व्यवशायीहरूलाई सामाग्री वितरण	३५०			३६७.५			३८६	
१५	गरिब तथा विपन्न ज्येष्ठ नागरिक तथा अपाइगता भएका व्यक्तिहरुका लागि न्यानो कपडा वितरण कार्यक्रम	५००			५२५			५५१	
जम्मा		६६५०	०	०	६९८३	०	०	७३३२	०

८०४४४५०११०५ शिक्षा शाखा (रु. हजारमा )

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूऱ्जिगत	कुल	चालु	पूऱ्जिगत	कुल	चालु	पूऱ्जिगत
१	दरबन्दीमा कार्यरत सबै विद्यालय कर्मचारी, बालविकास सहजकर्ता र सामाजिक परिचालकहरुको लागि स्थानीय तहबाट थप तलबभत्ता अनुदान	७६७६			८०६०			८४६३		
२	गाउँपालिकाको स्वीकृत अस्थायी करार दरबन्दीमा कार्यरत कर्मचारीको सुरक्षित भविष्यको लागि योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा सहितको अस्थायी कल्याणकारी कोष व्यवस्थापन	३००			३१५			३३१		
३	शैक्षिक क्यालेण्डर निर्माण, छपाई एवं वितरण र बारिंग नतिजा विश्लेषण	१००			१०५			११०		

अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

४	वैमासिक समिक्षा सहित गाउँ शिक्षा समिति र प्र.अ. नियमित बैठक सञ्चालन र व्यवस्थापन	३५०		३६८		३८६	
५	स्थानीय पाठ्यक्रम र पाठ्यपूस्तक सम्बन्धित अभियुक्तिकरण कार्यक्रम	२५०		२६३		२७६	
६	गाउँपालिकाको शिक्षा नीति सहितको स्थानीय आवधिक शिक्षा क्षेत्र योजनाको मस्यौदा उपर छलफल, स्वीकृती र प्रकाशन	२००		२१०		२२१	
७	प्रस्तावको आधारमा किशोरकिशोरी तथा युवा सशक्तिकरण, विकास र प्रवर्द्धन कार्यक्रम अनुदान	४००		४२०		४४१	
८	कक्षा ४-८ को बार्षिक परीक्षा र गाउँपालिकास्तरीय आधारभूत शिक्षा (कक्षा-८) उत्तीर्ण परीक्षा सञ्चालन, व्यवस्थापन	६४०		६७२		७०६	
९	९८ दिन महिला शिक्षक सुक्रेती अवधिको लागि स्वयंसेवक शिक्षक व्यवस्थापन अनुदान कार्यक्रम	२५०		२६३		२७६	
१०	राष्ट्रपति रनिङ शिल्ड प्रतियोगिता सञ्चालन र व्यवस्थापन (गाउँपालिकासर)	१०००		१०५०		११०३	
११	विजयी खेलाई सम्मान सहित राष्ट्रपति रनिङ शिल्ड प्रतियोगिता सञ्चालन र व्यवस्थापन (जिल्लास्तर)	३५०		३६८		३८६	
१२	विषयगत रूपमा शिक्षकको निरन्तर पेशागत विकासका लागि संयुक्त विद्यालय अनुगमन तथा सुपरीवेक्षण र मेन्टरिङ सेवा कार्यक्रम	३००		३१५		३३१	
१३	गाउँपालिकाको एकलो उच्च शिक्षा प्रदान गर्ने मुक्तिमार्ग शिक्षा क्याम्पसको शैक्षिक र व्यवस्थापकिय सुधार कार्यक्रम	५००		५२५		५५१	
१४	ICT For foriday अभियान अन्तर्गत बडाको अग्रणी (Lead) विद्यालयको कार्यक्रम प्रस्तावको आधारमा विद्यार्थीका लागि जानसँगै सिपमुखी र आयआर्जनका अवसर सम्बन्धित वृत्ति मार्गदर्शन कार्यक्रम सञ्चालन	५००		५२५		५५१	
१५	अन्नपूर्ण गाउँपालिका स्थानीय पाठ्यक्रम र पाठ्यपूस्तक (परिमार्जनसहित) कक्षा १-८ छपाई तथा वितरण	१२००		१२६०		१३२३	
१६	श्री खिवाइङ आवि शैक्षिक सुधार कार्यक्रम बापत (निजि शिक्षक तलबभत्ता)	२०८		२१८		२२९	
१७	श्री हिमालय आवि शैक्षिक सुधार कार्यक्रम बापत निजि शिक्षक तलबभत्ता	४२०		४४१		४६३	
१८	श्री सर्वादय मावि शैक्षिक सुधार कार्यक्रम बापत निजि शिक्षक तलबभत्ता	१६००		१६८०		१७६४	
१९	श्री पाउद्वार आ वि शैक्षिक सुधार कार्यक्रम बापत (निजि शिक्षक तलबभत्ता)	२०८		२१८		२२९	
२०	हाम्रो विद्यालय राम्रो विद्यालय- हाम्रै पालामा नीति अनुरूप सोतको केन्द्रीकरण र गुणस्तरीय शिक्षालाई प्रवर्द्धन गर्न विद्यार्थी सङ्ख्या कम भएका र भौगोलिक दुरी नजिक भएका सार्वजनिक विद्यालय मर्ज (एकिकरण) तथा प्रोत्साहन अनुदान कार्यक्रम	१०००		१०५०		११०३	

अन्तर्मुक्त गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

२१	सामुदायिक विद्यालयको आधारभूत तह कक्षा ६ मा अध्यनरत विद्यार्थीहरूको लागि पोषणयुक्त दिवा खाजा अनुदान	४६८			४९१			५१६		
२२	माध्यमिक शिक्षा परीक्षा (SEE) परीक्षामा ३.६ वा सो भन्दा माथि GPA प्राप्त गर्ने विद्यार्थीहरूलाई कक्षा ११-१२ अध्ययन छात्रबृति अनुदान	९६			१०१			१०६		
२३	विषयगत शिक्षकको अभाव परिपुर्ति गर्ने AnnapurnaTele Teaching सञ्चालन र व्यवस्थापन	१००			१०५			११०		
	जम्मा	१८११६	०	०	१९०२२	०	०	१९९७३	०	०

८०४४४५०११०७ कुषी शाखा ( रु. हजारमा )

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजि गत	कुल	चालु	पूँजि गत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	फलफुल खेती प्रवर्द्धन	३००			३१५			३३१		
२	माटो शिविर र कृषि चून वितरण	३००			३१५			३३१		
३	चिया खेती प्रवर्द्धन	२००			२१०			२२१		
४	कृषि सम्बन्धी १ दिने स्थलगत तालिम (सेवाटेवा ) सहित	३००			३१५			३३१		
५	गाउँपालिका स्तरिय कृषि तथ्यांक संकलन	२००			२१०			२२१		
६	रैथानेबाली उत्पादन प्रोत्साहन कार्यक्रम	३००			३१५			३३१		
७	रासायनियक, औरिक बिषादी र सुक्ष्म तत्व खरिद	३००			३१५			३३१		
८	तरकारीको बित्र खरिद	४००			४२०			४४१		
९	बीउ आलु खरिद र वितरण (७५% अनुदान)	५००			५२५			५५१		
१०	साना व्यवसायिक स्थापना तथा बिस्तार कार्यक्रम	३००			३१५			३३१		
११	व्यवसायी / कृषि फर्म /कृषक समुहलाई सहुलियतपुर्ण ऋण कार्यक्रम (बैंकलाई व्याज भुक्तानी)	१५००			१५७५			१६५४		
१२	मिनि ट्रिलर खरिद तथा वितरण (५०% अनुदान)	५००			५२५			५५१		
१३	प्लाष्टिक टनेल निर्माण र वितरण (५०% अनुदान )	५००			५२५			५५१		
१४	फलफुल सुदृढिकरण गर्ने कृषि सामाग्री खरिद	३००			३१५			३३१		
	जम्मा	५९००	०	०	६१९५	०	०	६५०५	०	०

८०४४४५०११०८ स्वास्थ्य शाखा ( रु. हजारमा )

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजि गत	कुल	चालु	पूँजि गत	कुल	चालु	पूँजि गत
१	एक्युट माउण्टेण्ट सिकेनेस तालिम (स्वास्थ्यकर्मि तथा व्यवसायी)	३००			३१५			३३१		

अन्तर्विषयक गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

२	म.स्वा.स्व. सेविकाहरूलाई मासिक समिक्षामा खाजा खर्च र प्रोत्साहन मासिक रु १००००	८५०			८९२			९३७	
३	१ विद्यालय १ स्वास्थ्य कर्मि (विद्यार्थी तथा अविभावक स्वास्थ्य शिक्षा तथा परिक्षण)	३००			३१५			३३१	
४	स्वास्थ्य शिविर कार्यक्रम	७००			७३५			७७२	
५	न्यूनतम सेवा मापदण्ड कार्यक्रम संचालन तथा सामग्री व्यवस्थापन	२००			२१०			२२१	
६	गाउँघर विलनिक तथा खोप सेवा संचालनार्थ यातायात खर्च	२५०			२६३			२७६	
७	स्वास्थ्य संस्थाहरु संचालन तथा व्यवस्थापन	५००			५२५			५५१	
८	पालिकाका जनप्रतिनिधीसंग सुनौला १००० टिनका आमाहरु	३७०			३८९			४०८	
९	गर्भवती तथा सुत्केरी आमाहरुको लागि निशुल्क भिडीयो एक्सरे तथा ल्याव सेवा व्यवस्थापन	२५०			२६३			२७६	
१०	आयुर्वेदिक औषधी खरिद	५००			५२५			५५१	
११	निशुल्क वितरणको लागि औषधि तथा औषधीजन्य मालसामानहरूको व्यवस्थापन	२०००			२१००			२२०५	
१२	५ शैया अस्पताल / स्वास्थ्य चौकी (दोबा र हिस्तान औला) को लागि सामग्री व्यवस्थापन	८००			८४०			८८२	
१३	स्वास्थ्य संस्थाहरूमा गेट तथा सन्देशमुलक बोर्डहरु निर्माण	१०००			१०५०			११०३	
१४	स्वास्थ्य संस्थाहरूको लागि ल्याव उपकरण तथा अन्य व्यवस्थापन	५००			५२५			५५१	
जम्मा		८५२०	०	०	८९४६	०	०	९३९३	०

८०४४४५०११०९ पशु शाखा (रु. हजारमा)

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	पशु स्वास्थ्य चेकजाँच तथा भाले कुकुर बन्द्याकरण घरदैलो कार्यक्रम	२००			२१०			२२१		
२	घाँसको बित बेना वितरण कार्यक्रम (८७% अनुदान)	३००			३१५			३३१		
३	घुम्ति गोठका लागि अत्यावश्यक सामग्री वितरण कार्यक्रम (५०% अनुदान)	३००			३१५			३३१		
४	पशुपन्छीमा आन्तरिक तथा बाह्य परजीवि नियन्त्रण घरदैलो कार्यक्रम	२००			२१०			२२१		
५	गार्डभैंसीमा नश्त सुधार तथा कृत्रिम गर्भधान विस्तार कार्यक्रम	५००			५२५			५५१		
६	थुनेलो परिक्षण शिविर कार्यक्रम	१००			१०५			११०		
७	पशुपन्छी तथा मत्स्यका लागि खोप, औषधी तथा औषधीजन्य सामग्री खरिद निःशुल्क वितरण	१२००			१२६०			१३२३		
८	उत्पादनमा आधारित प्रोत्साहन कार्यक्रम	७५०			७८८			८२७		
९	वडास्तरीय गार्डभैंसी, भेडाबासा पालन सम्बन्धी स्थलगत २ दिने तालिम	२००			२१०			२२१		
१०	समिक्षा तथा रिपोर्टिङ बैठकका लागि खाजा र भता	१००			१०५			११०		

अन्तर्मुक्त गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

११	माछामासु तथा डेरी पसल निर्माण/सुधार कार्यक्रम (५०% अनुदान)	४००			४२०			४४१	
१२	पशुपन्थीका लागी गोठ -खोर (भकारो) सुधार कार्यक्रम (५०% अनुदान)	१०००			१०५०			११०३	
१३	पशु सेवामा प्रयोग हुने औजार उपकरण खरिद कार्यक्रम	१००			१०५			११०	
	जम्मा	५३५०	०	०	५६१८	०	०	५८९८	०

८०४४४७०१११४ उद्योग शाखा ( रु. हजारमा )

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूजिगत	कुल	चालु	पूजिगत	कुल	चालु	पूजिगत
१	सीप परिक्षण सहायता	३००			३१५			३३१		
२	व्यवसायीहरूसंग अन्तर्किया कार्यक्रम	२००			२१०			२२१		
	जम्मा	५००	०	०	५२५	०	०	५५१	०	०

८०४४४७०१११५ रोजगार शाखा ( रु. हजारमा )

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूजिगत	कुल	चालु	पूजिगत	कुल	चालु	पूजिगत
१	उपल्लो नागी मोटर बाटो सोलिङ निर्माण आयोजना (वडा नं. C) (श्रोत-गाउँपालिका, प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत साझेदारी रकम)	५७२			६००.६			६३०.६३		
२	खिवाड्ग देखि सिरि भरानी मन्दिर जाने गोरेटो बाटो निर्माण (श्रोत-गाउँपालिका, प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत साझेदारी रकम)	६००			६३०			६६१.५		
३	बिरौटामा पैदलबाटो निर्माण (श्रोत-गाउँपालिका, प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत साझेदारी रकम)	५८०			६०९			६३९.४५		
४	(प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत साझेदारी रकम) रोजगार आयोजना को लागी स्थानिय तहबाट शतप्रतिशत साझेदारी हुनुपर्ने	४४८			४७०.४			४९३.९२		
५	कालिदह गोरेटो बाटो निर्माण आयोजना - (वडा नं. C) (श्रोत-गाउँपालिका, प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत साझेदारी रकम)	८००						०		
	जम्मा	३०००	०	०	२३१०	०	०	२४२५.५	०	०

८०४४४५०१२०१ अन्नपूर्ण गाउँपालिकावडा नं.१ (रु. हजारमा )										
क्र.सं	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	कैलाश मा.वि. यु.रे.स. तथा बालकलब कार्यक्रम	५००			५२५			५५१		
२	भेडाबास्रामा आन्तरिक तथा बाह्य परजीवी नियन्त्रण कार्यक्रम	५०			५३			५५		
३	सल्लेनी-पल्लफाँट मोटरबाटो स्तरोन्नती	१२० ०			१२६ ०			१३२३		
४	खबलाइग सुनारी झोलुइगे पुल मर्मत	२०० ०						०		
५	लामचुका खानेपानी ट्याइडकी संरक्षण	३००						०		
६	माराका स्टेज निर्माण	८५०						०		
७	कैलाश मा.वि. घेराबार	८००						०		
८	मोटरबाटो मर्मत तथा सरसफाई	५०			५३			५५		
९	धौलागिरी आइस फल्स पर्यटन पदमार्ग निर्माण	१०० ०			१०५ ०			११० ३		
१०	मणि बराही युवा क्लब स्टेज निर्माण	८००						०		
जम्मा		७५५ ०	०	०	२९४ ०	०	०	३०८ ७	०	०

८०४४४५०१२०२ अन्नपूर्ण गाउँपालिकावडा नं.२ (रु. हजारमा )										
क्र.सं	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	मागमा आधारित सीपमूलक तालिम	१५०			१५८			१६५		
२	सर्वोदय मा वि भवन मर्मत	१५००						०		
३	कृषि पशु क्षेत्र प्रवर्द्धन कार्यक्रम	२००			२१०			२२१		
४	भुरुड खोलामा ट्रस पुल निर्माण	६००						०		
५	चिसा पानीकृषि सङ्करण कार्यक्रम	६००			६३०			६६२		
६	आचारी खेल स्टेज तथा खेल मैदान	६००						०		
७	मान्देढुइगा गोरेटो बाटो स्तरोन्नती	५००			५२५			५५१		
८	किम्लाखर्कमा गोरेटो बाटो निर्माण	१५०						०		
९	गाउँघर क्लिनिक कोठा निर्माण	४००						०		
१०	भुरुड तातोपानी स्वास्थ्य चौकी व्यवस्थापन	१३००			१३६५			१४३३		
११	गाढापानी गोरेटोबाटो तथा देतराली सिढी निर्माण	४००						०		
१२	कटौजे गोरेटोबाटो निर्माण	३००						०		
१३	मोटरबाटो सरसफाई योजना	५००			५२५			५५१		
१४	पाउँदर कुण्ड जाने बाटो निर्माण	४००						०		
१५	नरनारायण शन्त सेवाश्रम संरक्षण	३००						०		
१६	ठूलोबगर स्टेज कोठा तथा प्याराफिट निर्माण	३००						०		

जम्मा	८२००	०	०	३४९३	०	०	३५८३	०	०
-------	------	---	---	------	---	---	------	---	---

८०४४४५०१२०३ अन्नपूर्ण गाउँपालिकावडा नं.३( रु. हजारमा )

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	दाना वडा कार्यालय सामाग्री खरिद	२००			२१०			२२१		
२	ज्योति चर्च सामाग्री खरिद	१००						०		
३	रुप्से संगम क्लब भवन निर्माण	१३००						०		
४	दाना स्वास्थ्य चौकी रहगरोगब तथा सिलिङ्ग निर्माण	६००			६३०			६६२		
५	चौतारा देखि कोट सम्म गोरेटोबाटो निर्माण	१०००						०		
६	घट्टेडाँडा मोटरबाटो स्टरोनन्ती	१०००			१०५०			११०३		
७	ठारा देखि हकेलेड सम्म गोरेटोबाटो निर्माण	८००						०		
८	लाठो खोला देखि काढेडाँसम्म गोरेटो बाटो निर्माण	४००						०		
९	मोटरबाटो सरसफाई तथा मर्मत (वडा नं. ३)	५००			५२५			५५१		
१०	ढंडुडङ्गे देखि काढे गाँड सम्म गोरेटोबाटो निर्माण	१०००						०		
११	नाउरकुना देखि ठारेस्वरा सम्म गोरेटोबाटो निर्माण	५००						०		
१२	लरेनी खोला नियन्त्रण	५००			५२५			५५१		
१३	शिवालय मन्दिर तारबार (वडा नं. ३)	३००						०		
१४	दाना युवा क्लबको ग्राउण्ड तारबार	१०००						०		
जम्मा		८४००	०	०	२९४०	०	०	३०८७	०	०

८०४४४५०१२०४ अन्नपूर्ण गाउँपालिकावडा नं.४( रु. हजारमा )

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	उद्योषण क्षमता अभिवृद्धि तालिम वडा नं ४	१५०			१५८			१६५		
२	अन्नपूर्ण पर्यटन महोत्सव	१०००			१०५०			११०३		
३	कृषि पशु पंक्षी उत्पादन प्रवद्धन	३००			३१५			३३१		
४	अन्नपूर्ण आधार शिविरमा वृक्षारोपण तथा मूर्ति निर्माण	२००						०		
५	नौमती बाजा संरक्षण तालिम वडा नं ४	१००			१०५			११०		
६	निलगिरी आ.वि. घराप छाना मर्मत	२००						०		
७	प्रभा मा.वि. छात्रावास व्यवस्थापन	५००			५२५			५५१		

अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

८	मिल खरिद अनुदान वडा नं ४	२००						०	
९	सार्वजनिक शैयालय निर्माण वडा नं ४	१५०						०	
१०	ठारेस्वारा छारा कुना ठाठी निर्माण	३५०						०	
११	हुमखोला शिव मन्दिर बौद्धगुम्बा संरक्षण	३००			३१५			३३१	
१२	सामुदायिक भवन निर्माण	१८००						०	
१३	फोहोर व्यवस्थापन टरली खरिद	३००			३१५			३३१	
१४	बगर टोल गोरेटो बाटो स्तर उन्नती	७००						०	
१५	पटार गोरेटो बाटो निर्माण	२५०						०	
१६	कुकुरपानी मोटर बाटो स्तर उन्नती	७००						०	
१७	कोच्चेपानी मोटर बाटो निर्माण	१०००						०	
१८	गाडपार देखि डाढा घर सम्म गोरेटोबाटो ढलान	३५०						०	
१९	मोटरबाटो (नारच्याङ्ग) सरसफाई तथा मर्मत	५००			५२५			५५१	
२०	स्वास्थ्य चौकी धारा निर्माण	५०						०	
२१	फोहोर व्यवस्थापन जग्गा निर्माण	३००						०	
२२	अन्नपूर्ण आधार शिविर तथा पदमार्ग व्यवस्थापन	२०००			२१००			२२०	
	जम्मा	११४०	०	०	५४०	०	०	५६७	०
									०

८०४४४५०१२०५ अन्नपूर्ण गाउँपालिकावडा नं.५(रु. हजारमा )

क्र.सं	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान		आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण		आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण				
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	वडा कार्यालय व्यवस्थापन (५ नं. वडा)	३००			३१५			३३१		
२	मागमा आधारित पशुको औषधी खरिद (वडा नं. ५)	५०			५३			५५		
३	पाउद्वार मा.वि. व्यवस्थापन	५००						०		
४	पाउद्वार स्वास्थ्य इकाई व्यवस्थापन	४००			४२०			४४१		
५	पाउद्वार हरिहर मन्दिरमा सोलार खरिद	१००						०		
६	नेपाल रेडक्रस सोसाईटि शिखको कार्यालय छाना मर्मत	१००						०		
७	विपद् व्यवस्थापन (५ नं. वडा)	३००			३१५			३३१		
८	डाँडा गाउँ आमा समूहको भवन ढलान	६००						०		
९	पाउद्वार आमा समूहको भवन ढलान	६००						०		
१०	फलाटे घोप्टेखर्क गोरेटो बाटो निर्माण	१२००						०		
११	५ नं. वडा भित्रको बाटो सरसफाई तथा मर्मत	५००			५२५			५५१		
१२	तल्लो शिख बाटो ढलान	६००						०		
१३	कालीगण्डकीमा शब लैजाने बाटो निर्माण	६००						०		
१४	छहरे झरना जाने गोरेटो बाटो	५००						०		
१५	घारखोला नेपाने सडक सोलिङ्ग तथा ढल निर्माण	४००						०		
१६	पाउद्वार तल्लो गाउँमा बाटो मर्मत तथा ढलान	६००						०		
१७	गोनपानीबाट पाउद्वार तातोपानी कुण्ड जाने बाटोमा गोरेटो बाटो निर्माण	२००						०		
१८	आर्यधाटमा खानेपानी ट्यांकी निर्माण (वडा नं. ५)	१००						०		

अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

१९	न्यू कान्छी बराही युवाक्लव खेलमैदान स्तरोन्नती	१८००			१८९०			१९८	५		
	जम्मा	१४५०	०	०	३५१८	०	०	३६९३	०	०	

८०४४४५०१२०६ अन्नपूर्ण गाउँपालिकावडा नं.६( रु. हजारमा )											
क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण			
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	
१	खिवाड्ग आमा समूह ड्रेस प्रवर्द्धन	२००			२१०			२२१			
२	मुक्ति मार्ग मा.वि. खेलकुद सामाग्री खरिद	१००			१०५			११०			
३	नौमती बाजा संरक्षण (वडा नं. ६)	२००						०			
४	पोखरेबगर आमा समूह सामान खरिद	२००			२१०			२२१			
५	मुक्तिमार्ग मा.वि. स्मार्ट बोर्ड व्यवस्थापन	५००						०			
६	भुवानी आ.वि. कक्षाकोठा निर्माण	४४४						०			
७	कोटपाखा आमा समूह ढलान तथा रेलिङ्ग निर्माण	७००						०			
८	वडा कार्यालय धेराबार शैचालय निर्माण (वडा न. ६)	५५०						०			
९	खिबाड्ग टोलबस्ती पैदल बाटो निर्माण आयोजना	५००						०			
१०	मोटरबाटो सरसफाई तथा मर्मत (वडा नं. ६)	४००			४२०			४४१			
११	चिनेबाट खोलाबाड्ग मोटरबाटो	५००			५२५			५५१			
१२	पुनहिल साईक्लिङ्ग	६००						०			
१३	घोरेपानी देउराली पैदल बाटो मर्मत	४००						०			
१४	बैसरी कृषि सडक मर्मत	५००						०			
१५	कुरमुनि खानेपानी धारा निर्माण	२००						०			
१६	खिवाड्ग आ.वि. शैचालय निर्माण	४९६						०			
१७	मुक्तिपथ आ.वि. शैचालय रंगरोगन तथा भुई ढलान	४५०						०			
१८	घार बैसरी रेलिङ्ग निर्माण	३००						०			
१९	घार खेल मेदान निर्माण	२०००						०			
२०	पोखरेबगर प्रतिक्षालय निर्माण	३००						०			
		१५४०	०	०	१४७०	०	०	१५४३.५	०	०	

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	आन्तरिक तथा बाह्य परजीवी नियन्त्रण कार्यक्रम (वडा नं. ७)	१००			१०५			११०		
२	वडागत सचेतना कार्यक्रम (वडा नं. ७)	१००			१०५			११०		
३	टिकोट मा.वि. घारबार	४००						०		
४	गिद्धेश्वर मन्दिर पूर्वाधार निर्माण	१५००						०		

अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

५	सोबन्दे मोटरबाटो निर्माण	९००						०	
६	औल बैंसरी सडक स्तरीकरण	१२००			१२६०			१३२३	
७	मोटरबाटो सरसफाई तथा मर्मत आयोजना (वडा नं. ७)	५००			५२५			५५१	
८	घराम्दी दोभान खानेपानी ट्यांकी निर्माण	४००						०	
९	भरमाला कलभर्ट निर्माण	७००						०	
१०	आदर्श मा.वि. फाइवर बोर्ड खरिद तथा जडान	१००						०	
११	महाभिर खेल मैदान निर्माण	९००						०	
१२	पर्यटन सूचना पाठी निर्माण (वडा नं. ७)	१००						०	
१३	रिमा स्टेज, गोरेटो बाटो एवं शौचालय निर्माण	१८० ०						०	
	जम्मा	८७० ०	०	०	१९९५	०	०	२०९५	०

८०८४४५०१२०८ अन्नपूर्ण गाउँपालिकावडा नं.८( रु. हजारमा )

क्र.सं	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	लाली गुरास युवा क्लबलाई पोषाक खरिद	२००						०		
२	नागरिक सचेतना कार्यक्रम	१००			१०५			११०		
३	कर्पोरेली मन्दिर धारा निर्माण	३००						०		
४	नागी निगाला हस्तकला समुह स्तरोन्नती	१००			१०५			११०		
५	अपांगता लक्षित खोर निर्माण तथा चल्ला वितरण कार्यक्रम (वडा नं. ८)	२००			२१०			२२१		
६	नागी सामुदायिक लज संरक्षण आयोजना	३००			३१५			३२१		
७	न्यु देउराली युवा क्लब भवन सिलिङ निर्माण आयोजना	३००						०		
८	राम्चे शाखा सडक बिस्तार आयोजना	४००						०		
९	तल्लो खोर मोटरबाटो सोलिङ निर्माण आयोजना	६००						०		
१०	मोटरबाटो सरसफाई योजना (वडा नं. ८)	५००						०		
११	मर्ना काउले शिरबारी सडक मर्मत आयोजना	१३००						०		
१२	नागी बन्बडे मोटरबाटो निर्माण (जलजला गापासंग साइरेदारी कार्यक्रम)	५००						०		
१३	राम्चे आलडांडा सडक सोलिङ आयोजना	७००						०		
१४	बछान लिस्ने सडक बिस्तार आयोजना	२०००						०		
१५	दलित बस्ति गोरेटो बाटो निर्माण योजना (वडा नं. ८)	३००						०		
१६	धारा पानी गोरेटो बाटो निर्माण आयोजना	३००						०		
		८१००	०	०	७३५	०	०	७७२	०	०

८०४४४५०१५११ संघीय सरकारबाट हस्तान्तरित कार्यक्रम (शास्ति अनुदान) (रु. हजारमा)

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	स्थानीय तहका MIS Operator को लागत साझेदारी अन्तर्गत संघीय सरकारले व्यहोर्ने ७ महिनाको पारिश्रमिक बापतको रकम (बाँकी ६ महिनाको सम्बन्धित स्थानीय तहले व्यहोर्ने)	२४९			२६१			२७५		
२	प्रारम्भिक बाल विकास सहजकर्ताहरुको पारिश्रमिक तथा विद्यालय कर्मचारी व्यबस्थापन अनुदान	९०४६			९४९८			९९७३		
३	रोजगार संयोजकको तलब	५६८			५९६			६२६		
४	माध्यमिक तहका स्वीकृत दरवन्दीका शिक्षक, राहत अनुदान शिक्षक लागि तलब भत्ता अनुदान (विशेष शिक्षा परिषद अन्तरगतका शिक्षक/कर्मचारी, प्राविधिक धारका प्रशिक्षक समेत)	४२१			४४२			४६४		
५	प्रारम्भिक बाल विकास सहजकर्ताहरुको पारिश्रमिक तथा विद्यालय कर्मचारी व्यबस्थापन अनुदान	२७२४			२८६०			३००३		
६	स्थानीय तहका स्वास्थ्य शाखा, स्वास्थ्य चौकी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, अस्पताल तथा आयुर्वेद औषधालयहरुमा कार्यरत स्थायी कर्मचारीहरुको स्वीकृत दरवन्दी अनुसारको तलब, महगी भत्ता र पोषाक भत्ता	३५७००			३७४८५			३९३५९		
७	मनोसामाजिक परामर्शकर्ता (सहायक पाचों तह) को करार सेवा शुल्क (५० प्रतिशत रकम संघ सरकार मार्फत विनियोजन )	२०६			२१६			२२७		
८	आधारभूत तहका स्वीकृत दरवन्दीका शिक्षक, राहत अनुदान शिक्षकका लागि तलब भत्ता अनुदान (विशेष शिक्षा परिषद अन्तरगतका शिक्षक/कर्मचारीहरु समेत)	९३४००			९८०७०			१०२९७		
९	उदयम विकास सहजकर्ताहरुको पारिश्रमिक (एकमुष्ट)	४७०			४९४			५१८		
१०	कृषि तथा पशु सेवाका एक गाँड एक प्राविधिकहरुको तलब भत्ता	१०५५			११०८			११६३		
११	स्थानीय तहका फिल्ड सहायकको लागत साझेदारी अन्तर्गत संघीय सरकारले व्यहोर्ने ७ महिनाको पारिश्रमिक बापतको रकम (बाँकी ६ महिनाको सम्बन्धित स्थानीय तहले व्यहोर्ने)	२३१			२४३			२५५		

अन्तर्मुक्त गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८२/८३)

१२	प्रारम्भिक बाल विकास सहजकर्ताहरूको पारिश्रमिक तथा विद्यालय कर्मचारी व्यवस्थापन अनुदान	१३७५		१४४४		१५१६	
१३	एम.आई.एस.अपरेटर र फिल्ड सहायक पोशाक भत्ता	२०		२१		२२	
१४	रोजगार संयोजकको पोसाक	१०		११		११	
१५	स्थानीय तह कार्यक्रम कार्यान्वयन समितिको बैठक व्यवस्थापन खर्च	२०		२१		२२	
१६	नियमित तथ्याङ्कको गुणस्तर वृद्धिका लागि स्वास्थ्य संस्थाहरूको मासिक बैठक, डाटा भेरिफिकेशन तथा ड्यालिडेशन एवम् अर्धबार्षिक र बार्षिक समिक्षा	२००		२१०		२२१	
१७	राष्ट्रिय महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका कार्यक्रम (पोसाक प्रोत्साहन र यातायात खर्च)	१६००		१६८०		१७६४	
१८	तोकिएका विद्यार्थीको दिवा खाजाका लागि विद्यालयलाई अनुदान	२३८१		२५००		२६२५	
१९	रोजगार सेवा केन्द्र सञ्चालन खर्च (मस्सलन्द, अनुगमन/इन्धन, रोजगारीमा खटिनु पूर्व अभिमुखिकरण, अन्य विविध खर्च)	१००		१०५		११०	
२०	महिला सामुदायिक स्वास्थ्य स्वयम्भेविकाहरूलाई नसर्ने रोग तथा मानसिक स्वास्थ्य सम्बन्धि अभिमुखीकरण	६०		६३		६६	
२१	शैक्षिक पहुँच सुनिश्चितता, अनौपचारिक तथा वैकल्पिक शिक्षा कार्यक्रम (परम्परागत विद्यालय, वैकल्पिक विद्यालय, साक्षरता र निरन्तर शिक्षाका कार्यक्रम समेत)	१३४३००		१४१०१५		१४८०६	
२२	मानसिक स्वास्थ्य प्रवर्धन तथा आत्माहत्या रोकथाम सम्बन्धि जनचेतना कार्यक्रम	५०		५३		५५	
२३	बिषादी सचेतना कार्यक्रम	१००		१०५		११०	
२४	शैक्षिक सुशासनका लागि सस्थागत क्षमता विकास, विद्यार्थी परीक्षण मुल्याङ्कन, शिक्षक मेन्टरिङ तथा विद्यालय सुपरिवेक्षण	६८०		७१४		७५०	
२५	शैक्षिक सुशासनका लागि सस्थागत क्षमता विकास, विद्यार्थी परीक्षण मुल्याङ्कन, शिक्षक मेन्टरिङ तथा विद्यालय सुपरिवेक्षण	२०५		२१५		२२६	
२६	बिश्व रक्तचाप दिवस तथा आत्माहत्या न्यूनीकरण दिवस मनाउने	२०		२१		२२	
२७	रोजगार संवाद मञ्चको सञ्चालन	२५		२६		२८	
२८	शैक्षिक सुशासनका लागि सस्थागत क्षमता विकास, विद्यार्थी परीक्षण मुल्याङ्कन, शिक्षक मेन्टरिङ तथा विद्यालय सुपरिवेक्षण	१०२		१०७		११२	

अन्तर्मुक्त गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

२९	शैक्षिक पहुँच सुनिश्चितता, अनौपचारिक तथा वैकल्पिक शिक्षा कार्यक्रम (परम्परागत विद्यालय, वैकल्पिक विद्यालय, साक्षरता र निरन्तर शिक्षाका कार्यक्रम समेत)	२०१		२११		२२२	
३०	शैक्षिक पहुँच सुनिश्चितता, अनौपचारिक तथा वैकल्पिक शिक्षा कार्यक्रम (परम्परागत विद्यालय, वैकल्पिक विद्यालय, साक्षरता र निरन्तर शिक्षाका कार्यक्रम समेत)	४०६		४२६		४४८	
३१	मनोसामाजिक परामर्शकर्ताको दैनिक आमन भत्ता तथा यातायात र सञ्चार खर्च	९०		९५		९९	
३२	विद्यालयमा शैक्षिक गुणस्तर सुदृढीकरण एवम् कार्यसम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन अनुदान	२३७		२४९		२६१	
३३	विद्यालय सञ्चालन तथा व्यवस्थापन अनुदान	२७६		२९०		३०४	
३४	माध्यमिक तह कक्षा (९-१०) मा अंग्रेजी,गणित र विज्ञान विषयमा शिक्षण सहयोग अनुदान	३९८		४१८		४३९	
३५	विद्यालयमा शैक्षिक गुणस्तर सुदृढीकरण एवम् कार्यसम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन अनुदान	४७८		५०२		५२७	
३६	प्रति विद्यार्थी लागतका आधारमा सिकाइ सामग्री तथा डिजिटल सिकाइ समावित व्यवस्थाका लागि विद्यालयलाई अनुदान	६७		७०		७४	
३७	विद्यालय सञ्चालन तथा व्यवस्थापन अनुदान	५५७		५८५		६१४	
३८	प्रति विद्यार्थी लागतका आधारमा सिकाइ सामग्री तथा डिजिटल सिकाइ समावित व्यवस्थाका लागि विद्यालयलाई अनुदान	९३४		९४१		९४८	
३९	विद्यालयमा शैक्षिक गुणस्तर सुदृढीकरण एवम् कार्यसम्पादनमा आधारित प्रोत्साहन अनुदान	१५८५		१६६४		१७४७	
४०	माध्यमिक तह कक्षा (९-१०) मा अंग्रेजी,गणित र विज्ञान विषयमा शिक्षण सहयोग अनुदान	१२०		१२६		१३२	
४१	विद्यालय सञ्चालन तथा व्यवस्थापन अनुदान	१८४७		१९३९		२०३६	
४२	माध्यमिक तह कक्षा (९-१०) मा अंग्रेजी,गणित र विज्ञान विषयमा शिक्षण सहयोग अनुदान	६०		६३		६६	
४३	प्रति विद्यार्थी लागतका आधारमा सिकाइ सामग्री तथा डिजिटल सिकाइ समावित व्यवस्थाका लागि विद्यालयलाई अनुदान	४४५		४६७		४९१	

अन्तर्मुक्त गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

४४	सार्वजनिक विद्यालयका विद्यार्थीहरुका लागि निशुल्क पाठ्यपुस्तक अनुदान (स्थानीय विषय/मातृभाषाको समेत)	२६३		२७६			२९०	
४५	आधारमुत तह कक्षा (६-८) मा अंग्रेजी,गणित र विज्ञान विषयमा शिक्षण सहयोग अनुदान	९५		१००			१०५	
४६	आ.व. २०८१/८२ मा स्थापना भएका पकेट विकास कार्यक्रमको निरन्तरता	६००		६३०			६६२	
४७	गरिबी निवारणका लागि लघु उद्यम विकास कार्यक्रम संचालन निर्देशिका, २०७७ बमोजिम लघु उद्यम विकास मोडेलमा नयाँ लघु उद्यमी सिर्जना गर्ने	२४०		२५२			२६५	
४८	पशुपन्छिमा महामारी/आकस्मिक रोग नियन्त्रण कार्यक्रम	५०		५३			५५	
४९	स्वास्थ्य चौकी (आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र) को न्युनतम सेवा मापदण्ड कार्यक्रम (अभिमुखीकरण, समिक्षा, फलो अप , अनुगमन तथा सुदृढिकरण समेत )	१०८		११३			११९	
५०	गरिबी निवारणका लागि लघु उद्यम विकास कार्यक्रम संचालन निर्देशिका, २०७७ बमोजिम उद्यमीको स्तरोन्नती (आवश्यकता पहिचानका आधारमा पुनर्ताजगी र एडभान्स सीप विकास तालिम कार्यक्रम)	५०		५३			५५	
५१	कृषि, पशुपन्छी तथा मत्स्य तथ्याकृं अध्यावधिक कार्यक्रम	४५		४७			५०	
५२	CBIMNCI कार्यक्रम (कार्यक्रम समिक्षा, स्थलगत अनुशिष्टण)	१००		१०५			११०	
५३	किसान सूचीकरण कार्यक्रम	२००		२१०			२२१	
५४	सम्भाव्य उत्पादनको उत्पादकत्व र बजार प्रतिस्पर्धा बढाइ गर्नका लागि कम्तिमा ५ जनाको समुहमा प्रबिधि हस्तान्तरण	१४०		१४७			१५४	
५५	आधारमुत तह कक्षा (६-८) मा अंग्रेजी,गणित र विज्ञान विषयमा शिक्षण सहयोग अनुदान	६३६		६६८			७०१	
५६	समुदाय स्तरमा नसर्ने रोग सम्बन्धित स्क्रिनिङ (फागुन महिना) तथा जनचेतना कार्यक्रम सञ्चालन	१५०		१५८			१६५	
५७	सार्वजनिक विद्यालयका विद्यार्थीहरुका लागि निशुल्क पाठ्यपुस्तक अनुदान (स्थानीय विषय/मातृभाषाको समेत)	१३०		१३७			१४३	
५८	आधारमुत तह कक्षा (६-८) मा अंग्रेजी,गणित र विज्ञान विषयमा शिक्षण सहयोग अनुदान	१९२		२०२			२१२	
५९	सार्वजनिक विद्यालयका विद्यार्थीहरुका लागि निशुल्क पाठ्यपुस्तक अनुदान (स्थानीय विषय/मातृभाषाको समेत)	८७०		९१४			९५९	

अन्तर्मुखीकरण कार्यक्रम संचयना (२०८१/८२-२०८३/८४)

६०	स्थानीय तह मार्फत मातृ तथा नवशिशु कार्यक्रम सञ्चालन	१०९९			११५४			१२१२	
६१	स्थानीय तहमा वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका व्यक्तिहरूसँग वैदेशिक रोजगारी सम्बन्धी अभिमुखीकरण कार्यक्रम	४२			४४			४६	
६२	SaMi कार्यक्रम (चौथो) चरणको कार्यान्वयन मोडालिटि सम्बन्धमा अभिमुखीकरण कार्यक्रम	५०			५३			५५	
६३	स्थानीय तह/रोजगार सेवा केन्द्रद्वारा समुदायस्तरमा सुरक्षित वैदेशिक रोजगारी सम्बन्धी अभिमुखीकरण तथा सूचना प्रवाह कार्यक्रम	७२			७६			७९	
६४	स्थानीय तह तर्फ मातृ तथा नवशिशु कार्यक्रम अन्तर्गत आमा सुरक्षा, गर्भवती उत्प्रेरणा सेवा, रक्तसंचार, न्यानो झोला, सुरक्षित निशुल्क गर्भपतन र नवजात शिशुको निशुल्क उपचार कार्यक्रम	३००			३१५			३३१	
६५	मृगौला प्रत्यारोपण गरेका, डायबाइसिस गराइरहेका, क्यासर रोगी र मेरुदण्ड पक्षधातका विरामीहरूलाई औषधि उपचार खर्च बापत मासिक रु ५ हजार दरले उपलब्ध गराइने रकम	१६४०			१७२२			१८०८	
६६	आन्तरीक रोजगारी प्रवर्द्धनका लागि वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका व्यक्तिहरूलाई उद्यमशिलता प्रवर्द्धन कार्यक्रम	१००			१०५			११०	
६७	स्थानीय तहको विषयगत समिति/शाखा (श्रम तथा रोजगार, स्वास्थ्य, सहकारी, जेसी सम्पर्क व्यक्ति, रोजगार संयोजक, न्यायिक समिति, अनुगमन समिति) सँग वैदेशिक रोजगारी सम्बन्धी सेवालाई संस्थागत गर्ने सम्बन्धमा अभिमुखीकरण तथा अन्तर्राष्ट्रिय कार्यक्रम	२०			२१			२२	
६८	रोजगार आयोजना सञ्चालनको लागि ज्याला रकम (क्रियाकलाप कार्यान्वयनको लागि स्थानीय तहले कम्तीमा शतप्रतिशत रकम साझेदारी गर्नुपर्नेछ।)	२९७२			३१२१			३२७७	
६९	स्थानीय तहको साझेदारीमा नियमित खोप सुदृढीकरण, नियमित खोपमा विद्यालय केन्द्रित खोप अभियान सञ्चालन, सरसफाई प्रवर्द्धन कार्यक्रम निरन्तरता, खोपबाट बचाउन सकिने रोगहरूको खोजपड्नाल तथा निगरानी, पूर्ण खोप सुनिश्चितता र दिगोपनाका लागि व्यवस्थापन खर्च	६३३			६६५			६९८	
७०	म स्वास्थ्य मेरो सामुदाय स्वास्थ्य घरटोलमा स्वास्थ्य प्रवर्द्धन कार्यक्रम	४६०			४८३			५०७	

अन्तर्मुक्त गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८२/८३)

७१	श्रमको सम्मान राष्ट्रको अभियान सम्बन्धी क्रियाकलाप संचालन	२५		२६		२८	
७२	किशोरकिशोरी स्वास्थ्य सेवा	९०		९५		९९	
७३	जुनोटिक रोगहरू, AMR सम्बन्धि पैरवी तथा अभिमूखिकरण कार्यक्रम, AMR Day, Rabies Day	२०		२१		२२	
७४	सामुदायिक विद्यालयका छात्राहरूलाई निशुल्क स्यानिटरी प्याड व्यवस्थापन	४७		४९		५२	
७५	तोकिएका विद्यार्थीको दिवा खाजाका लागि विद्यालयलाई अनुदान	३५६		३७४		३९२	
७६	परिवार योजना सेवा	६०		६३		६६	
७७	आयुर्वेद सेवा कार्यक्रम (आयुर्वेद औषधालय)	६००		६३०		६६२	
	क्षयरोगका जोखिम समुह तथा स्वास्थ्य सेवाको पहुच कम भएका समुदायमा सकृद क्षयरोग खोजपडताल कार्यक्रम र पि.बि.सि बिरामीका घरपरिवारका सदस्यहरूको सम्पर्क परिक्षण	१०५		११०		११६	
८१	पोषण कार्यक्रम	४८४		५०८		५३४	
८०	पोषणमैत्री स्थानीय शासन प्रवर्द्धन	३००		३१५		३३१	
८१	आकस्मिक अवस्थामा औसधि एवं ल्याब सामाग्री ढुवानी र स्थलगत अनुशिक्षण तथा सुपरिवेक्षण तथा क्षयरोग कार्यक्रमको योजना तर्जुमा तथा कोहर्ट विश्लेषण	९५		१००		१०५	
८२	प्रजनन रुग्णता स्वास्थ्य सेवा	१३४		१४१		१४८	
८३	सामुदायिक विद्यालयका छात्राहरूलाई निशुल्क स्यानिटरी प्याड व्यवस्थापन	३१२		३२८		३४४	
८४	तोकिएका विद्यार्थीको दिवा खाजाका लागि विद्यालयलाई अनुदान	७१९		७५५		७९३	
८५	सामुदायिक विद्यालयका छात्राहरूलाई निशुल्क स्यानिटरी प्याड व्यवस्थापन	९४		९९		१०४	
८६	कुकुरमा रेबिज नियन्त्रण कार्यक्रम	५०		५३		५५	
८७	सार्वजनिक विद्यालयमा अध्ययनरत विद्यार्थीहरूका लागि छात्रवृत्ति (आवासीय तथा गैरआवासीय)	३४		३६		३७	
८८	विपन्न लक्षित छात्रवृत्तिकालागि छनौट भएका (कक्षा ६-१२ मा अध्ययनरत) विद्यार्थीका लागि छात्रवृत्ति	२०		२१		२२	
८९	सार्वजनिक विद्यालयमा अध्ययनरत विद्यार्थीहरूका लागि छात्रवृत्ति (आवासीय तथा गैरआवासीय)	२२५		२३६		२४८	
९०	सार्वजनिक विद्यालयमा अध्ययनरत विद्यार्थीहरूका लागि छात्रवृत्ति (आवासीय तथा गैरआवासीय)	६८		७१		७५	
९१	विपन्न लक्षित छात्रवृत्तिकालागि छनौट भएका (कक्षा ६-१२ मा अध्ययनरत) विद्यार्थीका लागि छात्रवृत्ति	१३२		१३९		१४६	

अन्नपूर्ण गाउँपालिकाको मध्यमकालीन खर्च संरचना (२०८१/८२-२०८३/८४)

१२	विपन्न लक्षित छात्रवृत्तिकालागि छनौट भएका (कक्षा ६-१२ मा अध्ययनरत) विद्यार्थीका लागि छात्रवृत्ति	४०			४२			४४	
१३	आधारभूत तथा आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाको लागि औषधि खरिद	११९२			१२५२			१३१४	
१४	सुरक्षित नागरिक आवास कार्यक्रम :- म्याग्दी जिल्ला क्षेत्र नं. १ अन्तर्गत अन्नपूर्ण गाउँपालिका- १९५ वटा (स्वीकृत आवास संख्या अनुसार आ.व. २०८१/८२ सम्म समझौता भएका लाभग्राहीका लागि भुक्तानी गर्ने )	२००			२१०			२२१	
१५	हुम खोला झो.पु-(भत्की सकेको)	६००			६३०			६६२	
	जम्मा	३०९४७८	०	०	३२४९५२	०	०	३४९१९९	०

८०४४४५०१५१२ संघीय सरकारबाट हस्तान्तरित कार्यक्रम (विशेष अनुदान) ( रु. हजारमा )

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	पाउट्वार मा.वि.मा पर्वाधार निर्माण	१४००								
२	प्रभा माविमा भौतिक पुर्वाधार निर्माण	१८८००								
३	रुप्से झरनामा पर्यटन पुर्वाधार निर्माण	११५००								
	जम्मा	३१७००								

८०४४४५०१५१३ संघीय सरकारबाट हस्तान्तरित कार्यक्रम(सम्पुरक अनुदान) ( रु. हजारमा )

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	७ नं वडा कार्यालय भवन निर्माण	९०००								
	जम्मा	९०००								

८०४४४५०१५२२ प्रदेश सरकारबाट हस्तान्तरित कार्यक्रम (विशेष अनुदान) ( रु. हजारमा )

क्र.सं.	कार्यक्रम	आ.व. २०८२/८३ को अनुमान			आ.व. २०८३/८४ को प्रक्षेपण			आ.व. २०८४/८५ को प्रक्षेपण		
		कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत	कुल	चालु	पूँजिगत
१	हल्लेखर्क बैसरी कुरमुनी पोखरेबगर एक घर एक धारा खानेपानी आयोजना (प्रदेश विशेष अनुदान)	४०००								
	जम्मा	४०००								

अन्तर्मुखी गाउँपालिका